हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● बुधवार ● 10.12.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 135 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

झारखंड विधानसभा में 7721.25 करोड़ का अनुपूरक बजट हुआ पास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा में चल रहे शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन सदन में ध्वनिमत से 7721.25 करोड़ का अनुपूरक बजट पास हो गया। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर का सदन में जवाब शुरू होते ही बीजेपी ने वॉकआउट किया। वित्त मंत्री ने कहा कि एक अप्रैल से 30 नवंबर तक 67,696.37 करोड़ रुपये राजस्व की प्राप्ति हुई, जिसमें 66,871 करोड़ रुपये खर्च किए गए। कुल 98.8 फीसदी खर्च किया गया है। स्टेट ऑन टैक्स के लिए टारगेट 41600 करोड़ रुपए का था, जिसमें 30 नवंबर तक 23,897 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई है। वहीं स्टेट टैक्स से 19456 करोड़ वसूली का लक्ष्य है, जिसमें 8565.63 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई है। हम आंतरिक संसाधन को मजबूत कर रहे हैं। एडिशनल रेवेन्यू मोबलाइजेशन से पैसे की प्राप्ति कर लेंगे।

केंद्र से 28,863। 64 करोड़ रुपए नहीं मिले हैं

वित्त मंत्री ने कहा कि 30 नवंबर तक केंद्र सरकार से केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी में 47040 करोड़ में से 30971 करोड़ रुपये ही मिले हैं। वहीं केंद्रीय अनुदान में 17057 करोड़ में 4261.70 करोड़ ही मिला है। इस तरह केंद्र से 28,863.64 करोड़ रुपये नहीं मिले हैं।

अगर केंद्र पैसा देता तो 450 रुपये में गैस सिलेंडर देते

वित्त मंत्री ने कहा कि अगर केंद्र सरकार पैसे देती को 450 रुपये में गैस सिलेंडर भी देते। उज्जवला गैस योजना के तहत 65 लाख लाभुक हैं। हर महीने इतने लाभुकों को गैस सिलेंडर देने में 12 महीने में 2100 करोड़ रुपये खर्च होगा। झारखंड में बीजेपी की सरकार नहीं है, इसलिए सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। जलजीवन मिशन का 6300 करोड़ रुपये नहीं मिला है। समाज कल्याण का 890 करोड़ रुपये नहीं मिला है। पेंशन का 132 करोड़ रुपये भारत सरकार ने नहीं दिया है।

किसी भी विभाग में पैसे की कमी नहीं है

वित्त मंत्री ने कहा कि किसी भी विभाग में पैसे की कमी नहीं है। एफआरबीएम की सीमा तीन फीसदी से नीचे 2.2 फीसदी है। इंटरनल रिसोंस डेवलप कर राज्य को आगे ले जा रहे हैं। राज्य के विकास के लिए 16800 करोड़ रुपये ऋण लेंगे। मंईयां सम्मान योजना में 13 हजार 500 करोड़ का बजट है। इसके अलावा 78 हजार करोड़ रुपये जेनरल स्कीम के लिए पड़े हैं पैसों की कोई कमी नहीं है।

विस अध्यक्ष ने प्रदीप यादव पर जताई नाराजगी

रांची : सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव पर विस अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने नाराजगी जताई। अध्यक्ष ने कहा कि प्रदीप यादव बार-बार सवाल पूछकर अन्य सदस्यों का समय खराब कर रहे हैं। अध्यक्ष ने कांग्रेस विधायक से कहा कि विधानसभा केवल उनके सवालों के लिए नहीं है और अन्य सदस्यों को भी मौका मिलना चाहिए। उन्होंने विधायक को याद दिलाया कि वे एक जवाबदेह सदस्य हैं और उन्हें दूसरों के समय का भी सम्मान करना चाहिए।

बाबूलाल मरांडी ने उठाया एमबीबीएस नामांकन में गड़बड़ी का मामला

रांची : झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने एमबीबीएस नामांकन में कथित अनियमितताओं का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राज्य में मेडिकल एडमिशन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हो रही हैं। मेडिकल काउंसलिंग के दौरान झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगी परीक्षा बोर्ड (जेसीईसीईबी) मेडिकल काउंसलिंग कमिटी (एमसीसी) की निर्धारित गाइडलाइन का पालन नहीं करता। मरांडी ने कहा कि एनटीए परीक्षा के बाद परिणाम जारी कर जेसीईसीईबी को भेजता है, लेकिन एनटीए पोर्टल से सही तरीके से लिंक न होने के कारण काउंसलिंग प्रक्रिया में कई अनियमितताएं सामने आती हैं। उन्होंने दावा किया कि इस खामी का फायदा उठाकर कुछ छात्र गलत जाति, आवासीय प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेज जमा कर देते हैं, जिससे कई योग्य छात्रों का भविष्य प्रभावित होता है।

मुख्यमंत्री से झारखंड की अंडर-14 फुटबॉल टीम ने की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को झारखंड विधानसभा में झारखंड की "अंडर-14 बालक फुटबॉल टीम" ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने टीम के सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगियों को राष्ट्रीय चैंपियन बनने पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि झारखंड में खेल के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य के युवाओं की प्रतिभा और समर्पण झारखंड के गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह उम्मीद जताई कि इसी प्रकार झारखंड के खिलाड़ी भविष्य में भी खेल जगत में नए आयाम स्थापित करेंगे। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के उमरिया में 1 दिसंबर से 6 दिसंबर 2025 तक आयोजित 69वीं स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया राष्ट्रीय स्कूली फुटबॉल चैंपियनशिप में झारखंड की अंडर-14 बालक फुटबॉल टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब अपने नाम किया था। फाइनल मुकाबले में झारखंड ने रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में पंजाब को 6-5 से पराजित कर यह गौरव हासिल किया। यह प्रतियोगिता झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के बैनर तले आयोजित हुई थी। खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री से बातचीत के दौरान बताया कि राज्य सरकार की खेल नीतियों एवं प्रोत्साहन योजनाओं से उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रेरणा मिल रही है।

एक नजर

राहुल गांधी ने चुनाव सुधारों पर चर्चा में अपने पुराने आरोपों को ही दोहराया

नयी दिल्ली : कांग्रेस पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि वोट चोरी सबसे बड़ा देश विरोधी कार्य है। वोट से पूरे देश का ताना-बाना जुड़ा हुआ है और इसी के चलते सब संस्थान विधानसभा यहां तक की संसद भी अस्तित्व में है। राहुल गांधी ने लोकसभा में चुनाव सुधारों से जुड़ी चर्चा में भाग लिया और केंद्र सरकार पर वोट चोरी और संस्थानों पर कब्जे के अपने पुराने आरोपों को दोहराया। उन्होंने उन मांगों को भी दोहराया जिन्हें वह पहले भी प्रेस वार्ता में उठाते रहे। उन्होंने मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट, सीसीटीवी फुटेज प्राप्त करने की मांग की और आरोप लगाया कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान वोट चोरी हुई है। उन्होंने हरियाणा की वोटर लिस्ट में एक ब्राजील महिला के कथित तौर पर कई बार आने का भी मुद्दा उठाया और इस दौरान बाकी कांग्रेस सदस्यों ने महिला का फोटो लहराया। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने आपत्ति जताई।

झारखंड कैडर को 5 नए आईपीएस, 3 अधिकारियों की प्रोन्नति सशर्त मंजूर

रांची : केंद्रीय गृह मंत्रालय ने झारखंड कैडर के पांच वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा में प्रोन्नति देने की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही तीन अन्य अधिकारियों के नामो को चयन सूची में प्रोविजनल (सशर्त) रूप से शामिल किया गया है। इन तीनों अधिकारियों को पूर्ण प्रोन्नति तब मिलेगी, जब वे अपने खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों में निर्दोष साबित होंगे और राज्य सरकार द्वारा उन्हें इंटीग्रिटी सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। आईपीएस में प्रोन्नति को लेकर संघ लोक सेवा आयोग की अहम बैठक 10 नवंबर को हुई थी। इस बैठक में झारखंड कैडर की वर्ष 2022 और 2023 की रिक्तियों के आधार पर उपयुक्त अधिकारियों के नामों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। वढरउ ने इस प्रक्रिया के बाद 8 दिसंबर को प्रोन्नति सूची को अंतिम रूप दिया, जिसे केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अधिसूचना के माध्यम से सार्वजनिक किया।

डीजीसीए ने की इंडिगो की शीतकालीन उड़ान सेवाओं में 10 फीसदी की कटौती

एजेंसी

नयी दिल्ली : नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो एयरलाइन की शीतकालीन उड़ानों में 10 फीसदी की कटौती करने का निर्णय लिया है। इस कटौती से एयरलाइन की लगभग 220 उड़ानें रोज कम होंगी। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो प्रतिदिन करीब 2,200 उड़ानें संचालित करती है।
नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मंगलवार को इस संबंध में एक आदेश जारी करके कहा कि 1 दिसंबर से बड़े पैमाने पर उड़ान व्यवधानों के बाद निजी क्षेत्र की विमान कंपनी इंडिगो की उड़ान सेवाओं में पांच फीसदी की कटौती की गई है। इंडिगो की सभी क्षेत्रों की उड़ानों में कटौती की गई है। इसके साथ ही एयरलाइन को बुधवार शाम 5 बजे तक डीजीसीए को संशोधित कार्यक्रम (शेड्यूल) प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया गया है। डीजीसीए की ओर से इंडिगो को जारी आधिकारिक नोटिस में कहा गया है कि विंटर शेड्यूल के तहत नवंबर के लिए एयरलाइन को प्रति सप्ताह 15,014 प्रस्थान और कुल 64,346 उड़ानों की मंजूरी दी गई थी। हालांकि, परिचालन आंकड़ों से पता चलता है कि इंडिगो केवल 59,438 उड़ानें ही संचालित कर पाई। नवंबर महीने में एयरलाइन की 951 उड़ानें रद्द की गईं।
इससे पहले केंद्रीय नगार विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा था कि सरकार चालू शीतकालीन कार्यक्रम के तहत इंडिगो एयरलाइन की उड़ानों में कटौती की जाएगी। वित्त वर्ष 2025-26 के शीतकालीन कार्यक्रम के तहत विमानन कंपनी प्रतिदिन 2,200 से अधिक उड़ानें संचालित कर रही हैं।

नीतीश कैबिनेट में 19 प्रस्तावों पर मुहर, राज्यकर्मियों का डीए बढ़ा

एजेंसी

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बिहार कैबिनेट बैठक में कुल 19 महत्वपूर्ण एजेंडों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट की बैठक में सरकारी कर्मचारियों को बड़ी सौगात मिली है। सबसे बड़ा निर्णय सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का डीए 5 प्रतिशत बढ़ाने का रहा। कैबिनेट ने राज्य सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का महंगाई भत्ता 5 प्रतिशत बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। यह संशोधित दरें 1 जुलाई 2025 से प्रभावी होंगी। डीए बढ़ने से राज्य सरकार के लाखों कर्मचारियों को सीधे आर्थिक लाभ मिलेगा। वित्त विभाग के अनुसार, बढ़े हुए डीए का भुगतान जल्द ही जारी होने की संभावना है। कैबिनेट की बैठक के अनुसार षष्ठम केंद्रीय वेतनमान में वेतन और पेंशन प्राप्त कर रहे राज्य सरकार के सरकारी सेवकों और पेंशन भोगियों को अब 252

प्रतिशत के स्थान पर 257 प्रतिशत डीए मिलेगा। वहीं पंचम केंद्रीय वेतनमान में वेतन पेंशन प्राप्त कर रहे हैं राज्य सरकार के सरकारी सेवकों और पेंशन भोगियों को 466 प्रतिशत का स्थान पर 474 प्रतिशत डीए मिलेगा।
वहीं कैबिनेट की बैठक में तीन नए विभागों के गठन को लेकर भी मंजूरी मिल गई है। यानि बिहार सरकार में अब 45 विभागों के अतिरिक्त तीन नए विभाग होंगे। इनमें युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, उच्च शिक्षा विभाग और सिविल विमानन विभाग शामिल हैं। इसके साथ पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग का नाम डेयरी मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग करने को लेकर मंजूरी मिली है। श्रम संसाधन विभाग का नाम श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग और कला संस्कृति एवं युवा विभाग का नाम कला एवं संस्कृति विभाग करने की भी स्वीकृति मिल गई है। विद्यार्थी कौशल कार्यक्रम को भी मंजूरी प्रदान की गई। वहीं मध्य निषेध विभाग के अंतर्गत बिहार दस्तावेज लेखक संशोधन नियमावली 2025 को भी स्वीकृति मिल गयी है। इसके अलावा मुख्यमंत्री शिक्षा भारती निवारण योजना के अंतर्गत भिक्षावृत्ति निवारण नियमावली 1954 के संशोधन को मंजूरी दे दी गई है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए जवान के पुत्र को नौकरी देने की मंजूरी

कैबिनेट की बैठक में विज्ञान और तकनीकी विभाग के प्रस्ताव वित्तीय और प्रशासनिक नियंत्रण में बिहार रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर के उपयोग के लिए 2025 के प्रस्ताव पर सहमति मांगी गई है। वहीं ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद बीएसएफ के सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज के पुत्र को नौकरी देने को लेकर कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। आपदा प्रबंधन विभाग के बिहार के गया जी मुंगेर को नागरिक सुरक्षा जिला घोषित कर देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिल गई है। उद्योग विभाग के अंतर्गत तकनीकी विकास निदेशालय का नाम परिवर्तित कर सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम निदेशालय करने को मंजूरी मिल गई है।

'वंदे मातरम' पर चर्चा से आगामी पीढ़ियों को इसके असली महत्व को समझने में मिलेगी मदद : अमित शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कहा कि संसद के दोनों सदनों में इस अमर कृति पर विमर्श आने वाली पीढ़ियों को इसके वास्तविक महत्व, गौरव और राष्ट्रीय चेतना से जोड़ने का कार्य करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति भक्ति, कर्तव्य और समर्पण की भावना का शाश्वत प्रतीक है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम में देश की आत्मा को जागृत किया। शाह ने कहा कि उस दौर में वंदे मातरम देश को आजाद कराने का कारण बना था और अमृतकाल में यह देश को विकसित तथा महान बनाने का नारा बनेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वंदे मातरम पर चर्चा को बंगाल चुनाव से जोड़ने वाले लोग इसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को कम आंकने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि यह विषय राजनीति से परे राष्ट्रीय गौरव का विषय है।

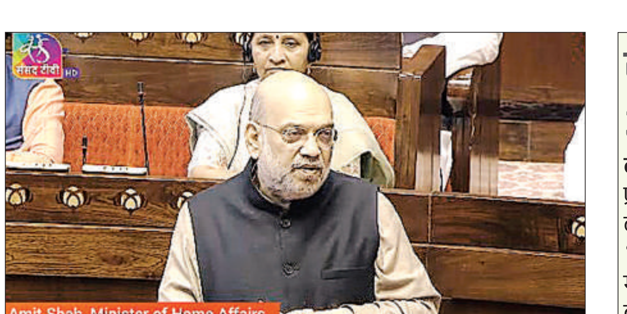

गृहमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम की प्रासंगिकता उसकी रचना के समय भी थी, आजादी के आंदोलन में भी थी, आज भी है और 2047 में विकसित भारत के निर्माण के समय भी बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जहां भी देशभक्त एकत्र होते थे, उनकी हर बैठक की शुरूआत वंदे मातरम् के साथ होती थी। आज भी सीमा पर जब वीर जवान सर्वोच्च बलिदान देते हैं, तब उनकी जुबान पर एक ही शब्द होता है-वंदे मातरम।
अमित शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में जब वंदे मातरम का गान होता है, तब इंडी गठबंधन के कई सदस्य सदन से बाहर चले जाते हैं। उन्होंने 1992 का उल्लेख करते हुए कहा कि जब भाजपा सदस्य राम नाईक की पहल और लालकृष्ण आडवाणी के आग्रह पर लोकसभा में वंदे मातरम का सामूहिक गान फिर शुरू हुआ, तब भी कई विपक्षी दलों ने इसका विरोध किया था।

बंगाल की संस्कृति से पूरी तरह अनजान है भाजपा : ममता

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने लोकसभा में सोमवार को दिए गए भाषण में वंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को 'बंकिम-दा' कहकर संबोधित करने को 'अज्ञानता और अनादर' बताया। मंगलवार को कूचबिहार में आयोजित जनसभा में ममता ने कहा कि यह बंगाल की संस्कृति और इतिहास का अपमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमवार को संसद सत्र के दौरान प्रधानमंत्री ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को 'बंकिम दा' कहा। जैसे श्याम-दा या हरी-दा कहा जाता है। बंकिम चंद्र, जिन्होंने देश का राष्ट्रीय गीत लिखा, उनके लिए यह संबोधन किसी भी तरह सम्मानजनक नहीं है। देश की जनता के सामने सिर झुकाना भी कम पड़ेगा। यह संस्कृति और इतिहास पर चोट है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार बंगाल की बौद्धिक और सांस्कृतिक धरोहर को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि इन्होंने कहा कि राजा राममोहन रॉय देशभक्त नहीं थे। खुदीराम बोस को आतंकवादी बताया। विद्यासागर की प्रतिमा तोड़ी।

एचसी ने महाधिवक्ता की अध्यक्षता में बनाई कमेटी, शहर के सुधार के लिए होगी बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने राजधानी रांची की अव्यवस्थित स्थिति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए शहर के समग्र सुधार के लिए सरकार और संबंधित विभागों को तुरंत ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने साफ किया कि राजधानी की व्यवस्था सुधारना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है और अब देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने टिप्पणी की कि रांची शहर की समस्याओं के समाधान के लिए सभी हितधारकों को एक मंच पर लाना जरूरी है। इसी उद्देश्य से अदालत ने उच्चस्तरीय समिति के गठन की घोषणा की है।
अदालत ने निर्देश दिया है कि समिति की पहली बैठक 10 दिसंबर 2025 को शाम 5 बजे महाधिवक्ता राजीव रंजन के कार्यालय में आयोजित की जाए। कोर्ट ने उम्मीद जताई है कि सभी सदस्य व्यक्तिगत रूप से बैठक में शामिल होंगे, हालांकि आवश्यकता पड़ने पर वर्चुअल उपस्थिति की अनुमति भी दी गई है। मामले की अगली सुनवाई 12 दिसंबर को होगी। खंडपीठ द्वारा गठित इस महत्वपूर्ण समिति की अध्यक्षता राज्य के महाधिवक्ता राजीव रंजन करेंगे।
समिति में राज्य के मुख्य सचिव, झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), शहरी विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव, ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव, रांची स्मार्ट सिटी कॉर्पोरेशन के चेयरमैन-कम-एमडी, रांची नगर निगम के नगर आयुक्त, उपायुक्त रांची, एसएसपी रांची, ट्रैफिक एसपी और झारखंड हाई कोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और सचिव को शामिल किया गया है।

एक नजर

बरही के गांवों से छह युवा सीजीएल से बने अधिकारी

बरही : बरही के विभिन्न गांवों से 6 युवा सीजीएल की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अधिकारी बने हैं। बरही के डपोक, श्रीनगर, लठिया, कोल्हुआकला और गौरियाकरमा गांवों में युवाओं की सफलता पर हर्षोल्लास है। युवाओं ने ने केवल अपने माता पिता का बल्कि पूरे गांव का नाम रोशन किया है। बरही के डपोक गांव के दिनेश यादव पिता रामदेव यादव सीजीएल की परीक्षा पास कर प्रखंड कल्याण पदाधिकारी का पद पाया है। बरही के श्रीनगर गांव से दो युवाओं ने सीजीएल की परीक्षा पास की है। श्रीनगर गांव के सत्यम कुमार यादव पिता ईश्वर यादव एएसओ के पद पर चयनित हुए हैं। वहीं श्रीनगर गांव के अजय यादव पिता श्याम यादव का भी चयन एएसओ के पद पर हुआ है। बरही के कोल्हुआकला गांव के दीपक यादव पिता मणिलाल यादव का चयन भी एएसओ के पद पर हुआ है। बरही के गौरियाकरमा निवासी अशोक कुमार मेहता पिता बालेश्वर महतो सीजीएल की परीक्षा पास कर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी का पद प्राप्त किया है। बरही के लठिया गांव के दो युवा सीजीएल की परीक्षा पास कर अधिकारी बने हैं। लठिया गांव के अजय यादव पिता स्व जगदीश यादव का चयन सीआई के पद पर हुआ है वहीं लठिया गांव के बबलु कुमार पिता किशुन यादव का चयन एएसओ के पद पर हुआ है।

बाइक से गिरकर महिला हुई घायल

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत विजैया में बाइक सवार महिला गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला की पहचान सुमिया देवी उम्र करीब 50 वर्ष पति राजेंद्र प्रसाद कुशवाहा के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल महिला अपने पति के साथ कोडरमा से तिलैया डैम होकर बरसोत लौट रही थी। इसी क्रम में महिला बाइक से गिरकर घायल हो गई। वहीं पंचमाधव निवासी महेश यादव विजैया से वापस बरही लौट रहे थे, जहां उन्होंने मानवता का परिचय देते हुए अपने निजी कार से घायल महिला को बरही अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया।

चलकुशा के नीरज सिंह बने प्रखंड कल्याण पदाधिकारी

चलकुशा : झारखंड CGL परीक्षा का परिणाम घोषित हो गया है, जिसमें चलकुशा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चलकुशा निवासी अलखदेव सिंह के बड़े सुपुत्र नीरज सिंह ने सफलता प्राप्त कर प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी बनने का रास्ता साफ कर लिया है। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद नीरज ने कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। इनके इस सफलता की खुशी से परिजन गौरवान्वित हैं।

दीपक सिंह बने सहायक प्रशाखा पदाधिकारी

चलकुशा : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चलकुशा के उमेश सिंह जी के बड़े सुपुत्र दीपक सिंह जेएससी सीजीएल की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के रूप चयनित हुए हैं। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दीपक ने कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर यह उपलब्धि हासिल की। सफलता की खुशी से परिजन गौरवान्वित हैं। दीपक ने कहा लगातार प्रयास ने लक्ष्य तक पहुंचाया। परीक्षा की तैयारी उन्होंने हजारीबाग में रहकर की थी। युवाओं के लिए संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि परिश्रम आत्मविश्वास और परिवार के समर्थन से कुछ भी संभव है।

नयी बाइक बनी मौत का सफर : सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के बेढ़ना बारा के पास सोमवार देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों युवक हाल ही में खरीदी गई नई मोटरसाइकिल से बाजार से सामान लेकर अपने घर लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, करीब एक सप्ताह पूर्व ही उन्होंने नई बाइक खरीदी थी। रात में लौटने के दौरान बेढ़ना बारा के समीप सिलेंडर गैस से लदा तेज रफ्तार 10 चक्का ट्रक (संख्या जेएच 09 एई9519) ने उनकी मोटरसाइकिल को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयावह थी कि दोनों युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो

गई। मृतकों की पहचान अमित कुमार सोनी, पिता महादेव पोद्दार, ग्राम सूजी झापा, तथा विजय कुमार, पिता घनश्याम साव, झापा निवासी के रूप में हुई है। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया। स्थिति कुछ समय के लिए तनावपूर्ण हो गई। सूचना मिलते ही चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर रात लगभग 3 बजे जाम हटवाया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर सुबह पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। साथ ही दुर्घटना में शामिल ट्रक को जब्त कर थाने ले जाया गया है। हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की गहरी लहर फैल गई है। दोनों युवकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मंगलवार शाम को गाँव के मुक्तिधाम में दोनों का अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस ने ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है।

16 दिसंबर से शुरू होगा खरमास, एक महीने तक नहीं होंगे मांगलिक कार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : हिंदू धर्म में खरमास के महीने को शुभ कार्यों के लिए वर्जित माना गया है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, जब सूर्य देव धनु राशि या मीन राशि में प्रवेश करते हैं, तो उस काल को खरमास या मलमास कहा जाता है। इस दौरान कोई भी मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है। साल 2025 में खरमास की शुरूआत 16 दिसंबर से होने वाली है, जिससे शादी-विवाह, गृह प्रव्श और मुंडन जैसे सभी शुभ कार्यों पर एक महीने के लिए रोक लग जाएगी। पंचांग के अनुसार, सूर्य देव 16 दिसंबर 2025 को धनु राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य के धनु राशि में प्रवेश करते ही खरमास की शुरूआत हो जाएगी।

ानी पूरे एक महीने तक मांगलिक कार्यों के लिए कोई शुभ मुहूर्त नहीं रहेगा। मकर संक्रांति के दिन सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करते ही खरमास समाप्त हो जाएगा और फिर से शुभ कार्य शुरू किए जा सकेंगे। इस संबंध में आचार्य चेतन पांडे ने बताया कि पौष मास हिंदू पंचांग का दसवां महीना होता है। इसकी शुरूआत मार्गशीर्ष पूर्णिमा के अगले दिन से होती है। इस बार पौष महीने की शुरूआत 5 दिसंबर दिन शुक्रवार से हुआ है। इसे पूष का महीना भी कहा जाता है। धार्मिक दृष्टि इसे अत्यंत पवित्र माना जाता है। उन्होंने बताया कि इस दौरान पितरों की शांति के लिए दान और सेवा विशेष फलदायी माना जाता है। यह महीना विशेष रुप से सूर्य देव से जुड़ा हुआ है, इसलिए भगवान सूर्यदेव की आराधना के लिए इसे अत्यंत पवित्र माना गया है। पौष माह में सूर्य उपासना करने से सौभाग्य और स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। इस महीने में भागवत कथा, रामायण पाठ, आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ, महामृत्युंजय मंत्र का जप व अन्य वैदिक मंत्रों का जप-तप और सत्संग करने से पाप क्षय होता है।

विस्थापित को प्रति एकड़ मिलने वाले राशि को बढ़ाकर 50 लख रुपए किया जाए : रोशन लाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : मंगलवार को षष्ठम झारखंड विधानसभा के चतुर्थ शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने बड़कागांव एवं केरेडारी प्रखंड क्षेत्र में संचालित कोल खनन परियोजनाओं में विस्थापित परिवारों को मिलने वाले मुआवजा एवं पुनर्वास राशि के मामले में सरकार को घेरते हुए सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि बड़कागांव एवं केरेडारी प्रखंड क्षेत्र में संचालित कोल खनन परियोजनाओं में विस्थापित परिवारों को मिलने वाली मुआवजा एवं पुनर्वास राशि आज के परिवेश के अनुपात में अत्यंत कम है। वर्तमान समय में प्रति एकड़ मात्र 24 लाख रुपये अथवा उससे कम मुआवजा दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त

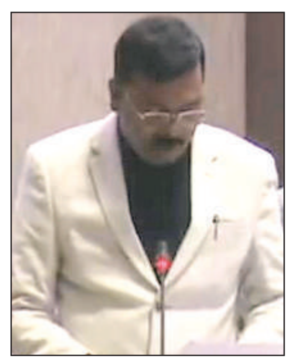

विस्थापितों को 10,85,000 का पुनर्वास भत्ता तथा प्रति एकड़ 3,000 मासिक पेंशन प्रदान की जाती है। जिसका निर्धारण आज से लगभग 10 वर्ष पूर्व किया गया था। वर्तमान स्थिति में महंगाई, भूमि मूल्य एवं आज की जीवन-यापन लागत को देखते हुए यह राशि बिल्कुल अपर्याप्त है। अतः सदन के माध्यम से मैं सरकार से मांग करता हूँ कि एकमुश्त मुआवजा राशि को 24 लाख से बढ़ाकर 50 लाख प्रति एकड़ किया जाए। एकमुश्त पुनर्वास भत्ता को 10.85 लाख से बढ़ाकर 25 लाख प्रति वयस्क किया जाए। वही पेंशन राशि को बढ़ाकर 10,000 प्रति माह किया जाए। आगे उन्होंने कहा कि मैं खुद विस्थापित परिवार का सदस्य हूं इस नाते विस्थापितों का दर्द समझता हूं। विस्थापितों के समुचित सम्मान, सुरक्षा एवं भविष्य को ध्यान में रखते हुए इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाना आवश्यक है। ताकि विस्थापित परिवारों को उनके हक और अधिकार मिले। और यह उन्हें मिलना ही चाहिए क्योंकि यह उनका अधिकार है। और मैं विस्थापित प्रभावित परिवारों के साथ हर लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं।

एनएचआरए के प्रदेश विधि उपाध्यक्ष बने तुलसी प्रसाद यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन झारखंड प्रदेश इकाई की ओर से संगठन का विस्तार करते हुए हजारीबाग जिला अंतर्गत खोड़ाहार निवासी अधिवक्ता तुलसी प्रसाद यादव को प्रदेश विधि उपाध्यक्ष बनाया गया है। इनका मनोनयन प्रदेश संयोजक भरत यादव की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति के द्वारा किया गया है। तुलसी प्रसाद यादव पेशे से अधिवक्ता है। इनके द्वारा सामाजिक कार्यों में काफी सहभागिता रहती है। प्रदेश विधि उपाध्यक्ष बनाए के बाद उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार, राष्ट्रीय महासचिव संजय सुमन, प्रदेश प्रभारी मुकुंद साव एवं प्रदेश संयोजक भरत यादव ने एक कार्यक्रम आयोजित कर पुष्पगुच्छ

देकर सम्मानित किया जीएम प्रदेश उपाध्यक्ष (विधि प्रकोष्ठ) बनाए जाने राष्ट्रीय एवं प्रदेश टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई, उसका पूर्ण निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करेंगे। मानवाधिकार संरक्षण के लिए काम करेंगे। प्रदेश विधि उपाध्यक्ष का मनोनयन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार, राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार सुमन, राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिलीप राय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार चौधरी, राष्ट्रीय विधि सचिव आत्मानंद कुमार पांडेय, प्रदेश प्रभारी मुकुंद साव, महिला प्रदेश अध्यक्ष प्रीति उपाध्याय, महासचिव मंजू सिंह, प्रदेश संयोजक भरत यादव, प्रदेश संगठन सचिव बिपिन बिहारी पांडेय, सिमरन कुमारी, अनुमंडल अध्यक्ष कमल शंकर पंडित, महासचिव प्रभाकर पाठक, मो तैयब, मनोज कुमार, महेश प्रसाद, शरीफुल हक आदि ने बधाई दी है।

किसानों के साथ छलावा करना बंद करें झारखंड सरकार : खेमलाल महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : जब झारखंड में रघुवर दास की सरकार थी तब उस समय किसानों को 1. 85 रू. बोनस मिला उसके बाद से वर्तमान झारखंड सरकार किसानों के साथ ठगी करते हुए बोनस की राशि घटाते गया। उक्त बातें भाजपा बड़कागांव पूर्वी उरीमारी मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा।आगे उन्होंने कहा कि 2022-23 में बोनस की राशि मात्र 10 पैसा कर दिया था। चुनावी वर्ष होने के कारण 2024-25 में 100 रुपए किया।और इस बार पुनः प्रति क्विंटल 19 रुपया प्रति क्विंटल बोनस में कटौती किया।जबकि भारत सरकार प्रत्येक वर्ष धान की दर में बढ़ोतरी करते आया है।इस वर्ष भी 69 रुपया प्रति क्विंटल भारत सरकार ने बढ़ोतरी किया है।और हेमंत सोरेन की सरकार किसानों के

साथ सौतेला एवं दुर्व्यवहार करते हुए 19 रूपया प्रति क्विंटल घटा दिया। जबकि किसानों के खेती में लागत से सामग्री खाद, बीज में बेतहाशा वृद्धि होते आया है। अगर वर्तमान झारखंड सरकार किसानों के हितैषी होती तो रघुवर दास की सरकार में 1.85 था तो आज के दर में लगभग 28 से 30 रुपया धान की कीमत होनी चाहिए थी। इस तरह से बार-बार वर्तमान हेमन्त सरकार किसानों को ठगने का काम कर रही है। जिसका समय पर किसान मुंहतोड़ जवाब जरूर देंगे।

बरही होगा नशामुक्त : 14 दिसंबर से शुरू होगी नशापान के खिलाफ बड़ी मुहिम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड को नशामुक्त बनाने के लिए प्रशासन व पंचायत जनप्रतिनिधियों की संयुक्त पहल अब जनसहभागिता के साथ एक बड़े जनअभियान में बदलने जा रही है। मंगलवार को बरही थाना परिसर में थाना प्रभारी विनोद कुमार की अध्यक्षता में विभिन्न पंचायतों के मुखिया, उपमुखिया, पंचायत समिति सदस्य और समाजसेवियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नशा उन्मूलन के लिए व्यापक और कड़ी रणनीति तैयार की गई। निर्णय लिया गया कि आगामी 14 दिसंबर को सुबह 11 बजे सभी पंचायत प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों के ग्रामीणों के साथ अनुमंडलीय

अस्पताल बरही में जुटेंगे। जहां से नशाखोरी और नशा कारोबार के खिलाफ एक विशाल जागरूकता रैली निकाली जाएगी। रैली के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया जाएगा और नशा कारोबारियों के प्रति सख्त कार्रवाई का संकेत भी दिया जाएगा। अभियान के तहत ड्रग्स एवं ब्राउन शुगर जैसे घातक नशे में लिप्त युवाओं को नशा मुक्ति केंद्र भेजने की व्यवस्था की जाएगी। वहीं, ड्रग्स एवं ब्राउन शुगर के कारोबारियों को चिन्हित कर त्वरित कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस अभियान को लेकर 12 दिसंबर से जनजागरूकता वाहन गांव-गांव जाकर लोगों को नशा उन्मूलन का संदेश देगा। बरही क्षेत्र में किशोरों और युवाओं के बीच बढ़ रही नशाखोरी की प्रवृत्ति को देखते हुए यह अभियान बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अभियान के दौरान पंचायत स्तरीय बैठकें, जागरूकता कार्यक्रम, रैली, धर-पकड़ अभियान और जनसहभागिता आधारित कई गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी। बैठक में मुखिया राजेंद्र प्रसाद, मोतीलाल चौधरी, विजय कुमार यादव, मनोज कुमार, नारायण यादव, गोविंद प्रसाद, सिकंदर राणा, हरेंद्र गोप, विशेश्वर यादव, मुकेश कुमार, रामचंद्र टुडू, अर्जुन रविदास, छोटन ठाकुर; उपमुखिया में दामोदर वर्मा; पंचायत समिति सदस्यः विकास सिंह; समाजसेवीः तोकिर रजा, प्रकाश साव सहित कई पंचायत प्रतिनिधि व गणमान्य लोग शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

दिन के उजाले में भी फल फूल रहा है अवैध बालू का कारोबार : मो कयूम

बरही : सरकार द्वारा जारी आदेश की अवहेलना करते हुए बरही प्रखंड के कई क्षेत्रों से अवैध बालू से तेल निकालने का खेल पूरे जोर शोर से चल रहा है। इस संबंध में अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति अध्यक्ष सह पूर्व जिप प्रतिनिधि मो कयूम ने कहा कि दिन के उजाले में दर्जनों ट्रैक्टर से बालू की उठाव एवं बिक्री हो रही है। स्थानीय लोगों में यह चर्चा है कि पुलिस की नजरों के सामने से ट्रैक्टर गुजरने के बाद भी मूकदर्शक बनी है। अंचलाधिकारी भी इसके प्रति गंभीर है। बालू उठाव पर प्रतिबंध रहने के बाबजूद माफिया रातों रात खेत को गड्ढे में तब्दील कर रहा है। इससे सरकार को प्रतिदिन लाखों का राजस्व का नुकसान हो रहा है। इस कारण किसानों को अपने खेतों की जुताई व सिंचाई करने में असुविधा हो रही है। प्रखंड के भंडारों एवं कोल्हुआकला के नदियों से प्रत्येक दिन सैकड़ों ट्रैक्टर बालू बालू उठाव कर लेने से नदी गड्ढे में तब्दील हो रही है। जिससे गड्ढा अधिक होने से किसानों के खेतों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि बालू का उठाव कुछ माफिया किस्म के लोग करते हैं और उसका नतीजा किसानों को भुगतना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि खेतों में अधिक गड्ढा कर देने से किसी भी समय कोई भयंकर हादसा हो सकता है। इन नदियों से पहले सैकड़ों एकड़ जमीन पर पटवन होता था, लेकिन बालू उठाव के कारण नदी गड्ढे में तब्दील हो गयी है। धीरे धीरे बराकर नदी का अस्तित्व मिटता जा रहा है। बताया जाता है कि अवैध बालू का उठाव करने में कम खर्च आता है और बालू की बिक्री 4000 से 4500 रुपये प्रति ट्रेलर हो रहा है। इस फायदेमंद धंधे को कौन छोड़ सकता है। लेकिन प्रशासन की चुप्पी समझ से परे हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश आज आऐंगे हजारीबाग

हजारीबाग : संगठन सृजन 2025 के अंतर्गत झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश बुधवार को हजारीबाग आएंगे। हजारीबाग जिला कांग्रेस कमिटी के मीडिया अध्यक्ष निसार खान ने बताया कि एक दिवसीय कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश तीन जिला का भ्रमण करेंगे। दिनांक: 10/12/2025 दिन बुधवार को पूर्वाह्न 07 बजे लोवाडीह स्थित अपने निजी आवास से चतरा जिला के लिए प्रस्थान कर पूर्वाह्न 10 .30 बजे चतरा जिला कार्यक्रम में भाग लेकर दोपहर के 01 बजे हजारीबाग पहुंच कर जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में ग्राम पंचायत कांग्रेस कमिटी का गठन एंव वार्ड कांग्रेस कमिटी का गठन तथा बीएलए चयन फार्म 2 भरने की समीक्षात्मक बैठक मे भाग लेकर अध्यक्ष अपराह्न दो बजे बोकारो जिला के लिए निकल कर अपराह्न चार बजे बोकारो जिला कार्यक्रम में भाग लेंगे।

वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन की सात दिवसीय रक्तदान शिविर संपन्न

हजारीबाग : वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन द्वारा शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में 2 दिसंबर से 8 दिसंबर तक आयोजित सात दिवसीय रक्तदान शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। शिविर का उद्घाटन एसोसिएशन के अध्यक्ष समाजसेवी एवं ह्यब्लड मैनह्न के नाम से चर्चित निर्मल जैन ने किया। इस सात दिनी शिविर में कुल 127 रक्तदाताओं ने थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों और रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों के लिए रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया। रक्तदान करने वालों में राजन अंसारी, मिथिलेश कुमार, मुश्ताक अंसारी, सुनील कुमार, रोशन अभिषेक, संतोष कुमार, अनिल कुमार, अजय पंडित, गोलू राज, दीपक, हर्ष कुमार, मनोज दास, फैजान, उमाशंकर सिंह, पुनीत सिंह, बिपिन बिहारी सिंह, मोहम्मद अलाउद्दीन, सुजल सिंह, शुभम कुमार, नीलम सहित कई लोग शामिल रहे। अध्यक्ष निर्मल जैन ने सभी रक्तदाताओं को धन्यवाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि रक्त उपलब्ध होने के बावजूद रांची से रिपोर्ट आने में देरी के कारण कई मरीज समय पर रक्त नहीं पा पाते। मशीन की गड़बड़ी या प्रक्रियागत देरी के चलते रिपोर्ट आने में 2झ3 दिन लग जाना गंभीर समस्या है, जिसमें तत्काल सुधार की आवश्यकता है। शिविर को सफल बनाने में एसोसिएशन के महासचिव विनीत छाबड़ा, कोषाध्यक्ष विनीत अग्रवाल, प्रभु कुशवाहा, राजेश सेठी, गौरव यादव, संकेत चौधरी और मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर नीरज कुमार तथा डॉक्टर पंडित प्रणीत सहाय की टीम का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

सीजीएल रिजल्ट में चौपारण का जलवा, गांव-गांव से निकली प्रतिभाओं ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

चौपारण : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक प्रतियोगिता परीक्षा (सीजीएल) के घोषित परिणाम में चौपारण प्रखंड के कई प्रतिभाशाली युवाओं ने शानदार सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। गांव-गांव से मिली इस बड़ी उपलब्धि ने पूरे प्रखंड में खुशी का माहौल बना दिया है। और तैयारी कर रहे क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गए। जानकारी के अनुसार ग्राम बच्छई निवासी रूपलाल राणा के सुपुत्र अरविंद राणा का चयन एएसओ (सहायक प्रशाखा पदाधिकारी) पद पर हुआ है। वहीं बच्छई पंचायत के ही ग्राम डुमरी निवासी विजय साव की सुपुत्री चंदा कुमारी ने जेएसए पद पर सफलता प्राप्त की है। इसके साथ ही भगहर पंचायत के दिलीप कुमार गुप्ता पिता रामेश्वर साव माता दुल्लो ददवी ने एएसओ बनकर सुदूरवर्ती क्षेत्र से बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वहीं सेलहारा पंचायत के ग्राम टोइया निवासी विकास कुमार यादव का चयन सर्किल इंस्पेक्टर (सीआई) पद पर हुआ है। झापा पंचायत के ग्राम बेढनाबारा निवासी ललन कुमार राणा, पिता दर्शन राणा, का चयन एएसओ पद पर हुआ है। बनऊ निवासी वरुण सिंह पिता बजरंग सिंह ने भी एएसओ (सहायक प्रशाखा पदाधिकारी) पद पर सफलता पाई है। वहीं चौपारण बाजार स्थित हीरो शोरूम के मैनेजर बीरेंद्र सिंह के बड़े पुत्र प्रशांत सिंह का चयन सर्किल इंस्पेक्टर पद पर हुआ है। वहीं कुबरी डोईया निवासी रामजीवन सिंह उर्फ रामजी सिंह के पुत्र विक्की सिंह का चयन एएसओ पद पर हुआ है, इनके पिता टोल टैक्स में कार्यरत हैं। पंचायत जवनपुर निवासी रामस्वरूप कुमार यादव पिता टुकन यादव जो वर्तमान मुखिया जानकी यादव के भतीजे हैं, का चयन श्रम प्रवर्तन अधिकारी पद पर हुआ है। वहीं डेबो निवासी बिनय पांडेय पिता रामाधीन पांडेय भी एएसओ पद पर चयनित हुए हैं। ये वर्तमान में रेलवे डिपार्टमेंट में कार्यरत हैं। इन सभी सफल अभ्यर्थियों की उपलब्धि से चौपारण प्रखंड में उत्साह का माहौल है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और बुद्धिजीवियों ने सभी को बधाई दी है। बच्छई पंचायत के मुखिया बिरेन्द्र रजक, करमा पंचायत की मुखिया देवन्ती देवी, भगहर पंचायत के मुखिया कृष्णा रविदास, और जवनपुर पंचायत के मुखिया जानकी यादव,झापा पंचायत की मुखिया प्रतिनिधि बिनोद सिंह, सेल्हारा पंचायत के मुखिया प्रवीण सिंह, डेबो पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मोहन साव, पडरिया मुखीया पप्पू रजक ने संयुक्त रूप से कहा कि चौपारण के युवाओं ने यह साबित कर दिया है कि इच्छाशक्ति और मेहनत से किसी भी लक्ष्य को पाया जा सकता है।

थैलेसीमिया मरीजों के इलाज के लिए सरकार 14 लाख रुपये वहन करेगी : इरफान अंसारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड के थैलिसिमिया से पीडित बच्चों को आयुष्मान योजना के तहत अन्य राज्यों की तर्ज पर 14 लाख रुपये तक के इलाज का खर्च वहन करेगी। मंत्री ने यह बातें मंगलवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव के सवाल के जवाब में कही। प्रदीप यादव ने यह मामला ध्यानाकर्षण की सूचना के तहत उठाया था। जवाब में मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के पास झारखंड में थैलिसिमिया और सिकल सेल जैसी बीमारियों से पीड़ित बच्चों का कोई सर्वे रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। लेकिन सरकार ऐसे पीड़ित बच्चों का सर्वे कराएगी और मरीजों के हित में सदर अस्पताल में बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा

उपलब्ध कराएगी। प्रदीप यादव ने मंत्री से ऐसे बच्चों को रक्तरदान करनेवालों के लिए आई कार्ड बनाने और ऐप बनाने की भी मांग की। उन्होंने बताया कि थैलिसिमिया और सिकल सेल जैसी बीमारियों से पीड़ित बच्चों में बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए कर्नाटक 20 लाख, बिहार 15 और अरूणाचल प्रदेश में 15 लाख रुपये की सहायता राशि देती है, लेकिन झारखंड में ऐसी सुविधा नहीं है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार कोल इंडिया के सहयोग से इन बीमारियों के लिए 10 लाख रुपए तक की सहायता करती है। प्रदीप यादव ने मंत्री से झारखंड के थैलिसिमिया से पीड़ित बच्चों को रक्तदान से संबंधित व्यवस्था के बारे में पूछा इसपर मंत्री ने कहा कि यह सुविधा राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में मौजूद है। मंत्री के इस जवाब पर प्रदीप यादव ने नाराजगी प्रकट की और मंत्री पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया।

सदन बालू के मुददे पर गर्म रहा। सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर बहस हुई। अल्पसूचित प्रश्न के तहत भाजपा के विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने झारखंड में बालू की किल्लत का मुददा उठाया।

उन्होंने कहा कि पलामू जिले में बालू के व्यवसाय को थाना के जरिये मैनेज किया जा रहा है। लोगों को दूसरे राज्यों से विवश होकर महंगी दर पर बालू मंगाना पड रहा है। इसके जवाब में विभागीय मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पेसा कानून की घोषणा तक बालू घाटों से बालू के उठाव पर रोक लगाई गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जनहित में राज्य के 374 घाटों पर 100 रुपये प्रति सीएफटी बालू लोगों को उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बताया कि ऐसे 71 बालू घाट पलामू में भी हैं।

मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जनता के प्रति संकल्पित है। उन्होंने बताया कि एमडीओ के चयन में राजस्व का नुकसान नहीं हुआ है। वहीं मामले में भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि पूरे राज्य भर में बालू का अवैध उत्खनन हो रहा है। मंत्री इस मामले में सदन को गुमराह कर रहे हैं। झारखंड में कहीं भी 100 रुपये प्रति सीएफटी बालू नहीं मिल रहा है। कुशवाहा शिवपूजन मेहता ने मंत्री से जानना चाहा कि पलामू जिले में 71 कौन से बालू घाट हैं जहां सस्ता बालू सरकार लोगों को उपलब्ध करा रही है। उन्होंने मंत्री से पलामू के उन 71 बालू घाटों की सूची की मांग की जहां सस्ते दर पर बालू दिया जा रहा है।

जीडी गोयनका स्कूल में लगा 4 दिनों का एडवेंचर कैंप, छात्रों ने लिया आनंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जीडी गोयनका विद्यालय में पिछले चार दिनों से विद्यालय के समस्त छात्रों के लिए एक रोचक डे-नाइट एडवेंचर कैंप का आयोजन किया गया है। इस कैंप में नर्सरी से लेकर कक्षा 11 तक के छात्रों ने पूरी उत्सुकता के साथ अपनी भागीदारी प्रस्तुत की है। टैरोलिन क्लाइंबिंग, जिपलाइनिंग, रिवरक्रॉसिंग, रैपलिंग, लैडरक्लाइंबिंग, रोप क्लाइंबिंग जैसे गतिविधियों को छात्रों ने बड़े धैर्य और उत्साह के साथ पूर्ण किया। यह कैंप शुक्रवार 5 दिसंबर से 9 दिसंबर तक विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया था कैंप के अंतिम दिन छात्रों ने विद्यालय में नाइट स्टे किया। रात्रि गतिविधि में रोचक गतिविधियों के साथ-साथ बोनफायरिंग में गीत-संगीत व नृत्य द्वारा छात्रों ने अपने उत्साह और प्रसन्नता को प्रदर्शित किया। विद्यालय ने इस कैंप के आयोजन के लिए एल्टीट्यूड एक्सपीडिशन कंपनी से प्रशिक्षित 18 प्रशिक्षकों को आमंत्रित किया था। इनकी देखरेख और विद्यालय के शिक्षकों के निरीक्षण में ये समस्त गतिविधियां संपन्न हुई। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सुनील कुमार ने कहा कि ऐसी गतिविधियां छात्रों को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर व्यावहारिक अनुभव, समस्या-समाधान, कौशल और प्रकृति से जुड़ाव प्रदान करने में सहायक है।

आरपीएफ ने हटिया रेलवे स्टेशन से 23 किलो गांजा किया बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

बरामद मादक पदार्थ की कीमत करीब 11.50 लाख रुपये

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हटिया रेलवे स्टेशन से 23 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इस कार्रवाई में बिहार के पश्चिमी चंपारण के रहने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार, कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर हटिया स्टेशन परिसर में संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान ड्यूटी पर मौजूद उपनिरीक्षक संतोष कुमार सिंह और फ्लाइंग टीम ने प्लेटफॉर्म पर संदिग्ध रूप से बैठे दो व्यक्तियों को रोका और उनकी तलाशी ली। जांच में उनके बैगों से चार पैकेटों में बंद कुल 23 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसकी बाजार कीमत लगभग 11.50 लाख रुपये आंकी गई है।

आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त अशोक कुमार सिंह की उपस्थिति में जब्त किए गए पैकेटों की डीडी किट से जांच की गई, जिसमें गांजा होने की पुष्टि हुई। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए बरामद सामग्री और दोनों आरोपितों को आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी हटिया को सौंप दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद फिरोज और राम बिलास चौधरी के रूप में हुई है। उनके पास मिले बैगों में गांजा अलग-अलग पैक कर रखा गया था।

पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने यह गांजा ओडिशा के राउरकेला में एक अज्ञात व्यक्ति से खरीदा था और इसे धनबाद में किसी व्यक्ति को सौंपने जा रहे थे।

गोस्नर कॉलेज में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : गोस्नर कॉलेज में 12 और 13 दिसंबर को मनोविज्ञान पर आधारित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन होगा। इस शैक्षणिक महाकुंभ में देश-विदेश से विशेषज्ञ शामिल होंगे। कॉलेज परिसर में तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। मंगलवार को प्रोफेसर इंचार्ज ईलानी पूर्ति, आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर अजय कुमार, कला संकाय अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, कार्यक्रम अध्यक्ष अनिता रंजन, मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. प्रियंका सोरेंग, हिंदी प्रोफेसर प्रशांत गौरव और प्रोफेसर विनय जॉन सहित अन्य शिक्षकों ने संयुक्त रूप से मीडिया को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह सम्मेलन डिपार्टमेंट ऑफ मनोविज्ञान और आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा, जिसे झारखंड स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल प्रायोजित कर रही है।

सम्मेलन का मुख्य फोकस डिजिटल क्रांति, सोशल मीडिया का प्रभाव और मानसिक स्वास्थ्य पर होगा। अधिकारियों ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने विश्वभर में मानसिक और सामाजिक तनाव को बढ़ाया है। वहीं 21वीं सदी में तेजी से बढ़ते जलवायु परिवर्तन का सीधा असर भी लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर देखा जा रहा है।

खादगढ़ा बस टर्मिनल में एमआरएफ सेंटर बनाने के लिए रांची नगर निगम का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची नगर निगम शहर में कचरा मैनेजमेंट को दुरुस्त करने के लिए अलग-अलग जगहों पर एमआरएफ सेंटर बना रहा है, ताकि कचरा आसानी से अलग हो सके और उसका सही तरीके से निपटान किया जा सके।

इसी काम को देखते हुए आज अपर प्रशासक संजय कुमार खादगढ़ा में भगवान बिरसा मुंडा बस टर्मिनल पहुंचे। यहां एमआरएफ सेंटर बनाने के लिए जमीन देखी जा रही है। निरीक्षण के दौरान पता चला कि जिस जगह सेंटर बनना है, वहां कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। इस पर अपर प्रशासक ने साफ कहा कि 7 दिन के अंदर कब्जा खुद ही हटा लें, वरना निगम कार्रवाई करेगा। इसके अलावा, जिस एजेंसी मेसर्स टीपीएस को एमआरएफ सेंटर बनाना है, उसे 2 दिनों में लेआउट प्लान बनाकर निगम को देने के लिए कहा गया है, ताकि काम जल्दी शुरू हो सके।

16 दिसंबर से शुरू होगा खरमास, नहीं होंगे मांगलिक कार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हिंदू धर्म में खरमास के महीने को शुभ कार्यों के लिए वर्जित माना गया है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, जब सूर्य देव धनु राशि या मीन राशि में प्रवेश करते हैं, तो उस काल को खरमास या मलमास कहा जाता है। इस दौरान कोई भी मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है। साल 2025 में खरमास की शुरूआत 16 दिसंबर से होने वाली है, जिससे शादी-विवाह, गृह प्रव्श और मुंडन जैसे सभी शुभ कार्यों पर एक महीने के लिए रोक लग जाएगी।

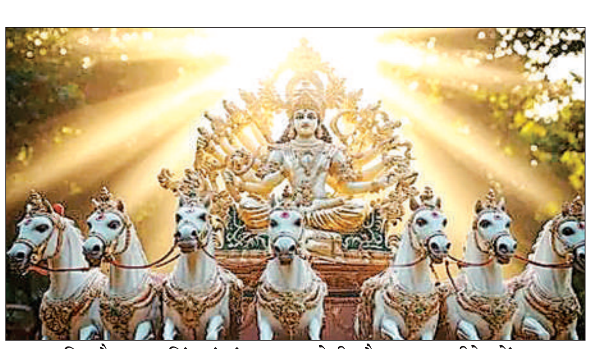

पंचांग के अनुसार, सूर्य देव 16 दिसंबर 2025 को धनु राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य के धनु राशि में प्रवेश करते ही खरमास की शुरूआत हो जाएगी। यानी पूरे एक महीने तक मांगलिक कार्यों के लिए कोई शुभ मुहूर्त नहीं रहेगा। मकर संक्रांति के दिन सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करते ही खरमास समाप्त हो जाएगा और फिर से शुभ कार्य शुरू किए जा सकेंगे।

इस संबंध में आचार्य चेतन पांडे ने बताया कि पौष मास हिंदू पंचांग का दसवां महीना होता है। इसकी शुरूआत मार्गशीर्ष पूर्णिमा के अगले दिन से होती है। इस बार पौष महीने की शुरूआत 5 दिसंबर दिन शुक्रवार से हुआ है। इसे पूष का महीना भी कहा जाता है। धार्मिक दृष्टि इसे अत्यंत पवित्र माना जाता है। उन्होंने बताया कि इस दौरान पितरों की शांति के लिए दान और सेवा विशेष फलदायी माना जाता है। यह महीना विशेष रुप से सूर्य देव से जुड़ा हुआ है, इसलिए भगवान सूर्यदेव की आराधना के लिए इसे अत्यंत पवित्र माना गया है। पौष माह में सूर्य उपासना करने से सौभाग्य और स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। इस महीने में भागवत कथा, रामायण पाठ, आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ, महामृत्युंजय मंत्र का जप व अन्य वैदिक मंत्रों का जप-तप और सत्संग करने से पाप क्षय होता है। पौष माह में कई प्रमुख व्रत और पर्व मनाए जाते हैं। इसमें सफला एकादशी, संकष्टी चतुर्थी, मासिक शिवरात्रि, प्रदोष व्रत और पौष अमावस्या विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। अमावस्या, संक्रांति, पूर्णिमा और एकादशी पर पितरों का श्राद्ध, तर्पण और दान करना शुभ माना गया है। इससे पितृ दोष दूर होता है और जीवन की परेशानियां कम होती हैं।

इस साल पौष माह 5 दिसंबर 2025 दिन शुक्रवार से शुरू हुआ है और इसकी समाप्ति 3 जनवरी 2026 शनिवार को होगी। पौष महीना इस बार पूरे 30 दिनों का होगा। हालांकि शुक्ल पक्ष में प्रतिपदा तिथि 2 दिन रहेगा, जबकि अष्टमी और नवमी तिथि एक ही दिन भोग करेगा। पौष महीने में यत्र-तत्र वर्षा होगी। इस महीने पांच शुक्रवार शुभ फलकारक हैं। धनु राशि की सूर्य संक्रांति मंगलवारी है। ऐसे में किराना की वस्तुओं में महंगाई बढ़ेगी। 28 दिसम्बर से लेकर 14 जनवरी के आसपास ओला, पत्थर, बेमौसम बारिश और कोहरा से जनजीवन प्रभावित होगा।

पौष माह में क्या करें?

तांबे के लोटे में शुद्ध जल, लाल चंदन और लाल फूल डालकर ऊं सूर्याय नमः मंत्र का जाप करते हुए सूर्यदेव को अर्घ्य दें। इससे रोगों का नाश होता है और मान-सम्मान बढ़ता है। इस मास में प्रतिदिन आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। यह स्तोत्र जीवन के कष्टों को कम करने में अत्यंत प्रभावी माना गया है। पूरे पौष माह में श्रीहरि विष्णु की पूजा करें और मंदिर में दान-पुण्य करें। इससे भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी दोनों की कृपा प्राप्त होती है।

पौष माह में क्या करें क्या नहीं करें?

पौष आध्यात्मिक रुप से जप-तप का मास है। इसलिए इस अवधि में मांसाहार और शराब का सेवन पूर्ण रूप से त्याग देना चाहिए। इस अवधि में बैंगन, मसूर की दाल, कोहड़ा, मुली, जैसे भोजन का सेवन अशुभ माना जाता है। इनसे परहेज करना चाहिए। पौष मास में ताजे फल, सब्जियां, दूध, दही और शुद्ध सात्विक भोजन का सेवन करना उत्तम माना जाता है। तामसिक और भारी भोजन से दूरी रहें। इस अवधि में तप, जप और साधना करें। विवाह, गृह प्रवेश या अन्य मांगलिक कार्य इस महीने नहीं किए जाते हैं। यह अवधि आध्यात्मिक उन्नति के लिए विशेष शुभ माना जाता है।

एक नजर

पहाड़ी बाबा का तिलकोत्सव 23 जनवरी को

रांची : रांची पहाड़ी बाबा का तिलकोत्सव 23 जनवरी को मनाया जाएगा। शिव भक्तों की ओर से पहाड़ी बाबा को नेगचार के साथ तिलक चढ़ाया जाएगा। यह कार्यक्रम पहाड़ी मंदिर में सुबह आठ बजे से शुरू होगा। महोत्सव के बाद श्रद्धालुओं के बीच भंडारा का वितरण होगा। वहीं, शाम साढ़े सात बजे से महाआरती होगी। इससे पहले 20 जनवरी को सुबह 11 बजे से महामंत्रों के जाप के साथ पहाड़ी बाबा का महारुद्राभिषेक अनुष्ठान होगा।

डीएसपी अविनाश कुमार को 2020 की चयन सूची में शामिल कर आईपीएस रैंक में दी गई प्रोन्नति

रांची : भारत सरकार के गृह मंत्रालय (एमएचए) ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए डीएसपी अविनाश कुमार को झारखंड कैडर की भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में पदोन्नति द्वारा नियुक्त किया है. यह नियुक्ति वर्ष 2020 की चयन सूची के विरुद्ध की गई है. यह फैसला केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट), पटना (सर्किट बेंच रांची में) के ओए संख्या 051/778/2023 के आदेश को लेकर लिया गया. इस आदेश के बाद यूपीएससी द्वारा 10 नवंबर को एक समीक्षा चयन समिति की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें अविनाश कुमार के नाम पर पुनर्विचार किया गया. समीक्षा चयन समिति की बैठक के बाद अविनाश कुमार का नाम 2020 की चयन सूची में क्रम संख्या 3ए पर शामिल किया गया है. बिमल कुमार (क्रम संख्या 3) से नीचे और मनीष टोप्पो (क्रम संख्या 4) से ऊपर आदेश के अनुसार, अविनाश कुमार की नियुक्ति उनके निकटतम जूनियर अधिकारी मनीष टोप्पो की नियुक्ति की तिथि से प्रभावी होगी.यह नियुक्ति भारत सरकार (डीओपीटी) के निर्णय और अंतर्वेशन के मामले में न्यायालय के आदेशों, यदि कोई हो के अधीन रहेगी.

35 नए डीएसपी की पोस्टिंग, गृह विभाग ने जारी की अधिसूचना

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा आयोजित संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा-2023 के आधार पर राज्य सरकार ने झारखंड पुलिस सेवा में 35 अभ्यर्थियों को डीएसपी के पद पर औपबंधिक रूप से नियुक्त कर दिया है। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। सभी 35 नवनियुक्त डीएसपी को प्रशिक्षण के लिए झारखंड पुलिस अकादमी, हजारीबाग में पदस्थापित किया गया है। जारी अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन माह के भीतर योगदान नहीं करने पर अभ्यर्थिता रद्द कर दी जाएगी।

सदन को हंगामे की भेंट चढ़ाकर जनता के सवालों से मुंह मोड़ रही है भाजपा : नायक

रांची : झारखंड का शीतकालीन सत्र जिस तरह भाजपा के हंगामे की भेंट चढ़ गया, वह लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधी चोट है। यह केवल सदन की कार्यवाही बाधित होने का मामला नहीं, बल्कि झारखंड की करोड़ों जनता की उम्मीदों और अधिकारों की हत्या है। शीतकालीन सत्र का हंगामे में समाप्त होना लोकतंत्र और जनता दोनों के साथ विश्वासघात है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब राज्य के गरीब, मजदूर, किसान, युवाओं और आदिवासी-मूलवासी समाज के सामने बेरोजगारी, महंगाई, पेयजल संकट, सड़क-बिजली-स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याएं खड़ी हैं, तब सदन को जवाबदेही का मंच बनाने के बजाय भाजपा ने उसे जानबूझकर मछली बाजार बना दिया है।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

रांची : भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद आदित्य साहू ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की. इस दौरान दोनों के बीच संगठनात्मक तैयारी, भविष्य की रणनीतियों और राजनीतिक परिस्थिति पर विस्तृत चर्चा हुई. आदित्य साहू ने बताया कि प्रधानमंत्री ने उन्हें कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जो पार्टी संगठन को और मजबूत बनाने में मदद करेंगे. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन हमेशा प्रेरक रहा है और मुलाकात अत्यंत सकारात्मक रही. आदित्य साहू ने यह भी कहा कि भाजपा समाज के अंतिम पायदान तक विकास पहुंचाने और जनहित के मुद्दों पर केंद्रित होकर आगे बढ़ती रहेगी.

पांच दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता तीन जनवरी से, सुदिव्य सोनु होंगे मुख्य अतिथि

रांची : करमटोली स्थित धुमकुड़िया भवन में केंद्रीय सरना समिति की अगुवाई में फुटबॉल प्रतियोगिता को लेकर संवाददाता सम्मेलन आयोजित की गई। इस दौरान अध्यक्ष बबलु मुंडा ने कहा कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती 3 जनवरी को मनाई जाएगी। इसकी स्मृति में डॉ रामदयाल मुंडा फुटबॉल मैदान में पांच दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता कराई जा रही है। इसको लेकर बड़े स्तर पर तैयारी हो रही है। मुख्य अतिथि नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनु, खूंटी विधायक रामसूर्या मुंडा, कांके विधायक सुरेश बैठा होंगे। जगलाल पाहन ने कहा कि प्रतिभावान खिलाड़ियों को एक मंच दिए जा रहे है। ताकि झारखंड के युवाओं को अपनी खेल का जादू दिखा सके। फुटबॉल प्रतियोगिता में 16 टीम भाग लेंगी। विदेश के तीन खिलाड़ियों को भी मैच में खेलने का मौका दिया जाएगा। हर दिन तीन मैच कराए जाएंगे, जबकि प्रत्येक मैच की अवधि 25 मिनट होगी। इसमें प्रथम पुरस्कार 3 लाख, द्वितीय 2 लाख, तृतीय 41 हजार और चतुर्थ पुरस्कार 41 हजार दिए जाएंगे। कुल 5 लाख 82 हजार बांटे जाएंगे। मौके पर केंद्रीय सरना समिति के बबलु मुंडा, प्रधान महासचिव अशोक मुंडा, मुख्य पहान जगलाल पाहन, शोभा कच्छप,महादेव टोप्पो, सुशांत तिर्की, सुरेन्द्र लिंडा, अमर टोप्पो, सुनील क्रिकेटर, प्रकाश मुंडा, रमेश मुंडा, अविनाश टूटी, गणपत मुंडा, राकेश मुंडा, संदीप मंडल, अनमोल लकड़ा, मुकेश मुंडा, राजन मुंडा, शिवधन मुंडा, आशीष मुंडा समेत अन्य शामिल थे।

रांची रेलवे स्टेशन पर आवारा कुत्तों की मौजूदगी से यात्री परेशान

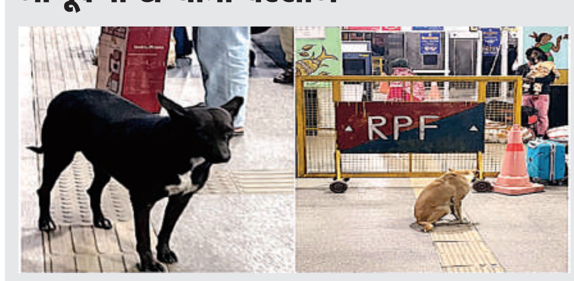

रांची : रांची रेलवे स्टेशन पर आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या को लेकर यात्रियों ने गंभीर चिंता जताई है। सोशल मीडिया पर डाले गए पोस्ट में कहा गया है कि 7 नवंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को आदेश दिया था कि स्कूल, अस्पताल और रेलवे स्टेशनों जैसे संस्थागत क्षेत्रों से तुरंत आवारा कुत्तों को हटाया जाए। लेकिन इसके बावजूद रांची रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर आवारा कुत्ते घूमते देखे जाते है। इससे यात्रियों में डर और असुविधा की स्थिति बनी रही। साथ ही स्टेशन पर सैकड़ों सीसीटीवी कैमरे और रेलवे सुरक्षा बल की मौजूदगी के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जाती है। इससे ऐसा लगता है कि सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों का सही तरीके से पालन नहीं हो रहा है। लोगों ने रेलवे प्रशासन से इसपर ध्यान देने और सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की है।

श्याम मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 182वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया राम सिया राम सिया राम जय जय राम के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। मण्डल के निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने अखण्ड ज्योति एवं पूजन के सभी कार्य सम्पन्न करवाएं। यजमान श्री सुनील मोदी ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। सुनील मोदी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया।

फर्स्ट मार्क पब्लिक स्कूल में बच्चों को मिलेंगी निःशुल्क किताबें

रांची : आर्थिक स्थिति बच्चों की शिक्षा में कभी बाधा न बने। इसी सोच के साथ सोना सोभरण मेमोरियल सोसायटी द्वारा संचालित फर्स्ट मार्क पब्लिक स्कूल सराहनीय पहल करने जा रहा है। विद्यालय में प्ले ग्रुप से लेकर वर्ग दो तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क किताबें उपलब्ध कराई जाएंगी। यह सुविधा नए एवं पुराने सत्र (2026-27) के सभी विद्यार्थियों को दी जाएगी। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि कक्षा III से तक के विद्यार्थियों के लिए भी पुस्तकें अत्यंत रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि किसी भी परिवार पर शिक्षा का अतिरिक्त बोझ न पड़े। विद्यालय प्रशासक प्रमोद कुमार ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि आर्थिक मजबूरी किसी भी बच्चे की पढ़ाई में बाधा न बने। इसलिए अभिभावकों का खर्च कम करने के लिए निःशुल्क एवं सस्ती किताबों का वितरण किया जा रहा है।

एक नजर

पुरनाडीह पुल के पास कार दुर्घटना, दो घायल

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र के कोडरमा – गिरिडीह मुख्य मार्ग स्थित पुरनाडीह पुल के समीप दिन मंगलवार को कार दुर्घटनाग्रस्त होने से दो लोग घायल हो गए। घायलों की पहचान सूर्या कुमार ऊर्फ सिंटू 29 वर्ष ग्राम बीघा पंचायत फुलवरिया निवासी एवं बालगोबिन्द कुमार 28 वर्ष ग्राम भिमेडीह थाना नवलशाही निवासी के रुप मे हुई है। मिली जानकारी के अनुसार बी आर 01 बी क्यू 4305 पर दोनों व्यक्ति सवार होकर नवलशाही से डोमचांच की ओर जा रहे थे इसी दौरान पुरनाडीह पुल के समीप हाईवा द्वारा चकमा देने से कार अनियंत्रित होकर सड़क से 20 फिट दूर खेत मे जा गिरा और पलटी हो गया जिससे कार मे सवार दोनो लोग घायल हो गए वही स्थानीय लोगों की मदद से उक्त दोनों घायलों को पुरनाडीह कुमार क्लिनिक ले जाया गया जहाँ प्रथमिकी उपचार के बाद सदर अस्पताल कोडरमा रेफर कर दिया गया जहाँ इलाज जारी है ' इधर घटना स्थल पर नवलशाही पुलिस पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त वाहन को जेसीबी के सहारे सीधा कर उक्त वाहन को जब्त कर थाना ले आये।

फरार आरोपियों के घर ढोल-नगाड़े के साथ इश्तेहार चिपकाया

मरकच्चो : मरकच्चो थाना पुलिस ने मंगलवार को थाना काण्ड संख्या 36/2025 के नामजद अभियुक्त दशारोखुर्द निवासी संजय यादव,वीरेंद्र यादव व उसके पिता द्वारिका यादव के घर पर ढोल नगाड़ा के साथ इश्तेहार चिपकाया है। उक्त अभियुक्त लम्बे समय से फरार चल रहे थे ।उपरोक्त प्रकरण के लिए थाना प्रभारी नन्दकिशोर तिवारी व एएसआई मो. इसराफिल ने कार्रवाई किया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातार बनाई जा रही है पर पुलिस के गिरफ्त में नहीं आने पर न्यायालय के निर्देश पर उक्त अभियुक्त के घर पर इश्तेहार चिपकाने की कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी नन्दकिशोर तिवारी ने बताया कि निर्धारित समय सीमा के अंदर आरोपी पुलिस या न्यायालय के समक्ष पेश नहीं होता हैं तो अभियुक्त के खिलाफ कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जायेगी।

शपथ-पत्र

मैं, अरूण कुमार यादव, पिता जगदीश यादव, उम्र लगभग 41 वर्ष धर्म- हिन्दू, राष्ट्रीयता भारतीय, पेशा- गृहस्थी, ग्राम नवादा, पोस्ट-फुलवरिया, पंचायत-पुरनाडीह, थाना-नवलशाही, जिला- कोडरमा, राज्य-झारखण्ड-825418 इस शपथ पत्र संख्या- 2505648795 दिनांक-01-12-2025 को शपथ पूर्वक घोषित करता हूँ कि -

1. यह कि मैं उपरोक्त वर्णित स्थान की स्थायी निवासी हूँ तथा मेरा आधार कार्ड संख्या-5978 2432 8049 है।

2 यह कि आयुष कुमार Ayush Kumar मेरा पुत्र है, उसका जन्म दिनांक 21/05/2010 को हमारे नवादा स्थित घर पर हुआ है।

3. यह कि आयुष कुमार की माँ का नाम लीला देवी है, और उसका आधार नं0-3131 0499 4685 है।

4. यह कि मेरा पुत्र अभी St Clare's School, Koderma में कक्षा दशम का छात्र है उसका नामांकन संख्या-14018 है।

5. यह कि मेरे पुत्र आयुष कुमार के आधार कार्ड नं0-3372 2706 8892 में नाम भुलवश आयुष कुमार यादव और जन्म तिथि भूलवश 01/01/2010 अंकित हो गया है और अभिभावक के रूप में भुलवश मिथलेश कुमार यादव अंकित हो गया है, पिता का नाम अरूण कुमार यादव बिल्कुल सही है।

6. यह कि मेरे पुत्र आयुष कुमार के जन्म प्रमाण पत्र और विद्यालय द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र में नाम आयुष कुमार और जन्म तिथि 21/05/2010 बिल्कुल सही है।

गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेलकूद समारोह स्पर्धा 2025-26 का हुआ भव्य आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर 5 बी, बोकारो द्वारा आयोजित वार्षिक खेलकूद समारोह ह्यस्पर्धाझ्र2025झ्र26ह्न महाराणा रणजीत सिंह स्टेडियम में उल्लास और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन खेल भावना, ऊर्जा और रंगीन उत्सव का अद्भुत संगम था, जिसने स्टेडियम माहौल को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम की शोभा को मुख्य अतिथि शताब्दी मजूमदार, उप विकास आयुक्त, बोकारो तथा विशिष्ट अतिथि प्रदीप कुमार सिंह, कमांडेंट, 26वीं बटालियन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने बढ़ाया। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष तरसेम सिंह, सचिव एस. पी. सिंह सहित सभी समिति सदस्य भी मौजूद थे। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा रंगीन गुब्बारे उड़ाने और मशाल प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालय प्रार्थना व सैप्लिंग प्रस्तुति ने कार्यक्रम में गरिमा और भावपूर्णता जोड़ी। प्राचार्य अभिषेक कुमार ने स्वागत भाषण में कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में नेतृत्व, आत्मविश्वास व टीम भावना को प्रोत्साहित करते हैं। शताब्दी मजूमदार ने बच्चों की अनुशासनबद्ध खेल भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक बल्कि चारित्रिक विकास का भी आधार है।

उन्होंने प्रेरित किया कि बच्चों को समय निकाल कर खेल में भाग लेना चाहिए जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो। प्रदीप कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में खेल के महत्व और गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल के शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक उत्कृष्टता के उदाहरण की बात कही।कार्यक्रम में चार सदनों- पवन, पानी, धरती और आकाश-द्वारा प्रभावशाली मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया। आकाश सदन प्रथम और पानी सदन द्वितीय स्थान पर रहे। इसके बाद पिरामिड प्रदर्शन से विद्यार्थियों ने अपने सामूहिक प्रयास व संतुलन का बेहतरीन प्रदर्शन किया। दिनभर चली विभिन्न एथलेटिक प्रतियोगिताओं जैसे 100 मीटर, 200 मीटर, 4100 मीटर रिले, मैरबल रेस, और स्प्रिंट मुकाबलों में विद्यार्थियों ने उम्दा भागीदारी की। महिला व पुरुष अभिभावकों के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं में भी उत्साह देखने को मिला। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नृत्य, संगीत, योग व पारंपरिक झारखंडी भांगड़ा ने उत्सव में चार चाँद लगा दिए।समारोह के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पदक एवं ट्रॉफियाँ प्रदान की गईं। ओवरऑल चैम्पियन का खिताब आकाश सदन के नाम रहा जबकि रनर-अप पानी सदन घोषित हुआ।खेल ध्वज के अवतरण और राष्ट्रगान के साथ इस आयोजन का समापन राष्ट्रीय एकता और गर्व के माहौल में हुआ। स्पर्धा 2025झ्र26 ने फिर से साबित किया कि गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक क्षेत्र में उत्कृष्ट परंपरा को सशक्त बनाता रहा है।

उसरडीह के सचिन खवास बने सहायक प्रशाखा पदाधिकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चास प्रखंड के पंचायत बेलुंजा के उसरडीह गांव के युवा सचिन खवास ने भी झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) द्वारा आयोजित सीजीएल- 2023 परीक्षा में सफलता प्राप्त करते हुए सहायक प्रशाखा पदाधिकारी पद(ए एस ओ) हासिल किया है. सचिन खवास झारखण्ड आंदोलनकारी डा० लखन खवास के पुत्र हैं. उनकी इस उपलब्धि ने उसरडीह गांव और प्रखंड का नाम रोशन कर दिया है. संघर्ष, निरंतर अध्ययन और लक्ष्य के प्रति समर्पण उनकी सफलता की बुनियाद रहे. सचिन शूरू से मेधावी छात्र रहे हैं। ये खबर मिलते ही गांव में लोग बधाई देने पहुंचने लगे और मिठाइयां बांटकर खुशी साझा की. वहीं सचिन ने कहा कि यह सिर्फ मेरी सफलता नहीं, मेरे स्वर्गीय दादा जी भीम चन्द्र खवास के सपनों और मेरे परिवार के विश्वास की जीत है. जीवन में जो पाया है, उसमें हर कदम पर माता-पिता, परिवार के अन्य सदस्यों और गुरुजनों का योगदान रहा है. अब लक्ष्य यह है कि सरकारी सेवा के माध्यम से समाज के प्रति उपयोगी और जिम्मेदार भूमिका निभा सकूं. सचिन खवास को बधाई देने वालों में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह पुर्व जिला अध्यक्ष अंबिका खवास, शांति कुमार खवास मुखिया भारो देवी, कल्याण खवास, सुकुमार खवास, महादेव महथा, राधेश्याम सिंह, गयाराम राय, पुर्व मुखिया सुधांशु राजवार कई सामाजिक कार्यकताओं, पंचायतप्रतिनिधियों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने शामिल होकर उनके उज्ज्वल करियर की मत कामना की. सचिन एस एम जी +टु बिजुलिया से मैट्रिक व जी जीपीएस बोकारो से बिटेक किया है।

बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स ने उपायुक्त से जिला समस्याओं पर की चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त अजय नाथ झा से भेंट कर जिले की कई समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की और ज्ञापन सौंपा। बैठक में चैंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी, महामंत्री राजकुमार जायसवाल एवं अन्य वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे। मनोज चौधरी ने कहा कि हाल के दिनों में उपायुक्त की कार्यशैली से आम जनता में सकारात्मक उम्मीदें जागी हैं। उन्होंने अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज करने तथा निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने की मांग की। साथ ही बोकारो एयरपोर्ट को जल्द चालू करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने टाउन हॉल को आम जनता के उपयोग के लिए आवंटित करने की मांग की। उन्होंने व्यावसायिक वाहनों की पार्किंग समस्या के समाधान हेतु ट्रांसपोर्ट नगर के निर्माण पर बल दिया। उन्होंने बताया कि रांची में दो ट्रांसपोर्ट नगर विकसित हो रहे हैं, इसलिए बोकारो में भी इसे तुरंत शुरू किया जाना चाहिए। जायसवाल ने चास शहर में उचित पार्किंग स्थल चिन्हित कर व्यवस्था आरंभ करने, व्यावसायिक वाहनों पर अनावश्यक चालान काटने पर रोक लगाने, जुस्को फेज-क्क से जलापूर्ति गर्मी से पहले शुरू कराने और चास के जोधाडीह मोड़ से अतिक्रमण मुक्त कराने की भी मांग उठाई। इसके अलावा, बरमसिया और जैनामोड़ पावर ग्रिड के निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू करने पर भी बल दिया गया। प्रतिनिधि मंडल में शशि भूषण, राजेश पोद्दार, सिद्धार्थ जैन, प्रेम कुमार, शैलेन्द्र जायसवाल, तेजपाल सिंह खनूजा, ब्रह्मदेव प्रसाद और राजीव कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में पौधारोपण असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : अमर स्वतंत्रता सेनानी कोका कमार की स्मृति में मंगलवार को कसमार प्रखंड के ओरमो गांव से लाई गई पवित्र मिट्टी पर स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान ने पर्यावरण-मित्र चौक स्थित स्वतंत्रता सेनानी स्मृति उद्यान में एक पौधा रोपित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा 'मुकुल' ने इस अवसर पर कहा कि कोका कमार का स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान रहा, फिर भी राज्य सरकार और जिला प्रशासन द्वारा उनके यह त्याग भुलाया जाना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह न केवल ऐतिहासिक अन्याय है बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति अपमान भी है।यह स्मृति उद्यान बोकारो इस्पात संयंत्र के तत्कालीन निदेशक प्रभारी बी के तिवारी द्वारा अमर शहीद सिदो, कान्हु, चांद, भैरव, फूलो और झानो के नाम पर उद्यान की भूमि में उनके जन्मस्थल से लाई गई पवित्र मिट्टी पर पौधे रोपकर स्थापित किया गया था। यहां कई स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर वृक्षारोपण किया गया है। उद्यान पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में लगे पौधों को नुकसान पहुँचाने की घटनाएं हो चुकी हैं। इस सम्बन्ध में थाना में भी मामला दर्ज कराया गया था, पर अभी तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। इसके अलावा, टाउन हॉल में आयोजित पार्टियों के जूठे पत्तलों को उद्यान में फेंकना श्रद्धांजलि का उपहास माना जा रहा है। संस्थान के प्रतिनिधि जिला प्रशासन एवं पुलिस से आग्रह करते हैं कि इस प्रकार की हरकतों पर गंभीरता से कार्रवाई की जाए ताकि स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान को बनाए रखा जा सके।पौधा रोपण कार्यक्रम में रघुवर प्रसाद, शशि भूषण ओझा 'मुकुल', अखिलेश ओझा, लक्ष्मण शर्मा, मृणाल चौबे, ललित कुमार, वीरेंद्र चौबे, अजीत भगत, दिलीप तिवारी, युवराज सिंह सहित कई पर्यावरण प्रेमी और स्वतंत्रता सेनानी सम्मानित उपस्थित थे।

बोकारो के ईजरी नदी किनारे अज्ञात युवक का मिला शव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पिंडराजोड़ा थाना क्षेत्र के ईजरी नदी किनारे रविवार सुबह अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय ग्रामीण शंकर रवानी ने शौच के लिए नदी किनारे पहुंचे तो सबसे पहले शव देखा। शव की हालत संदिग्ध पाई गई, जबकि आसपास कोई पहचान संबंधी वस्तु नहीं मिली।सूचना मिलने के बाद पिंडराजोड़ा थाना प्रभारी अभिषेक रंजन दलबल सहित मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक सबूत इकट्ठा किए। प्रथम दृष्ट्या जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष के बीच लगती है, लेकिन उसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि युवक क्षेत्र का निवासी नहीं प्रतीत होता।पुलिस का कहना है कि मृतक के शरीर पर किसी भी प्रकार के चोट के निशान और आपराधिक घटना के संकेतों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल सकेगा। वहीं, इलाके में इस घटना को लेकर भय का माहौल है और लोग तरह-तरह की शंकाएं व्यक्त कर रहे हैं। पुलिस आसपास के थानों से लापता लोगों की सूची प्राप्त कर मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी अभिषेक रंजन ने कहा कि फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट हासिल होने के बाद ही घटना की सच्चाई सामने आएगी।अज्ञात युवक के शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और स्थानीय लोग पोस्टमार्टम की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं ताकि इस रहस्यमय घटना का पदार्फाश हो सके।

'भारत को जानो' क्विज में डीएवी कोडरमा का शानदार प्रदर्शन, पूर्वी भारत के सात राज्यों को पछाड़ बना चैंपियन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : पी. वी. एस. एस. डीएवी पब्लिक स्कूल, झुमरी तिलैया, कोडरमा के मेधावी छात्र उदय शंकर यादव (कक्षा 10) एवं प्रिंस कुमार (कक्षा 11) ने भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'भारत को जानो' क्विज प्रतियोगिता में क्षेत्रीय स्तर (पूर्वी भारत) पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय, जिला एवं राज्य को गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता 7 दिसंबर 2025 को राउरकेला (उड़ीसा) में आयोजित की गई थी, जिसमें पूर्वी भारत के सात राज्यों- बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश एवं अंडमानझ्रनिकोबार द्वीपसमूह-के विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि इस राष्ट्रीय क्विज प्रतियोगिता में पूरे देश से लगभग 15 लाख विद्यार्थियों ने सहभागिता की थी।

कठिन प्रश्नों के समक्ष उदय शंकर यादव एवं प्रिंस कुमार ने अपनी बौद्धिक, तार्किक क्षमता एवं आत्मविश्वास का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए सभी प्रतिभागियों को पराजित किया और चैंपियन का खिताब अपने नाम कर लिया। उनकी यह शानदार उपलब्धि विद्यालय के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है। इस ऐतिहासिक सफलता पर विद्यालय के प्रचार्य कृष्ण कुमार सिंह ने प्रार्थना सभा में दोनों विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की निष्ठा, परिश्रम, अनुशासन एवं भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरी समझ का प्रतीक है। प्राचार्य महोदय ने विद्यालय परिवार की ओर से दोनों विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों तथा विद्यालय के कुशल क्विज मास्टर दिनेश कुमार दुबे को इस उल्लेखनीय सफलता के लिए हार्दिक बधाई एवं साधुवाद दिया। विद्यालय परिसर में इस उपलब्धि को लेकर हर्ष और गर्व का वातावरण व्याप्त है। अब यह दोनों प्रतिभाशाली विद्यार्थी 11 जनवरी 2026 को पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित होने वाली मेगा ऑल इंडिया फाइनल भारत को जानो क्विज प्रतियोगिता में पूर्वी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। विद्यालय परिवार को पूर्ण विश्वास है कि वे राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर डीएवी कोडरमा के इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे। अंत में, यह सफलता इस सत्य को पुनः सिद्ध करती है कि परिश्रम, लगन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच ही सफलता के मूल मंत्र हैं। विद्यालय परिवार दोनों विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य एवं आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सफलता की कामना करता है।

संक्षिप्त खबरें

विशेष मध्यस्थता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोडरमा : झारखण्ड उच्च न्यायालय, रांची के निर्देश के आलोक में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा के तत्वावधान में कुटुम्ब न्यायालय में लंबित मामलो के निष्पादन के लिए पांच दिवसीय (08.122025 से 12.12.2025) मध्यस्थता पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन व्यवहार न्यायालय कोडरमा स्थित न्याय सदन भवन में किया जा रहा है। यह कार्यक्रम कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बाल कृष्ण तिवारी के कुशल मार्ग दर्शन में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में कोडरमा के प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय अमितेष लाल द्वारा पक्षकारो को विशेष रूप से समझा बुझाकर समझौता के लिए तैयार किया जा रहा है इस मध्यस्थता के पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान के तहत दो दिनों में कुल एक वादों का सफल निष्पादन किया गया वही जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार द्वारा मध्यस्थों को इस विशेष अभियान में अधिक से अधिक वादों का निष्पादन मध्यस्थता के माध्यम से करने का अनुरोध किया गया है। इस पांच दिवसीय मध्यस्थता अभियान के तहत कुटुम्ब न्यायालय में लंबित मामलो के पक्षकारो की काफी भीड़ देखी जा रही है।

बी. आर. इंटरनेशनल स्कूल में साइंस एगजिबिशन का भव्य आयोजन

कोडरमा : बी. आर. इंटरनेशनल स्कूल चाराडीह में विज्ञान प्रदर्शनी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 4 से लेकर कक्षा 12 तक के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रों ने विज्ञान एवं तकनीक से जुड़े अपने नवाचारपूर्ण मॉडल और प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए, जिन्हें दर्शकों और निर्णायकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ दीप्ति बाला व्याख्याता जेजे कॉलेज रितेश माधव प्रशासक जेजे कॉलेज अजय अग्रवाल निदेशक क्लोरोफि ल संघ के जिला संपर्क प्रमुख दिलीप सिंह पुरुषार्थ क्लास के निदेशक मनोज कुमार ,आशीष खैतान सुदीप्तो घोष, लवनित सिंह , प्रकाश कुमार आर आई टी कॉलेज से पंकज कुमार उपस्थित रहे। जिनके द्वारा इस एक्जीविसन में निर्णायक की भूमिका निभाई गई । उपस्थित अतिथियों को विद्यालय के निदेशक ओपी राय एवं प्राचार्या डॉ राखी राय ने तुलसी पौधा देकर सम्मानित किया । कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या डॉ राखी राय ने कहीं कि विज्ञान के माध्यम से आप दुनिया बदल सकते हैं। सपने देखें, प्रयोग करें, असफल हों, फिर उठें—और कुछ नया बनाएं। आप सभी में भारत के उज्ज्वल भविष्य की झलक दिखाई देती है। अजय अग्रवाल ने छात्रों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियाँ बच्चों में शोध, रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देती हैं ।वहीं मनोज कुमार ने कहा कि विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि सोचने का तरीका है ।कार्यक्रम को उपस्थित अन्य अतिथियों ने संबोधित किया ।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय प्रशासक सुनील कुमार ने किया वहीं एक्जीविसन विज्ञान शिक्षक विकाश कुमार के नेतृत्व में किया गया। इस प्रतियोगिता में सीनियर ग्रुप में प्रथम स्थान मनन कुमार प्रिंस कुमार (रॉबर्ट मॉडल)ने हासिल किया जबकि दूसरे स्थान पर संध्या कुमारी संजना कुमारी और सुमित मोदी (एक्सक्रेटरी सिस्टम मॉडल) रहे वहीं तीसरे स्थान पर शुभंकर कुमार अनीश कुमार अभिषेक (एटमॉस्फायर वाटर मॉडल)रहे साथ ही जूनियर ग्रुप में प्रथम सोनल सिंह (वाटर सायकल मॉडल)दूसरे स्थान पर अविनाश राज (स्मार्ट सिटी)रहे जबकि तीसरे स्थान पर आयुष्मान मिश्रा अनस कुमार करण कुमार (विंडमिल मॉडल)रहे । शेष सभी प्रतिभागियों ने भी एक से बढ़ कर एक मॉडल प्रस्तुत किए।

उच्च विद्यालय नावडीह1 के तीन छात्र-छात्रों ने सीजीएल परीक्षा में लहराया परचम

मरकच्चो : शिक्षा के क्षेत्र में एक बार फिर मरकच्चो का नाम रोशन हुआ है। स्थानीय भारतीय उच्च विद्यालय नावडीह1 के तीन छात्र छात्रों ने सीजीएल परीक्षा में शानदार सफलता का परचम लहराया है। सफल छात्रों में अंजली वर्मा जिनका चयन ए एस ओ पद पर हुआ है, मालूम हो की अंजली वर्मा दो बार जे पी एस सी की परीक्षा पास की थी, लेकिन फाइनल में छठ गयी थी। इस बार उन्होंने सफलता हासिल कर विद्यालय के साथ-साथ पूरे परिवार का नाम रौशन करते हुवे अपनी मेहनत का लोहा मनवा ली । वहीं विद्यालय के संजीत राणा का भी चयन ए एस ओ व चंदन रज्जक जिसका चयन बी एस ओ पद के लिए हुवा है। अंजली वर्मा ने साबित कर दी कि मेहनत रंग लाती है। इस सफलताओं से विद्यालय परिवार अभिभावकों और स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल है। विद्यालय के शिक्षकों ने इसे छात्रों की मेहनत, लगन और बेहतर शैक्षणिक वातावरण का परिणाम बताया है। सफल छात्र-छात्राओं ने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों के मार्गदर्शन को देते हुए कहा कि उचित दिशा और नियमित अध्ययन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय प्रबंधन ने तीनों छात्रों को बधाई देते हुए अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत बताया है। बधाई देने वालों में रणजीत राम,मुखलाल यादव, रामनाथ सिंह, प्रदीप वर्मा, शिव शंकर महतो ,कुंदन कुमार, मोहम्मद इस्लाम, नंदकिशोर कुमार, अनिल पांडे, दीपा कुमारी, समेत समाजसेवी बसंत साव के नाम शामिल है।

सड़क दुर्घटना में पुलिस जवान की मौत

बोकारो : बोकारो पुलिस लाइन में पदस्थापित, बोकारो मेंस एसोसिएशन के केंद्रीय सदस्य और गोविंदपुर के रामपुर निवासी राकेश महतो का मंगलवार देर शाम सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया। जानकारी के अनुसार राकेश महतो बोकारो पुलिस लाइन से अपनी गाड़ी का इंश्योरेंस कराने धनबाद के धनसार पहुंचे थे। वहां से निजी कार्य निपटाने के बाद वे रामपुर स्थित अपने घर पहुंचे और मां से मुलाकात की। इसके बाद सोमवार रात वे ड्यूटी पर लौटने के लिए राजगंज होते हुए बोकारो आ रहे थे।इसी दौरान रात करीब 8:30 बजे जमुआटांड और काको मोड़ के बीच उनकी बाइक एक हाइवा से टकरा गई। जोरदार टक्कर में राकेश महतो की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को जब्त कर लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद स्थित एसएनएमएमसीएच भेजा गया है।

हाइवा की चपेट में आए भाकपा नेता, मौत

बोकारो : बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के डीवीसी पॉन्ड परिसर में मंगलवार सुबह एक हाइवा की चपेट में आने से भाकपा नेता और पूर्व पंचायत प्रतिनिधि मनीरूद्दीन अंसारी की मृत्यु हो गई। वे बाजार टांड़ नूरीनगर के निवासी थे।जानकारी के अनुसार, मनीरूद्दीन अंसारी रोज की तरह ऐश पॉन्ड से जुड़े कार्यों की निगरानी के लिए मौके पर पहुंचे थे। इसी दौरान कांटाघर के पास से गुजर रहे एक तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मनीरूद्दीन अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही गिर पड़े। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल डीवीसी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बोकारो के बीजीएच रेफर किया गया। हालांकि, बोकारो ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई।

भू-माफिया जालसाजी कर गैरमजरूआ जमीन पर जमा रहे कब्जा, सीओ ने रोका काम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में भू माफिया काफी सक्रिय हो गए हैं। भू माफिया अधिकारियों की आंखों में धूल झोंककर उनके पीठ पीछे सरकारी जमीन पर अपना कब्जा जमाने का प्रयास कर रहे हैं। समाहरणालय के समीप छत्तरमांडू में वात्सल्य धाम के सामने ऐसे ही एक गैर मजरूर जमीन को हड़पने का प्रयास किया जा रहा था। अंचल अधिकारी रमेश रविदास को जैसे ही भू-माफियाओं की हरकतों का पता चला उन्होंने कार्रवाई की। सबसे पहले उन्होंने जीएम लैंड पर चलाए जा रहे जेसीबी का काम रुकवाया। इसके बाद दस्तावेजों की मांग की। साथ ही जांच पूरी होने तक किसी भी प्रकार का काम नहीं करने का आदेश दिया। वरीय अधिकारियों

को दिया दस्तावेज मौके पर छत्तरमांडू के पूर्व उप मुखिया दिलीप कुमार सिंह ने डीसी, एसडीओ और अंचल अधिकारी को सरकारी जमीन के सभी दस्तावेजों का सौंपा। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि सदर अंचल के हल्का नंबर 4, मौजा छत्तरमांडू, थाना नंबर 116, खाता नंबर 190, प्लॉट नंबर 1860 रकबा 49 डिसमील, प्लॉट नंबर 1862 रकबा 67 डेसिमल, कुल रकबा 1.16 एकड़ भूमि जो सर्वे खतियान में गैर मजरूआ अनाबाद परती पत्थर दर्ज है। यह एक लोक उपयोगी भूमि है। रामगढ़-बोकारो मार्ग एनएच 23 पर रामगढ़ समाहरणालय के ठीक बगल में स्थित इस जमीन पर भू माफियाओं की नजर है। कुछ वर्ष पूर्व भू माफिया और जमीन दलालों ने अंचल कार्यालय से सांठ-गांठ कर प्लॉट नंबर 1860 और 1862 को खाता संख्या 86 जो तेजन सिंह पिता भूवन सिंह का रैयती खाता है, उसमें दर्ज करवा लिया। इसके बाद कई लोगों के बीच इसकी बिक्री की गई।

पूर्व उप मुखिया दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में गांव के ही कुछ दबंग भू माफिया और दलालों की ओर से पुनः वैसा ही कृत्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जेसीबी मशीन लगाकर समतलीकरण किया जा रहा है, ताकि उसकी बिक्री आसानी से की जा सके। उन्होंने पूरे दस्तावेजों की जांच करने की मांग की है, ताकि लोक उपयोगी भूमि को भू माफियाओं के चंगुल से बचाया जा सके।

हेसल मौजा कलोनी में खाता 305 की भूमि पर अवैध कब्जे का प्रयास, दो पक्षों में विवाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : थाना क्षेत्र अंतर्गत हेसल मौजा कलोनी के समीप खाता नंबर 305 प्लॉट नम्बर 3527 कुल रकबा 2 एकड जमीन पर मंगलवार को सुबह लगभग 9 बजे नागेन्द्र महतो पिता स्व संतोष महतो और नागेन्द्र महतो के पुत्र प्रवीण कुमार महतो और बैयाद के साथ सैकड़ों लोगों के द्वारा जमीन पर जबरन बोंड्री वाल का काम कर रहे थे और जब प्रदीप पहान बोंडरी वाल का विरोध किया तो दूसरे पक्ष के ने लोगों के द्वारा मुझे गाली गलौज ओर धक्का मुक्की करने लगा `आगे प्रदीप ने कहा कि विगत कई वर्षों पहले मेरे पिता हरखनाथ पहान को यह जमीन सरकार के द्वारा आवंटन किया गया था सारा कागजात बना दिया गया था उस समय से आज तक हरख नाथ पहान के नाम से रसीद निर्गत किया जा रहा है। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि मेरे पूर्वज गोगा महतो के नाम से भी दस्तावेज है। इस बात को लेकर दोनों दोनों पक्षों के बीच लड़ाई झगड़ा होने लगा ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन को सूचित किया मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने पर बुलाया पुलिस और अंचलाधिकारी जांच पड़ताल कर रही है।

आरओबी निर्माण में बाधक बने भवनों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : मंगलवार को सरिया में निर्मित रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य में बाधक बन रहे दो भवनों को सरिया अंचल अधिकारी के नेतृत्व में प्रशासन की मदद से बुलडोजर के द्वारा तोड़ने की कार्रवाई की गई। इसे लेकर अंचलाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि सरिया में निर्माण हो रहे रेलवे ओवरब्रिज में बाधक बन रहे रैयत दिनेश मोदी एवं विनोद मंडल को कई बार नोटिस के माध्यम से सूचना दी गई थी कि मुआवजे की राशि विभाग से संपर्क कर प्राप्त करें परंतु रैयतों के द्वारा इस दिशा में कोई पहल नहीं किया गया। इसके पश्चात उक्त दोनों रैयतों के मकान की मुआवजा राशि को डी एल ऑफिस गिरिडीह में जमा कर दिया गया है। जिसके बाद उपायुक्त गिरिडीह के निर्देश पर प्रशासन के द्वारा

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई मंगलवार को की गई।वहीं उन्होंने आगे बताया कि ओवर ब्रिज निर्माण कार्य क्षेत्र में कई रैयतों के द्वारा भवन के अवशेष खाली नहीं किए गए हैं। जिनके विरुद्ध भी आगे कार्रवाई की जाएगी। बताते चलें कि मंगलवार की दोपहर 12:00 बजे के बाद प्रशासन के द्वारा उक्त करवाई शुरू करने के बाद क्षेत्र में गहमागहमी का माहौल उत्पन्न हो गया। वहीं प्रशासन की इस कार्रवाई का रैयत दिनेश मोदी एवं उनके पुत्र शैंकी कुमार के द्वारा विरोध किया गया। उनका कहना था कि उनकी जमीन रैयती है एवं मामला माननीय उच्च न्यायालय रांची में विचाराधीन है। फिर भी जबरन उसे गैर मजुरुवा रैयत बताकर विभागीय नियम अनुसार मुआवजा का भुगतान नहीं किया जा रहा था। जिसे लेकर ही उसने अपने भवन के अवशेष को नहीं तोड़ा था। वहीं इस विरोध के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा जबरन उन्हें हिरासत में लेकर सरिया थाना में रखा गया।

सरायकेला-राजनगर बाईपास में परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई, ₹ 1,12,601 की वसूली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : जिला परिवहन पदाधिकारी गिरजा शंकर महतो के नेतृत्व में आज जिले में सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मोटर वाहन अधिनियम के तहत कुल 1,12,601/₹ की वसूली की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षित वाहन परिचालन सुनिश्चित करना था। अभियान के दौरान भारी मालवाहक वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया तथा ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग एवं बिना वैध कागजात के वाहन परिचालन न करने का स्पष्ट एवं कड़ा निर्देश दिया गया। यह अभियान सरायकेला-राजनगर बाईपास रोड में चलाया गया, जहाँ वाहनों की विशेष जांच, दस्तावेज सत्यापन तथा चालकों को यातायात नियमों के अनुपालन हेतु जानकारी प्रदान की गई। जिला परिवहन विभाग ने बताया कि आने वाले दिनों में जिले के सभी प्रमुख चौक-चौराहों एवं संवेदनशील मार्गों पर यह अभियान निरंतर जारी रहेगा, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके तथा यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया जा सके। आम नागरिकों से अपील की गई कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना न केवल कानूनी दायित्व है, बल्कि स्वयं एवं अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक भी है। इस अभियान में मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर दिलीप कुमार एवं रवि प्रसाद, सड़क सुरक्षा प्रबंधन से कुंदन वर्मा, तथा रोड इंजीनियर एनालिस्ट आशुतोष कुमार सिंह एवं धृत कुमार सक्रिय रूप से शामिल रहे।

पीडीएस दुकानदारों का बकाया कमीशन जल्द चुकाएं सरकार : पूर्णिमा साहू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने मंगलवार को झारखंड विधानसभा में जनवितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानदारों की लंबित समस्याओं को उठाया। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर के पीडीएस दुकानदारों का कमीशन लंबे समय से बकाया पड़ा है, जिससे दुकानदार आर्थिक संकट झेल रहे हैं। विधायक पूर्णिमा साहू ने विधानसभा के पटल पर कहा कि ग्रीन कार्ड पर मिलने वाला कमीशन दिसंबर 2023 से जुलाई 2025 तक भुगतान नहीं हुआ है, वहीं चना दाल और नमक का कमीशन अप्रैल 2024 से अब तक लंबित है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि सभी बकाया कमीशन का तुरंत भुगतान सुनिश्चित किया जाए। पूर्णिमा साहू ने यह भी मांग रखी

कि दुकानदारों को मानदेय और प्रोत्साहन राशि भी शीघ्र उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे बिना आर्थिक दबाव के जनकल्याणकारी योजनाओं का सुचारू संचालन कर सकें। पीडीएस दुकानदार जनहित से जुड़ी सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनके अधिकारों एवं भुगतान में हो रही देरी किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं है। सरकार इस दिशा में त्वरित कदम उठाएं।

झारखंड मुक्ति मोर्चा रांची महानगर संयोजक मंडली की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : रांची झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) रांची महानगर की संयोजक मंडली की एक महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को कोकर स्थित भगवान बिरसा मुंडा समाधि स्थल के प्रांगण में पार्टी के केंद्रीय समिति सदस्य सह महानगर संयोजक अंतु तिर्की की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से वार्ड नंबर-6,8,9 और 10 के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से वार्ड नंबर-6,8,9,और 10 की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। निम्नलिखित पदाधिकारियों को विभिन्न दायित्व सौंपे गए : वार्ड नं 6 अध्यक्ष- राजेश टोप्पो, सचिव - मनीष टोप्पो, उपाध्यक्ष- राहुल

गोप,प्रदीप तिग्गा,अजय यादव, काया बड़ाईक । कोषाध्यक्ष - अमरजीत कुमार, संगठनसचिव - सुनील गाड़ी। सहसचिव - अविनाश तिग्गा, आलोक गोप । वार्ड नंबर 8: अध्यक्ष - संतोष सांगा, उपाध्यक्ष - सुशील कच्छप, पंकज वर्मा, सन्नी केरकेट्टा, सावन लकड़ा, विकाश मसीह, और अनोज राम। सचिव - विनीत सांगा। कोषाध्यक्ष - गोगा साव। सह कोषाध्यक्ष - राजेश गाड़ी। संगठन सचिव - विजय तिर्की। सह सचिव - पप्पू कुमार चंद्रवंशी,पिंटू कुमार साव,राजा राम सिंह। वार्ड नं 9 : अध्यक्ष - गुलजार आलम, उपाध्यक्ष - इरशाद रहमान, अजय कुमार,रवि कुमार,मकसूद आलम । सचिव - सलीम खान। कोषाध्यक्ष - समीर खान सह कोषाध्यक्ष - हुमायूं रसीद। सहसचिव - सादिक जमाल। कार्यकारिणी सदस्य - उदय सिंह,महबूब आलम, नेजाम खान, शकील खान,अब्दुल रहीम, बाबू इसलाम, मो.वारिस और मो.फरदीन । वार्ड नं 10: अध्यक्ष - कुणाल कुमार। उपाध्यक्ष - विकास सोनी, गौरव रंजन, रूपेश पासवान, विशाल कच्छप, हेमंत पाण्डे। कोषाध्यक्ष - आशीष कुमार ठाकुर। सहसचिव - गणेश मिंज, नागेन्द्र सिंह, सौरव कुमार,बबलू पासवान । कार्यकारिणी सदस्य - गुड्डू पासवान, अभिषेक बर्नवाल, विक्रांत राम,राहुल पासवान,राजा कुमार,रोहित हल दर,अमन साव,पंकज कुमार लाल,अरुण कुमार राम, विक्की पासवान, अमन राम।

एक नजर

जिला बनाओ संघर्ष समिति का धरना 11 को, तैयारी पूरी

सरिया : सरिया जिला को जिला बनाओ की मांग को लेकर आगामी 11 दिसंबर को अनुमंडल मुख्यालय सरिया परिसर में एक दिवसीय धरना का आयोजन किया गया है। जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है।इस संबंध में सरिया को जिला बनाओ संघर्ष समिति के संयोजक त्रिभुवन मंडल ने प्रेस बयान जारी कर बताया कि सरिया जिला बनने की सारी अहर्ताएं पूरी करता है। इसे जिला बनाने की मांग वर्षों से चली आ रही है। परंतु सरकार की अपेक्षा पूर्ण रवैया के कारण इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसे लेकर पुन: एक बार समिति के बैनर तले लोग आंदोलन के मूड में है एकदिवसीय धरना की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। आगामी 11 दिसंबर को अनुमंडल मुख्यालय परिसर में सैकड़ो की संख्या में लोग अपनी मांग को लेकर धरना देंगे। झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष अशोक मंडल ने बताया कि धरना का पुर्ण समर्थन झारखंड मुक्ति मोर्चा दे रही है। मौके पर झामुमो के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष कृष्ण मुरारी पांडे मौजूद थे।

34 किलोमीटर लंबी नहर की मरम्मत जोरों पर

बोकारो : बीएसएल के कूलिंग पोंड एक से तेनुघाट डेम तक फैली 34 किलोमीटर लंबी नहर की मरम्मती का कार्य जोरों पर जारी है। कुल 107 चिन्हित स्थानों पर मशीनों और मजदूरों की मदद से मरम्मती का काम तेजी से किया जा रहा है।बांध प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुजूर ने बताया कि मरम्मती कार्य की सघन निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि आगामी 14 दिसंबर तक आरसीसी ढलाई का काम पूरा किया जाएगा। बीएसएल के वरिष्ठ अधिकारी भी निरीक्षण के लिए इस नहर क्षेत्र में अपने वाहन से भ्रमण करते हुए मरम्मत की गुणवत्ता पर नजर बनाए हुए हैं।स्थानीय निवासियों की भी मरम्मती कार्य में सक्रिय सहयोग मिल रहा है, जिससे काम सुचारू और समय पर पूरा हो सकेगा। इससे क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था और जल प्रबंधन में सुधार होने की उम्मीद है।यह नहर मरम्मती परियोजना बीएसएल के महत्वपूर्ण जल संसाधन संरक्षण प्रयासों का हिस्सा है, जो जिले में स्थिर जलापूर्ति सुनिश्चित करेगी।

बिरसा कॉलेज में पीजी अर्थशास्त्र के छात्रों को दी गई विदाई

खूंटी : बिरसा कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग में मंगलवार को स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न सेमेस्टर के छात्रों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। जितेंद्र, मनीष, अनामिका, स्मृति, मनीषा, प्रतिभा, फूलमनी सहित कई छात्रों ने शानदार नृत्य और गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस दौरान विदाई लेने वाले छात्रों ने कॉलेज में बिताए अनमोल पलों को याद कर अपने अनुभव साझा किया। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य प्रो सीके भगत ने छात्रों को उज्वल भविष्य की बधाई देते हुए कहा कि कड़ी मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की कुंजी है। वहीं विभाग के राजकुमार गुप्ता ने छात्रों को सामाजिक दायित्व निभाने और निरंतर प्रगति के लिए प्रेरित किया। विभागाध्यक्ष प्रो जया भारती कुजूर ने पूर्व छात्रों के रूप में कॉलेज से जुड़े रहने का आग्रह करते हुए भविष्य के लिए बधाई दी। इस मौके पर स्टूडेंट्स ऑफ द ईयर के रूप में दीक्षा कुमारी और प्रमोद महतो को सम्मानित किया गया। दीक्षा को कॉलेज के लिए कई बार विश्वविद्यालय स्तर पर पुरस्कार दिलाने की उपलब्धि पर और प्रमोद को अनुशासन और विभागीय गतिविधियों में सक्रिय योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया। कार्यक्रम में प्रो शीला, प्रो शिल्पी, प्रो पूनम, प्रो अंजुलता, प्रो अभिषेक, प्रो बसुदेव, प्रो सावित्री, प्रो अल्पना, प्रो सुनीता सहित विभाग के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सिल्ली निवासी जगदीश लोहार ने छलपूर्वक निकाले पांच लाख रुपये, पीड़ित ने थाने में लगाई गुहार

अनगड़ा : थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मेडा का रहने वाला रमेशर लोहार पिता स्व शीतल लोहार को बहला फुसलाकर इंडियन ओवसीज और एस बी आई बैंक का खाता नंबर एटीएम कार्ड बैंक से लिंक किया हू मोबाईल नम्बर 8292964168 जगदीस लोहार ने ले लिया और बैंकिंग सुविधा बनाकर रामेशवर लोहार के खाते से पांच लाख रुपए निकाल लिए पीड़ित परिवार ने बताया कि तरह तरह का बहाना बना कर सिम कार्ड ओर एटीएम कार्ड ले लिया। रामेश्वर ने कहा कि मै एक टुकड़ा जमीन बेचा था और मेरे खाते में सारा पैशा को डलवाया था वहीं पैसा को निकाल लिया पीड़ित ने थाना से गुहार लगाई है कि मुझे मेरा रूपए दिला दिया जाय ।

विधवा और वृद्ध पेंशन योजना के लाभूको के लिए दो दिवसीय कैम्प का होगा आयोजन

अनगड़ा : अनगडा प्रखंड अंतर्गत हेसल पंचायत सचिववालय में वृद्ध विधवा पेंशन योजना के लिए विशेष दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। पंचायत के मुखिया कविता देवी ने बताया कि जिला के आदेशानुसार १० और ११ तारीख को दो दिवसीय कैम्प लगाकर जितने भी सरकार का पेंशन योजना है उसे अपडेट किया जाएगा।

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार कराने की विधायक भूषण बाड़ा ने विस में रखी मांग

सिमडेगा : इधर विधायक भूषण बाड़ा ने अपने विस सत्र के तारांकित प्रश्न के माध्यम से जिले के स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार कराने की सरकार से मांग की है। विधायक ने सत्र के माध्यम से सरकार से पूछा है कि जिले के लोग एकमात्र सदर अस्पताल के भरोसे जीवन गुजार रहे हैं। लेकिन यहां भी चिकित्सकों को भारी कमी है। सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में लंबे समय से चिकित्सक नहीं रहने से लोगों को भारी परेशानी हो रही है। साथ ही मरीजों के समक्ष गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। विधायक के सवाल पर सरकार द्वारा बताया कि जिले में सदर अस्पताल के अलावे छह सीएचसी है। जहां कुल 19 चिकत्सक पदस्थापित हैं। वहीं सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में चिकित्सकों के रोस्टर के अनुसार ब्लड बैंक का कार्य संचालित किया जा रहा है। साथ ही रक्त की जांच स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा नियमित रुप से किया जा रहा है। साथ ही सदर अस्पताल में मरीजों का समय पर समुचित उपचार भी किया जा रहा है। सरकार ने बताया कि चिकित्सकों की नियुक्ति हेतु आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

ट्रांसफर नीति के उल्लंघन का आरोप: मुरी रनिंग स्टाफ का धरना और विरोध प्रदर्शन

मुरी/सिल्ली : रनिंग स्टाफ ने आरोप लगाया है कि मुरी लांबी के एक लोको पायलट को सीनियरिटी सूची एवं स्थापित नियमों को दरकिनार करते हुए आउट ऑफ टर्न हटिया स्थानांतरित कर दिया गया है। कर्मचारियों का कहना है कि बिना किसी पैरवी या सोर्स वाले कई ड्राइवर पिछले 7-8 वर्षों से हटिया ट्रांसफर के लिए प्रतीक्षा सूची में हैं, जबकि जिनका विशेष कौशल भी अन्य ड्राइवरों की तुलना में अलग नहीं है, उन्हें सीधे हटिया भेज दिया गया। रनिंग स्टाफ के अनुसार, संबंधित लोको पायलट को कुछ माह पहले ही प्रमोशन के बाद मुरी लाया गया था, लेकिन अचानक लगभग 120-130 स्टाफ को पीछे छोड़कर बॉटम से हटिया ट्रांसफर कर दिया गया, जिससे स्टाफ में रोष व्याप्त है कर्मचारियों का कहना है कि इस तरह के निर्णय से न केवल ट्रांसफर पॉलिसी की पारदर्शिता पर सवाल खड़े होते हैं, बल्कि रेलवे को भी वित्तीय हानि पहुँच रही है। इसी कथित गलत ट्रांसफर नीति के विरोध में सभी रनिंग स्टाफ ने सुबह 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक ट्रेड यूनियन Act-1926 के तहत शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन की है। स्टाफ ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की पारदर्शी जांच कर स्थापित नियमों के अनुरूप उचित कार्रवाई की जाए।

माफीनामे के बाद सलटा माले नेता पर हमले की घटना

बोकारो : भाकपा माले नेता के ऊपर हुए हमले की घटना आज बेरमो थाना प्रभारी की मध्यस्था में आरोपी के द्वारा माफीनामे के बाद सलट गया। माफीनामे का बंधपत्र पर आरोपी द्वारा भविष्य में ऐसा कोई आचरण जिससे बेरमो की आपसी सद्भावना और भाईचारा खराब हो इस तरह का व्यवहार नहीं करने का भी हस्ताक्षर किया गया । सुलह समझौते के बाद भी संदेहात्मक गतिविधि निषेध के लिए अनुमंडल दण्डाधिकारी की अदालत में हाजरी देनी होगी । साथ में आरोपी को समय समय पर थाने में उपस्थिति देकर यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वे शांति सद्भाव का निर्वहन कर रहे हैं। बेरमो थाना प्रभारी रोहित सिंह की मध्यस्था में आयोजित सुलह समझौता में थाना के एसआई नन्हका उरांव, भाकपा माले राज्य स्थाई कमिटी के सदस्य भूवनेश्वर केवट, जिला कमिटी सदस्य सह कोयला मजदूर नेता बालेश्वर गोप, कांग्रेस नेता अशोक मंडल, फुसरो व्यवसाई संघ के वैभव चौरसिया, माले प्रखंड सचिव पंचानन मण्डल, सामाजिक कार्यकर्ता जावेद खान, फुसरो नगर परिषद के वार्ड सदस्य दीपक कुमार वर्मा, चलकरी के पंचायत प्रतिनिधि मुखिया अखिलेश्वर ठाकुर, विनय केवट, रूपलाल केवट, बशारत अंसारी, आर के दास, अमित वर्मा, वी मोहम्मद कुतुबुद्दीन और भूषण केवट आदि मुख्य रूप से शामिल थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय

भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, रामगढ़।

अतिअल्पकालीन निविदा आंमत्रण सूचना सं0–28/2025–26

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पदनाम : कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल रामगढ़।
2. परिमाण विपत्र निर्गत की तिथि एवं समय : दिनांक 17/12/2025 को अपराह्न 1:00 बजे तक ।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 18/12/2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 18/12/2025 को अपराह्न 3:30 बजे।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : (1) अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल हजारीबाग, (2) कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, रामगढ।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : कण्डिका 5, में वर्णित (2)
7. कार्यो का विवरण :–

क्र0 स0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Construction of Aganwadi Centre in Neem tola Sandi, Panchayat - Bongawar, Mandu, Ramgarh	1108200/-	22500/-	2,500/-	3 माह
2	Construction of Aganwadi Centre in Sundi tola, Panchayat- Mandudih, Mandu, Ramgarh	1108200/-	22500/-	2,500/-	3 माह
3	Construction of Aganwadi Centre in Govindpur, Panchayat- Manduchatti, Mandu, Ramgarh	1108200/-	22500/-	2,500/-	3 माह
4	Construction of Aganwadi Centre in Barughutu Agarwa tola, Panchayat - Barughutu North, Mandu, Ramgarh	1108200/-	22500/-	2,500/-	3 माह
5	Construction of Aganwadi Centre in Banji Panchayat- Barghutu North, Mandu, Ramgarh	1108200/-	22500/-	2,500/-	3 माह
6	Construction of Aganwadi Centre in Basantpur karmali tola, Panchayat - Basantpur, Mandu, Ramgarh	1108200/-	22500/-	2,500/-	3 माह
7	Construction of Aganwadi Centre in Harwe (Barkathi-2), Panchayat - Harwe (Karma North), Mandu, Ramgarh	1108200/-	22500/-	2,500/-	3 माह

* निविदा की शर्तें एवं अन्य सूचनाएँ www.jharkhandtenders.gov.in पर भी देखा जा सकता है।

PR 368105 Building(25-26)D

कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमंडल ,रामगढ़।

लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के हों सकारात्मक प्रयास

हम 10 दिसंबर को मानवाधिकारों का उत्सव मनाते हैं। उस दिन की स्मृति में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा हमारे समाजों के मानवाधिकार ढांचे की रीढ़ है, जहां हममें से प्रत्येक को बिना किसी भेदभाव के शांति और सुरक्षा के साथ रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसंबर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 75 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं, जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2025 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 77वीं वर्षगांठ है। 2025 में मानवाधिकार दिवस की थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं, तीन सरल सत्यों पर जोर देती हैं। मानवाधिकार सकारात्मक हैं, मानवाधिकार आवश्यक हैं और मानवाधिकार प्राप्य हैं। मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते हैं जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते हैं। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता। देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल है कि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है। भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 23, 24, 39, 43, 45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के लिए सुनिश्चित हैं। कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारों से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिए बनाये गये कानून महज कागजों में सिमट कर रह जाते हैं। इतिहास गवाह है कि भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है।

गोवा हादसाः झुलसती संवेदनाएं और नाकाम होती व्यवस्था

ललित गर्ग

एक बार फिर एक भीषण आग ने 25 मासूम जिंदगियों को छीन लिया। गोवा के नाइट क्लब में हुई यह त्रासदी केवल आगजनी नहीं, बल्कि हमारे सिस्टम की जड़ता, गैर-जिम्मेदारी और नैतिक पतन की ज्वलंत मिसाल है। गोवा का जो नाइट क्लब आग की चपेट में आया, वह नियमों की अनदेखी करके तो चलाया ही जा रहा था, उसमें आग से बचाव के उपाय भी नहीं किए गए थे। रही-सही कसर इससे पूरी हो गई कि नाइट क्लब में आने और जाने का रास्ता बेहद संकरा था। आग की चपेट में आने वालों की संख्या इसलिए अधिक बढ़ गई, क्योंकि बचने के लिए उन्होंने जिस रास्ते को सुरक्षित समझा, वहां पहले से ही लोग फंसे हुए थे। इस तरह से आनंद और उत्सव का स्थल अचानक जीवन समाधि में बदल गया, वह अनेक सवाल हमारे सामने खड़े करता है, क्या हम सीखने की क्षमता खो चुके हैं? क्यों हर हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, मुआवजा घोषित होता है, कुछ दिन हंगामा होता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है? पूर्व में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, सूरत और अनेक शहरों में समान दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। होटल, मॉल, थिएटर, अस्पताल, फैक्ट्री, कोचिंग सेंटर-लापरवाही की आग में झूलसनों वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन हमारी संवेदनशीलता का स्तर छोटा होता जा रहा है। आगजनी की घटनाओं का सिलसिला तो लगातार है, परंतु सुरक्षा मानकों के प्रति हमारी उदासीनता और घोर लापरवाही भी उतनी ही स्थायी है। यह बात स्पष्ट है कि हादसे किसी तकनीकी गलती का परिणाम भर नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और राजनीतिक मिलीभगत की देन भी हैं।

गोवा अपनी पहचान पर्यटन से बनाता है। नाइट लाइफ, समुद्री तटों का आनंद, मनोरंजन गतिविधियां और विदेशी पर्यटक इसका स्वाभाविक आकर्षण हैं। ऐसे प्रदेश में इस प्रकार का हादसा केवल मानवीय त्रासदी नहीं, बल्कि छवि और अर्थव्यवस्था का गहरा नुकसान भी है। भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री पहले ही प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को लेकर चुनौतियों से जूझ रही है। यह घटना विश्व के सामने एक सवाल बनकर खड़ी है-क्या भारत सुरक्षित पर्यटन देश है? क्या यहां गैर-जिम्मेदाराना ढांचे और भ्रष्ट तंत्र के बीच किसी का जीवन सुरक्षित रखा जा सकता है? इस प्रकार के हादसों में दो बड़े चरित्र सामने आते हैं-सरकार की सुस्ती और आयोजकों की लालचपूर्ण मानसिकता। अधिकांश नाइट क्लब, बार, पार्क या मनोरंजन स्थल ऐसे होते हैं जहां प्रवेश शुल्क, अवैध संचालन और आर्थिक लाभ का बड़ा खेल चलता है। इमारतों की मंजूरी, फायर सुरक्षा की अनुमति, बिजली के तारों का रखरखाव, निकास मार्ग-ये सभी चीजें फाइलों में तो दर्ज होती हैं, लेकिन जमीन पर गायब रहती हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की सजगता की जगह "संबंध" और "सुविधा शुल्क" काम करता है। निरीक्षण के नाम पर औपचारिकता ढहती है और बीते हुए हादसे केवल याद बनकर रह जाते हैं।

नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा होना पड़ा। सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होते हैं, लेकिन इस क्लब में लगता है कि इसकी भी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर हम हादसों को नियति क्यों मान लेते हैं? हर घटना के बाद नेताओं के बयान आते हैं- "दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा", "उच्च स्तरीय जांच की जाएगी", "मुआवजा दिया जाएगा", लेकिन क्या कभी हमने दोषियों को सजा होते देखा है? कभी किसी अधिकारी को बर्खास्त होते देखा है? क्या किसी क्लब या होटल की अनुमति स्थायी रूप से रद्द की गई? जवाब अधिकतर "नहीं" है। यही वह सत्य है जो बताता है कि हमारा समाज हादसे को दुख तो मानता है पर समस्या नहीं मानता। अजीब विडंबना यह है कि हादसे के शिकार गरीब या आम नागरिक होते हैं, लेकिन इस त्रासदी से गुजरी व्यवस्थाओं को कोई चोट नहीं लगती। वे फिर उठते हैं, नए सजावटी बोर्ड लगा लेते हैं और जनता को फिर से आकर्षित कर लेते हैं। व्यवस्था में भ्रष्टाचार और मानव-मूल्यों का ह्रास दोनों मिलकर ऐसी घटनाओं को जन्म देते हैं। यह केवल प्रशासनिक नाकामी नहीं, बल्कि सामूहिक नैतिक ह्रास भी है। आयोजक केवल लाभ देखते हैं; प्रशासन केवल कागजों पर निशान देखता है; समाज घटना को क्षणिक दुख समझकर भूल जाता है।

वैश्विक स्तर पर देखें तो किसी भी विकसित या उत्तरदायी समाज में जन-स्थलों पर सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। नियमित निरीक्षण, कठोर दंड, मानकों का अनिवार्य पालन और पारदर्शिता बुनियादी तत्व हैं। भारत में ये मानक केवल कानूनी पुस्तकों में रहते हैं। सवाल यह नहीं कि हादसे क्यों होते हैं, सवाल यह है कि सीख क्यों नहीं ली जाती। गोवा का यह हादसा एक चेतावनी है, अकेले गोवा के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए। हम विकास, पर्यटन और आधुनिक जीवनशैली की बात करते हैं, लेकिन सुरक्षा, नियंत्रण और मानवीय संवेदनशीलता को हाशिए पर छोड़ देते हैं। यह घटना बताती है कि यदि व्यवस्था की लापरवाही और लालच के बीच नागरिक की सुरक्षा कुचलती रही तो हम आधुनिक ढांचे बनाकर भी असुरक्षित रहेंगे। किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसके नागरिकों की सुरक्षा पर टिकी होती है, न कि केवल चमक-दमक पर।

गोवा घटना ने सरकार की छवि को ध्वस्त किया है। पर्यटन उद्योग की नींव हिलाई है और नागरिक विश्वास को चोट पहुंचाई है। गोवा के जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा 16 प्रतिशत से ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी से सितंबर के बीच 6.23 प्रतिशत ज्यादा टूरिस्ट गोवा पहुंचे। ऐसे में यह घटना राज्य की अच्छी छवि पेश नहीं करती, जहां पहले ही टैक्सी चालकों की मनमानी और पर्यटकों के साथ अभद्रता की कुछ समस्या रही है। यदि घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकनी है तो कुछ कठोर कदम उठाने होंगे, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, वास्तविक निरीक्षण प्रणाली, भ्रष्टाचार पर अंकुश और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर दंड। परंतु दुख यह है कि हमारा इतिहास बताता है, हम कठोर कदम उठाने से बचते हैं। आज इस त्रासदी के बाद शोक जताना पर्याप्त नहीं है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है। हम केवल जिम्मेदारी टाल देने की प्रवृत्ति में नहीं जी सकते। हर हादसा हमें यही याद दिलाता है कि सुरक्षा संस्कृति, जिम्मेदार शासन और नैतिक व्यवसायिक आचरण के बिना कोई भी समाज सुरक्षित नहीं हो सकता। यह घटना केवल 25 लोगों की मौत नहीं, बल्कि चेतावनी है कि यदि हमने नहीं सीखा, तो अगली त्रासदी निकट ही खड़ी है।

हमारे नीति-नियंताओं को यह समझना होगा कि इस तरह की घटनाएं केवल जान-माल को ही क्षति नहीं पहुंचातीं, बल्कि देश की बदनामी भी कराती हैं। इस तरह की घटनाएं यही रेखांकित करती हैं कि नया और विकसित बनने के आकांक्षी भारत में नियम-कानूनों की हर स्तर पर उपेक्षा होती है और इस देश में जिम्मेदारी के साथ कोई काम मुश्किल से ही किया जाता है। मानकों और सुरक्षा उपायों की रेगुलर चेकिंग अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है। बिना लाइसेंस चल रहे क्लब, होटल या रेस्तरां को बंद कराने के साथ यह जानना भी जरूरी है कि आखिर ये खुल कैसे जाते हैं और फिर कैसे धड़ल्ले से चलते रहते हैं। हमें यह मानना होगा कि जीवन की कीमत केवल शब्दों में नहीं, व्यवस्था में भी झलकनी चाहिए। जब तक हमारी नीतियों में कठोरता नहीं आएगी, जब तक भ्रष्टाचार की जड़ें नहीं काटी जाएंगी और जब तक नागरिक-केंद्रित शासन स्थापित नहीं होगा, तब तक मनोरंजन के नाम पर मौतें होती रहेंगी। गोवा का नाइट क्लब हादसा केवल आग नहीं-हमारे विवेक, शासन और मानवता की विफलता है। अब यह हमारे हाथ में है कि हम इसे भूलें या इसे परिवर्तन की शुरूआत बनाएं।

वंदे मातरम : भारतीय चेतना को ऊर्जा से भर देनेवाला अमर गीत

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत जैसे उत्कट आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राष्ट्र में यदि किसी शब्द ने सबसे अधिक ऊर्जा, सबसे अधिक प्रेरणा और सबसे अधिक एकता का संचार किया है, तो वह है "वंदे मातरम" किंतु विडंबना यह है कि इसी भूमि पर जन्मे कुछ लोग आज इस राष्ट्रीय गीत को स्वीकार करने में भी हिचकते हैं। यह विरोध वास्तव में कहना चाहिए कि उस भावना का अस्वीकार है जिसने भारत को स्वतंत्रता के पथ पर आगे बढ़ाया और उसके नागरिकों में मातृभूमि के प्रति समर्पण की चेतना भरी।

भारतीय संस्कृति में भूमि को माता मानना किसी धर्म-ग्रंथ का उपदेश नहीं है, यह तो सहस्राब्दियों से चली आ रही जीवनशैली है। जो धरती हमें अन्न देती है, जल देती है, जीवन देती है उसे "मां" कहना स्वाभाविक है। किंतु आज यही सरल, स्वाभाविक भावना कुछ लोगों को अपने मजहबी चश्मे से देखकर भारी लगती है। यह सोच देखा जाए तो सिर्फ तर्कहीन होने तक सीमित नहीं है, इससे राष्ट्र की सामूहिक चेतना तो भी भारी ठेस पहुंचती है।

वंदे मातरम की रचना से राष्ट्रगीत तक की यात्रा

एक दृष्टि यदि इसके इतिहास पर डालें तो 1870 के दशक में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने जब वंदे मातरम् की रचना की, तब वे शायद स्वयं भी नहीं जानते थे कि उनकी यह कविता एक दिन भारतीय स्वाधीनता के आह्वान का कारण बन जाएगी। सात नवंबर 1875 को "बंगदर्शन" में प्रकाशित इस गीत को उन्होंने बाद में अपने ऐतिहासिक उपन्यास आनंदमठ में स्थान दिया।

यह गीत साहित्य तक सीमित नहीं रहा, ये सीधे तौर पर मातृभूमि की आराधना है, प्रकृति का उत्सव है और भारतीय अस्मिता का घोष है। इसीलिए ही संविधान सभा ने 1950 में इसे राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार करके इसे राष्ट्र चेतना के केंद्र में स्थायी स्थान दिया है। इस एतिहासिक तथ्य को भी नहीं भूलना चाहिए कि 1905 के बंगाल विभाजन ने वंदे मातरम् को वह शक्ति दी, जिसने इसे आंदोलन की धड़कन बना दिया। छात्र, युवा, स्त्रियां, किसान सब इस गीत को गाते हुए ब्रिटिश शासन के विरुद्ध खड़े हुए।

अरविंदो घोष, बिपिन चंद्र पाल, बाल गंगाधर तिलक, यहां तक कि क्रांतिकारी दलों ने भी इसे अपना प्रेरणामंत्र बनाया। कहना होगा कि परतंत्रता के अंधेरे में यही गीत सूर्य सा चमका और भारतीयों को साहस देता रहा। ब्रिटिश सत्ता को डर था कि यह गीत जनांदोलन को विश्वज्वाला बना देगा इसलिए स्कूलों से लेकर सार्वजनिक स्थलों तक इसके गायन पर प्रतिबंध लगाए गए। किंतु क्या साम्राज्य की ताकत एक गीत की शक्ति को रोक सकी नहीं। जितना दमन हुआ, उतनी ही तेज इसके स्वर उठे।

विश्वमंच पर भारतीय पहचान का घोष है वन्देमातरम

वर्ष 1907 में मैडम भीकाजी कामा ने जर्मनी के स्टटगार्ट में भारत का पहला तिरंगा फहराया। तिरंगे पर लिखा था "वंदे मातरम" वह क्षण तत्कालीन समय में प्रतीकात्मक नहीं रहा था, वह तो भारत की अंतरराष्ट्रीय घोषणा थी कि इस राष्ट्र की चेतना पुकार रही है, वह दबी नहीं है, वह जागृत है और अपनी स्वाधीनता तक अनवरत वह संघर्ष करती रहेगी। किंतु दुर्भाग्य जब पूरी दुनिया में "वंदे मातरम" भारतीय स्वाधीनता का पर्याय बन चुका था, तभी 1908 में मुस्लिम लीग ने इसे इस्लाम विरोधी बताकर विरोध शुरू किया। तर्क यह दिया गया कि गीत के कुछ छंद देवी-उपासना की ओर संकेत करते हैं।

यह विरोध आगे बढ़ा और 1937 में कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में एक समिति बनाकर गीत की समीक्षा करवाई। मौलाना आजाद ने स्पष्ट कहा कि पहले दो पद किसी मजहबी भावना को नहीं ठेस पहुंचाते। परिणामस्वरूप गीत का संक्षिप्त दो पदों वाला स्वरूप स्वीकार किया गया। किंतु प्रश्न यह है क्या किसी धार्मिक भावना के नाम पर राष्ट्र की भावना को सीमित किया जा सकता है? क्या मातृभूमि को "माता" कहना किसी भी मजहब की कसौटी पर अपराध है?

सेक्युलरवाद का अंधापन

समय बदला, सत्ता बदली, बहसें बदलीं, पर मानसिकता वही रही। आज भी कुछ राजनेता और संगठन इस गीत का विरोध केवल राजनीतिक या सांप्रदायिक पहचान के नाम पर सेक?युलकर चश?मे से करना चाहते हैं। कभी इसे "इस्लाम विरोधी" कहा जाता है, कभी सेकुलरिज्म के खिलाफ बताया जाता है। इसी मानसिकता के चलते बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक बार-बार विरोध देखने को मिलता है।

मदरसे तक इस पर फतवा जारी कर चुके हैं कि "वंदे मातरम कहना हराम है।" सवाल उठता है, क्या इस धरती को मां कहना हराम है या वह मानसिकता हराम है जो राष्ट्रभक्ति को मजहबी चश्मे से तौलती है?

वंदे मातरम एक भावना, पहचान और राष्ट्रीय गौरव का केंद्र है

कहना होगा कि आज 150 साल बाद भी वंदे मातरम सिर्फ एक कविता नहीं है, यह भारतीयता की जागृत चेतना है, जिसमें संपूर्ण भारत का कण-कण समाया हुआ है। भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस न जाने कितने ही वीरों के कंठों में यह गीत गाया जाता रहा है। यह वह धुन है जिसने एक परतंत्र देश को स्वतंत्रता की राह दिखाई है। यह उन्हें गहराई से समझना होगा जो इसका विरोध करते हैं कि वंदे मातरम कहने का अर्थ किसी देवी की पूजा करना नहीं है, यह मातृभूमि को प्रणाम करना है। क्या कोई भी धर्म अपनी धरती का सम्मान करने से रोकता है नहीं। किंतु यदि कोई व्यक्ति इस सरल सम्मान को भी मजहब की दीवारों के भीतर बंद कर देता है, तो वह राष्ट्र की साझा चेतना से कट जाना है। किसी को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत एक ऐसा देश है, जहाँ मंदिरों से लेकर हर जगह एक ही मिट्टी की खुशबू है। जब वही मिट्टी जीवन का आधार देती है, तो उसे "मां" कहना सांस्कृतिक कृतज्ञता है, धार्मिक अनुष्ठान नहीं।

राष्ट्रगीत का विरोधः राष्ट्रधर्म का अपमान

धार्मिक स्वतंत्रता भारत की विशिष्ट पहचान है, पर राष्ट्रगीत का विरोध धार्मिक स्वतंत्रता नहीं, राष्ट्रचेतना से विमुखता है। ऐसे में आज संसद में हो रही चर्चाएँ सिर्फ इतिहास का पुनरावलोकन नहीं है, यह भावी पीढ़ियों को यह स्मरण दिलाने का अवसर हैं कि देश से प्रेम ही सच्चा राष्ट्रधर्म है। जिसमें कि वंदे मातरम का विरोध करना इतिहास का भी अपमान है और उन लाखों बलिदानियों का भी, जिन्होंने इसके स्वरों के साथ फांसी के फंदे को हंसते हुए चूमा है। यह गीत हमें जोड़ता है, प्रेरित करता है और यह स्मृति दिलाता है कि हम उस महान भूमि की संतान हैं, जो इस भूमि को मां कहता है। जब यह गीत अपनी 150वीं वर्षगांठ मना रहा है, तब यह हर भारतीय का कर्तव्य है कि वह अपनी व्यक्तिगत या मजहबी सीमाओं से ऊपर उठकर इसके भाव से स्वयं को जोड़े। क्योंकि वंदे मातरम एक सीमित स्वर से कहीं अधिक व्यापक, एक शाश्वत नाद है, जिसने इस देश को आत्मगौरव और स्वतंत्रता का मार्ग दिखाया है। यही हमारी पहचान है, यही हमारी श्रद्धा। वंदे मातरम। भारत माता की जय!

(लेखक, फिल्म सेंसर बोर्ड एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य एवं वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

सूडोकु नवताल- 7639

★★★ मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7								3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल - 7638 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

लोकसभा में अखिलेश का मोदी-योगी और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप

संजय सक्सेना

समाजवादी पार्टी के प्रमुख नेता अखिलेश यादव ने आज 09 दिसंबर को लोकसभा में अपना भाषण देते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग स्वतंत्र संस्था का स्वरूप खो चुका है और सत्ताधारी दल के इशारों पर नाच रहा है। विशेष वोटर सूची संशोधन प्रक्रिया में भारी अनियमितताएं हो रही हैं, जिससे विपक्षी दलों के समर्थकों के वोट कटने की साजिश रची जा रही है। अखिलेश ने स्पष्ट शब्दों में आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और उसके सहयोगियों ने जिन सीटों पर जीत हासिल की थी, उन क्षेत्रों में पांच हजार से अधिक वोट जानबूझकर डिलीट करने की तैयारी चल रही है। उन्होंने चुनाव आयोग को चेतावनी दी कि यह लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ है और जनता इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

भाषण की शुरूआत में ही अखिलेश ने लोकसभा अध्यक्ष से अपील की कि सदन का माहौल शांत रखा जाए ताकि उनकी बात सुनी जा सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में स्वतंत्र वोटर सूची संशोधन के नाम पर सत्ताधारी दल विपक्ष को कमजोर करने का कुचक्र चला रहा है। बिहार के बाद उत्तर प्रदेश में यह प्रक्रिया तेज हो गई है और मुस्लिम, दलित, पिछड़े तथा अति पिछड़े वर्गों के इलाकों में मतदान केंद्र अधिकारी घर-घर जाकर वोटरों के नाम मिटाने का काम कर रहे हैं। अखिलेश ने उदाहरण देते हुए बताया कि 2022 के विधानसभा चुनाव में भी इसी तरह की चालाकी से समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने की राह में रोड़ा अटकाया गया था। उन्होंने दावा किया कि अब 2027 के चुनाव से पहले यही सिलसिला दोहराया जा रहा है, जिससे डेढ़ से दो करोड़ वोट प्रभावित हो सकते हैं।

भाषण के दौरान अखिलेश ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि योगी सरकार घुसपैठियों को पकड़ने के नाम पर डिटेंशन सेंटर बना रही है, लेकिन असल में यह अल्पसंख्यक समुदाय को डराने का हथकंडा है। अखिलेश ने तंज कसते हुए पूछा कि अगर घुसपैठिए इतने खतरनाक हैं तो इन्हें पकड़ने के बजाय क्यों निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाजवादी पार्टी घुसपैठ के खिलाफ है, लेकिन निर्दोषों को सताने का विरोध करेगी। योगी सरकार के डिटेंशन सेंटरों को अखिलेश ने अमानवीय बताया और कहा कि इससे प्रदेश की शांति भंग होगी। उन्होंने सदन के सदस्यों से अपील की कि इस मुद्दे पर एकजुट होकर आवाज उठाएं।

अखिलेश ने चुनाव आयोग की कमियों को गिनाते हुए कहा कि आयोग ने बिना किसी तैयारी के स्वतंत्र वोटर सूची संशोधन शुरू कर दिया। मतदान केंद्र अधिकारियों पर इतना दबाव बनाया गया कि गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में कई ने आत्महत्या तक कर ली। उन्होंने आयोग से मांग की कि इस प्रक्रिया को स्थगित कर समय बढ़ाया जाए ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। भाषण में अखिलेश ने सत्ताधारी दल पर भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद भाजपा भ्रष्टाचार की चरम सीमा पर पहुंच गई है। भाजपा भविष्य की बातें करती है, लेकिन वर्तमान में जनता की पीड़ा को नजरअंदाज कर रही है। अखिलेश ने चार सौ चौदह दिनों में उत्तर प्रदेश चुनाव होने की बात कही और दावा किया कि समाजवादी पार्टी इस साजिश का डटकर मुकाबला करेगी। उन्होंने विपक्षी दलों से एकता की अपील की और कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए सबको साथ आना होगा।

अखिलेश के भाषण के बीच में सत्ताधारी दल के सदस्यों ने हंगामा किया, लेकिन अखिलेश ने शांत स्वर में अपनी बात जारी रखी। उन्होंने कहा कि सच्चाई से सरकार डर रही है, इसलिए हंगामा कर रही है। अखिलेश ने बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान का हवाला देते हुए कहा कि आरक्षण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जातीय जनगणना जरूरी है। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा कि अगर पहले साथ देते तो आज यह मांग न करनी पड़ती। भाषण में ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया गया। अखिलेश ने सेना की बहादुरी की तारीफ की, लेकिन सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुलवामा जैसी घटनाओं में खुफिया तंत्र की नाकामी की जिम्मेदारी कौन लेगा। सीजफायर का फैसला किस दबाव में हुआ, इसका जवाब सरकार दे। अखिलेश ने आर्थिक नीतियों पर भी प्रहार किया। उन्होंने कहा कि व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ रही मार को रोकने के लिए गंभीर कदम उठाने होंगे। रक्षा बजट को सकल घरेलू उत्पाद का तीन प्रतिशत करना चाहिए और इसे गैर-लंचेपदह बनाना चाहिए। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत की बात करते हुए कहा कि देश को अपनी रक्षा सामग्री खुद बनाने पर जोर देना होगा।

भाषण के अंत में अखिलेश ने सुझाव दिए कि पाकिस्तान और आतंकवाद पर दस-पंद्रह वर्षीय रणनीति बनानी चाहिए। उन्होंने चीन सीमा विवाद का जिक्र किया और सरकार से इंफ्रास्ट्रक्चर पर स्पष्टता मांगी। अखिलेश का यह भाषण करीब पैंतालीस मिनट चला और सदन में जोरदार प्रतिक्रिया पैदा की। विपक्ष ने तालियां बजाईं तो सत्ताधारी दल ने विरोध जताया। गृह मंत्री अमित शाह ने भी जवाब में कई बातें कहीं। अखिलेश के भाषण ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता इसे चुनावी हथियार के रूप में देख रहे हैं। अखिलेश ने साबित कर दिया कि वे मुद्दों पर सीधी बात कहने से पीछे नहीं हटते। चुनाव आयोग पर आरोपों ने विपक्ष को मजबूत एकजुटता का संदेश दिया। डिटेंशन सेंटरों पर टिप्पणी से योगी सरकार पर दबाव बढ़ गया। अखिलेश का यह आक्रामक रुख 2027 के चुनावों की दिशा तय कर सकता है।

दैनिक पंचांग

10 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृश्चिक में
चंद्र	सिंह में
मंगल	धनु में
बुध	वृश्चिक में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृश्चिक में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
धनु	07.01 बजे से
मकर	09.06 बजे से
कुंभ	10.53 बजे से
मीन	12.26 बजे से
मेष	13.56 बजे से
वृष	15.36 बजे से
मिथुन	17.34 बजे से
कर्क	19.48 बजे से
सिंह	22.04 बजे से
कन्या	00.16 बजे से
तुला	02.27 बजे से
वृश्चिक	04.41 ब.से

बुधवार 2025 वर्ष का 344 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण
तिथि षष्ठी 13.47 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 02.45 बजे रात्र को समाप्त।
योग वैधृति 12.46 बजे को समाप्त।
करण वणिज 13.47 बजे तदनन्तर विष्टि 01.46 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 19.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 55'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872554
जूलियन दिन 2461019.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 18

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक		उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक	
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक		शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक	
काल	08.15 से	10.19 बजे तक		अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक	
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक		चर	10.16 से	11.47 बजे तक	
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक		रोग	11.47 से	01.19 बजे तक	
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक		काल	01.19 से	02.51 बजे तक	
चर	02.44 से	04.12 बजे तक		लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक		उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

कटहल के पेड़ से गिरने से युवक हुआ घायल

साहिबगंज : जिला के बरहरवा प्रखंड के कोटालपोखर क्षेत्र अंतर्गत पेड़ पर चढ़कर कटहल का पत्ता काटने के दौरान एक युवक पेड़ से गिरकर घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को कटहल पत्ता गांव-गांव बेचने वाले पश्चिम बंगाल के शंकरपुर गांव का सेजादुल शेख (30) पीपलजोड़ी गांव के चंदन मुर्मू घर के समीप कटहल के पेड़ पर चढ़ पत्ते काटने के दौरान कटहल पेड़ के टहनी टूटने से पेड़ से नीचे गिर जाने से दाहिना हाथ का हड्डी टूट गया है। ग्रामीणों ने घायल के परिजनों को फोन पर सूचना दी। जहां घटनास्थल पर परिजन पहुंचकर घायल युवक को टेंपो पर बैठकर इलाज हेतु पाकुड़ ले गए, जहां उसका इलाज चल रहा है।

साहिबगंज व राजमहल में ट्रामा सेंटर की मांग : विधायक

साहिबगंज: राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने शीतकालीन सत्र में तारांकित प्रश्न के तहत साहिबगंज सदर अस्पताल एवं राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल में ट्रामा सेंटर खोलने का प्रस्ताव रखे हैं। उन्होंने सदन में मुद्दे को प्रमुखता से रखते हुए कहा कि विभाग ने प्रश्न के उत्तर में कहा है कि राज्य के 49 स्थान पर ट्रामा सेंटर संचालित होने की अनुशंसा है जिसमें साहिबगंज जिले के अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोटालपोखर भी सम्मिलित है। वर्ष 2021 में इन स्थलों का मैपिंग किया गया था। विधायक ने सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहे हैं कि धरातल पर ट्रामा सेंटर संचालित नहीं है और आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु हो रही है अगर सुविधा ट्रामा सेंटर के माध्यम से बेहतर होगी तो निश्चित ही जीवन रक्षक साबित होगी। उन्होंने कहा कि साहिबगंज सदर अस्पताल एवं अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल में ट्रामा सेंटर खोला जाए। सदन के माध्यम से स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने प्रश्न के उत्तर में अपनी बातों को रखते हुए कहा कि पर्याप्त संसाधन के साथ जल्द ही ट्रामा सेंटर का विधिवत संचालन कराया जाएगा। उन्होंने विधायक को आश्वस्त किया कि विधायक के साथ स्वयं भी जिला भ्रमण करते हुए बेहतर स्वास्थ्य सुविधा बहाल करने की दिशा में सकारात्मक पहल करेंगे।

कामता गांव में छापामारी, अवैध विदेशी शराब बरामद

रामगढ़ : सोमवार को सहायक आयुक्त उत्पाद बिमला लकड़ा के निर्देश पर उत्पाद विभाग, रामगढ़ की टीम ने गोला थाना क्षेत्र के कामता गाँव में सघन छापामारी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान विभिन्न ब्रांड की 69 बोतल अवैध विदेशी शराब बरामद करते हुए आरोपी मनीष कुमार को उत्पाद अधिनियम की धारा 47(ए), 47(ई), 52(डी) के तहत गिरफ्तार किया गया। टीम ने इसके बाद आरोपी के मामा — हितलाल साव, संतोष साव और पंचम साव के घरों में भी छापामारी की। जहाँ से 100 लीटर महुआ शराब और लगभग 1000 किलोग्राम जावा महुआ जप्त किया गया। तीनों आरोपी मौके से फरार मिले, जिनके विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की विभिन्न धाराओं में फरार अभियोग दर्ज किया गया है। यह पूरी कार्रवाई अवर निरीक्षक कांग्रेश कुमार के नेतृत्व में अवर निरीक्षक अमित मड़की तथा प्रतिनियुक्त गृह रक्षक जवानों की टीम द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न की गई।

नप कर्मियों का भूख हड़ताल, सेवा स्थायीकरण, पेंशन सहित अन्य मांगों पर सरकार के खिलाफ रोष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शहर के नगर परिषद परिसर में मंगलवार को झारखंड लोकल बॉडीज इम्प्लाइज फेडरेशन के आह्वाहन पर राज्य स्तरीय एक दिवसीय भूख हड़ताल का आयोजन फेडरेशन महामंत्री अनूप लाल हरि की अध्यक्षता में आहूत किया गया। जिसमें नगर परिषद के सफाई समिति अध्यक्ष शिव हरि सहित सैकड़ो नगर परिषद कर्मी शामिल हुए।

अनूप लाल हरि ने कहा कि ये सरकार आदिवासी दलितों की सिर्फ बाते करती है, नगर परिषद, नगर निगम में आदिवासी दलित कर्मी कार्य करते है, अहले सुबह उठकर शहर की साफ सफाई, कूड़ा कचरा का उठाव करती है। हमलोगों के साथ कई बार सरकार के साथ वार्ता हुई और मांग पूरा करने का आश्वासन दिया गया, लेकिन अब तक हमलोगों की मांग को पूर्ण नहीं की गई। सरकार आदिवासी दलितों का अनदेखी कर रही है। हमारी मांग है कि सभी निकायों को पूर्व की भांति नगर विकास विभाग से 70 प्रतिशत वेतन मद में ऋण एवं अनुदा की राशि आवंटन निर्गत करे, वर्षों से दैनिक वेतन कर्मी की सेवा स्थाई की जाए, पेंशन भुगतान के लिए जिन निकाय में राशि का अभाव है प्राथमिकता के आधार पर आवंटन निर्गत करे, दैनिक वेतन पर कार्य के दौरान मौत होने पर आश्रित को नियमित नियुक्ति होने तक दैनिक वेतन पर बहाल किया जाए। हमारी मांग जल्द पूर्ण नहीं हुई तो आगे उग्र आंदोलन किया जाएगा।

मौके पर आयुष कुमार, सुनील कुमार, भोला पासवान, कमल यादव, राकेश पासवान, सोनू हरि, विक्की हरि, प्रभु हरि, मनोज सिन्हा, मो अकबर सहित सैकड़ो महिला पुरुष कर्मी उपस्थित थे।

प्रखंड सभागार में रबी कार्यशाला सह कृषक गोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : प्रखंड सभागार में मंगलवार को रबी कार्यशाला सह कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रगतिशील कृषकों एवं कृषक मित्रों ने भाग लिया। गोष्ठी की अध्यक्षता सीओ सह बीडीओ बासुकी नाथ टुडू ने की। जिला कृषि कार्यालय से आत्मा परियोजना के उप परियोजना निदेशक मंटू कुमार, एचडीएफसी ऐग्रो इंश्योरेंस कंपनी के जिला प्रतिनिधि अमित कुमार, प्रखंड समन्वयक सौरभ कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजीव पांडेय, एटीएम नीरज कुमार एवं अंशु कुमारी, जिला उद्योग केंद्र की प्रखंड समन्वयक रश्मि कुमारी, गंगा प्रसाद पूरब पंचायत के मुखिया संतोष गौड़ आदि ने गोष्ठी में भाग लिया। कार्यशाला सत्र का उद्घाटन बीडीओ एवं आत्मा के परियोजना उपनिदेशक ने संयुक्त रूप से की। बीडीओ ने कृषकों के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजीव पांडेय ने किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान योजना के बारे में कृषकों को जानकारी दी। उन्होंने सभी कृषकों से निशुल्क फॉर्म लेकर योजना के लाभ के लिए आवेदन भरने का आग्रह किया।

बरहरवा रेलवे स्टेशन पर कैंप कोर्ट में 84 गिरफ्तार, 18,209 रुपए जुर्माना वसूला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मालदा मंडल रेल अंतर्गत बरहरवा रेलवे ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट साहिबगंज राहुल कुमार के निर्देशन में बड़हरवा रेलवे स्टेशन पर पूर्व निर्धारित कैंप कोर्ट कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया। आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ टीम ने बड़हरवा स्टेशन परिसर एवं विभिन्न ट्रेनों में व्यापक छापामारी अभियान चलाया। इंस्पेक्टर संजीव कुमार के साथ उपनिरीक्षक लाल बहादुर माझी, एएसआई सुरेश पासवान, एएसआई एस.के. भारती, कांस्टेबल अनिल कुमार, जितेंद्र प्रसाद यादव, चंदन कुमार राम, प्रवीण कुमार, जय सिंह, ए.डी. चौधरी, हेड कांस्टेबल ए.सी. दास, मजनू सोरेन तथा अन्य कई जवान शामिल थे। अभियान के दौरान विभिन्न रेलवे एक्ट की धाराओं (167-20, 147-07, 159-13, 162-26, 144-04, 145-14) के तहत कुल 84 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सभी को कैंप कोर्ट (वीआईपी लॉन्ज, बड़हरवा) में रेल मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां कुल 18,209 रुपए का जुमार्ना वसूला गया। इसी क्रम में ट्रेन संख्या 13032 जयनगर पैसेंजर में साहिबगंज से बड़हरवा तक चलाए गए मजिस्ट्रेट चेकिंग में 35 बिना टिकट यात्रियों से जुर्माना वसूला गया। इसके अलावा स्टेशन पर चलाए गए अभियान के दौरान 4 लोगों से बिना बुक किए सामान पर 640 रुपए जुर्माना वसूल किया गया। आरपीएफ की इस कड़ी कार्रवाई से स्टेशन परिसर में अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूती मिली है।

विधायक रोशन लाल चौधरी के आवासीय कार्यालय में श्रीमद भागवत कथा का होगा आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातू : विधायक रोशन लाल चौधरी के आवासीय कार्यालय में श्रीमद भागवत कथा के मध्य आयोजन सफलतापूर्वक सफल संचालन करने हेतु एक आवश्यक बैठक आहुत की गई जिसकी अध्यक्षता बड़कागांव के माननीय विधायक रोशनलाल चौधरी एवं संचालन वीरेंद्र कुमार झा के द्वारा किया इस बैठक में माननीय विधायक जी ने सभी उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी क्षेत्रवासियों एवं सनातनियों के लिए दिनांक 21/12/2025 से दिनांक 28/12/2025 तक एक भव्य भागवत कथा का आयोजन पीटीपीएस आवासीय कार्यालय में किया जा रहा है जिसकी सारी व्यवस्थाओं हेतु पंडाल निर्माण,प्रकाश की व्यवस्था, साउंड की व्यवस्था ,प्रचार प्रसार की व्यवस्था, पूजन सामग्री, प्रसाद, सजावट की व्यवस्था श्रोतागणों के बैठने की व्यवस्था, अतिथियों का आमंत्रण एवं स्वागत की व्यवस्था, कथावचन की व्यवस्था आदि के लिए एक संयोजक मंडली का गठन किया गया तथा मंडली के सभी सदस्यों को अपनी अपनी दायित्वों के निर्वहन की जवाबदेही दिया गया कही भी किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो इसकी विशेष ध्यान रखा जायेगा संयोजक मंडली में मुख्य रूप से जिला पार्षद सह सांसद प्रतिनिधि राजा राम प्रजापति, समाजसेवी भुनेश्वर सिंह, वीरेंद्र झा मुखिया किशोर कुमार महतो, राहुल रंजन, धर्मेन्द्र सिंह, मनोज कुमार सिंह, राजू कुमार, अशोक पाठक अजय रवि, मोहित कुमार, मोंटी यादव, अजित कुमार, धनेश्वर महतो, वकील महतो, गणेश ठाकुर, जानकी मुंडा, सदस्य बनाए गए ।

जनता दरबार में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने डीसी के समक्ष रखी अपनी समस्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला दंडाधिकारी-सह-डीसी हेमंत सती ने जनता दरबार के माध्यम से आमजनों की समस्याएं सुनी। जनता दरबार में जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने अपनी समस्याओं से डीसी को अवगत कराया। डीसी ने लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी। साथ ही उनके सामाधान को लेकर उन्हें आश्वस्त कराया।संज्ञान में आए हुए शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान करने की बात कही। गौरतलब है कि जनता दरबार के दौरान शिकायत के रूप में आए आवेदन विभिन्न विभागों व योजना से संबंधित एवं असंबंधित रहे। जनता दरबार में शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात डीसी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनका समाधान करने को लेकर निर्देशित किया। सभी आवेदनों की भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रतिपुष्टि डीसी कार्यालय को समर्पित करें।

बरहरवा में जनता दरबार : विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने सुनी समस्याएं, समाधान का दिया आश्वासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के बरहरवा प्रखंड में हर मंगलवार की भांति विधायक कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएँ विधायक प्रतिनिधि बरकत खान के समक्ष रखीं। विधायक प्रतिनिधि ने सभी शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को त्वरित निष्पादन हेतु अग्रसारित किया इसी क्रम में आवास एवं अन्य शिकायतों को लेकर बरकत खान स्वयं बरहरवा नगर अधिकारी दीपक कुमार के कार्यालय पहुँचे और ग्रामीणों की समस्याओं को उनके समक्ष रखते हुए समुचित समाधान कराने का आग्रह किया। नगर अधिकारी ने भी समस्याओं के शीघ्र निष्पादन का आश्वासन दिया। वहीं संवेदक ने आवेदन के माध्यम से मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत पीडब्लूडी पथ मयूरकोला पंचायत भवन से बोर्सिया टोला, डुबा टोला एवं आईटीआई कॉलेज मयूरकोला होते हुए बासूटोला तक पथ निर्माण के संबंध में समस्या उत्पन्न होने पर उक्त स्थान पर मापी कराकर भूमि उपलब्ध कराने की गुहार लगाई। वहीं बरकत खान ने अंचल पदाधिकारी अनोज कुमार से वातालाप कर जल्द से जल्द भूमि मापी करवाने का आग्रह किया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, नेहाल अख्तर, निताई सरकार, राजू महतो, सहित कई कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थें।

गणित मेला का हुआ आयोजन

साहिबगंज : प्रजायत्न संस्था और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को साहिबगंज बीआरसी में कक्षा 01 से 05 तक के बच्चों के लिए गणित मेला का आयोजन किया गया। मेले में बीडीओ सह सीओ बासुकिनाथ टुडू, बीईईओ तथा बीपीओ शामिल हुए। साथ ही बीआरपी, सीआरपी तथा शिक्षकों ने भी मेले में भ्रमण कर बच्चों की तैयार की गई गणित प्रदर्शनी में भाग लिया। प्रदर्शनी में बच्चों ने मापन, पैटर्न, पहेली, संख्या-माला आदि से संबंधित विभिन्न गणितीय जटिलताओं को आसान तरीके से समझने के टीएलएम प्रस्तुत किया गया। बीडीओ सह सीओ ने कहा कि सभी चीजें अच्छी थी, इसे जिले के सभी प्रखंडों में किया जाना चाहिए ताकि बच्चों के बौद्धिक विकास के साथ परिजनों को काफी कुछ सीखने को मिलेगा। कार्यक्रम पदाधिकारी सुकृति ने बताया कि एफएलएन के तहत आयोजित गणित मेला का उद्देश्य गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को गणित की जानकारी देना है। प्रजायत्न संस्था के शिवम ने बताया कि मेला में टीएलएम के माध्यम से बच्चों को आसान तरीके से जोड़, घटाव, गुना और भाग करने के तरीकों की प्रदर्शनी लगाई गई। मेला में सीएमएस पोखरिया और उर्दू यूएमएस के कक्षा 01 से 05 तक के बच्चों ने भाग लिया। मौके पर दोनों विद्यालयों के शिक्षक, अभिवावक और छात्र-छात्रा मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

एड्स से बचाव के लिए जागरूकता की व्यापक पहल डीएलएसए द्वारा जिलेभर में कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंज : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश तथा झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज की ओर से और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार अखिल कुमार के मार्गदर्शन में एचआईवी एवं एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) के लिए जिलेभर में व्यापक जागरूकता व स्वास्थ्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि कार्यक्रमों का उद्देश्य एचआईवी एवं एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के तहत प्रभावित व्यक्तियों के अधिकारों के प्रति समाज को जागरूक करना, भेदभाव को खत्म करना तथा स्वास्थ्य सेवाओं तक सभी की समान पहुंच सुनिश्चित करना रहा। इस अवसर पर पैरा लीगल वालंटियर्स, स्वास्थ्य विभाग, शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम, विधिक सत्र आयोजित किए गए। मंडल कारा साहेबगंज में आयोजित विशेष शिविर में कारा चिकित्सक डॉ. मोहन मुर्मू एवं आईसीटीसी काउंसिलर बसंत महतो ने बंदियों की एचआईवी एवं एड्स कि रोकथाम के लिए परामर्श दिए। जिले के विभिन्न विद्यालयों में भी जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए, जहां लीगल एड डिफेन्स काउंसिल रविन्द्र श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को एचआईवी/एड्स से बचाव, सामाजिक जिम्मेदारियों और कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। कार्यक्रमों में बताया गया कि अधिनियम, 2017 के अनुसार एचआईवी से प्रभावित व्यक्तियों के साथ भेदभाव कानूनन अपराध है। साथ ही सभी प्रभावित व्यक्तियों को नि:शुल्क एंटी-रेट्रोवायरल ट्रीटमेंट (एआरटी) प्राप्त करना उनका कानूनी अधिकार है। कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया गया कि एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता और सहयोग ही इसे रोकने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग में पोखरिया पैंथर्स में तीन विकेट से दर्ज की जीत

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत मंगलवार को पोखरिया पैंटर्स बनाम सीएबी जूनियर बरहरवा के बीच मैच खेला गया। पोखरिया पैंथर्स ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। सीएबी जूनियर पहले बल्लेबाजी करते हुए 25 ओवर में 168 रन बना कर ऑल आउट हो गई। शफीउर्रह्मान ने 55, रोशन कुमार ने 36, शादाब हुसैन ने 13 रन की पारी खेली। पोखरिया पैंथर्स के गेंदबाज उज्वल कुमार ने 3, पीयूष यादव ने 2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी पोखरिया पैंथर्स की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 173 रन बना कर 3 विकेट से जीत हासिल की। कुणाल यादव ने 69, प्रिंस कुमार सिंह ने नाबाद 32 व पीयूष यादव ने 14 रन की पारी खेली। सीएबी जूनियर के गेंदबाज रोशन कुमार ने 3 विकेट लिए। पोखरिया पैंथर्स के खिलाड़ी कुणाल यादव को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि श्याम रंजन तिवारी व चंदन यादव ने संयुक्त रूप से कुणाल को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग श्याम रंजन तिवारी व चंदन यादव एवं स्कोरिंग मो अनाउल्लाह अंसारी ने किया।

जेएम कालेज भुरकुंडा बना विनोबा भावे यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज फुटबॉल टूर्नामेंट का विजेता

रामगढ़ : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के द्वारा मंगलवार को जे जे कालेज कोडरमा मे फुटबॉल टुर्नामेंट का सेमीफाइनल और फाइनल मैच का आयोजन किया गया। टुर्नामेंट के फाइनल मैच जे एम कालेज भुरकुंडा व जे जे कॉलेज, कोडरमा के बीच खेला गया। दोनों टीम में कांटे की टक्कर हुई और 1 – 1 गोल कर दिनों टीम बराबरी पर रही। मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ जिसमें जेएम कालेज ने जे जे कॉलेज को 4 गोल कर मैच को खिताब अपने नाम पर कर लिया। इस मौके पर जे एम कालेज की प्राचार्या डॉ शीला सिंह, टीम मैनेजर डॉ शिवशंकर सिंह, टीम कोच सह खेल प्रशिक्षक हृदय नारायण सिंह ,टीम कॉर्डिनेटर गणेश महतो सहित महाविद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों की प्रसंशा एवं अपार हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया। जे एम कालेज के तरफ से कैप्टन देवराज कुमार बेदिया,राजन कुमार सोरेन, विमल कुमार, हर्ष बेदिया, निकेश्वर बेदिया, जयबीर सिंह, दिनेश दोहरा, आशीष उरांव, रावल बेदिया संतोष कुमार, अमित कुमार, विकास कुमार, लिपट कुमार, सोनु कुमार, निवेदन भुण्डा, अजय कुमार सहित अन्य खिलाडीयों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त त्वरित कार्रवाई करने के दिये निर्देश

पाकुड़ : ज़िले के आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान जमीन से संबंधित, बिजली विभाग से संबंधित, शिक्षा विभाग से संबंधित एवं सड़क एवं बैंक से संबंधित मामले एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

स्टारलिंक ने भारत में सेवा की कीमतों पर दी सफाई, सही दरें अभी घोषित नहीं

- वेबसाइट पर दिखाई गई मासिक 8,600 और उपकरण लागत 34,000 रुपए वास्तविक नहीं थीं

मुंबई । अमेरिकी सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक ने भारत में अपनी सेवा की कीमतों को लेकर स्पष्ट किया है कि वेबसाइट पर दिखाई गई मासिक 8,600 रुपए और उपकरण लागत 34,000 रुपए वास्तविक नहीं थीं। कंपनी ने बताया कि यह सिर्फ एक तकनीकी गड़बड़ी थी। स्टारलिंक इंडिया की वेबसाइट अभी लाइव नहीं है और ऑर्डर भी स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। बिजनेस ऑपरेशंस अे धिकारी ने कहा कि टीमें अंतिम सरकारी मंजूरी और सुरक्षा परीक्षणों के बाद ही सेवा चालू करेंगी। बांग्लादेश में स्टारलिंक की मासिक योजनाएं 40-50 (3,400-4,300 रुपए) और उपकरण 300-400 डॉलर (25,800-34,400 रुपए) हैं। वहीं श्रीलंका में मासिक 100-125 डॉलर (8,600-10,750 रुपए) और उपकरण 900-1,000 डॉलर (77,400-86,000 रुपए) हैं। डाउनलोड स्पीड 190-360 एमबीपीएस के बीच है। ईलॉन मस्क का कहना है कि स्टारलिंक घनी आबादी वाले शहरों के बजाय ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों के लिए अधिक लाभकारी होगी। शहरों में सेल टावर पर्याप्त हैं, लेकिन गांवों में ब्रॉडबैंड बिछाना महंगा और मुश्किल है। भारतीय दूरसंचार कंपनियों को डर है कि स्टारलिंक के आने से 5जी और फिक्स्ड

वायरलेस एक्सेस योजनाओं पर असर पड़ सकता है। स्टारलिंक जियो-एसईएस और भारती समर्थित यूटेलसेट वनवेब जैसी सेवाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करेगी। कंपनी को उपयोगकर्ताओं के टर्मिनल और उपग्रहों के बीच सिग्नल भेजने के लिए कई गेटवे अर्थ स्टेशन स्थापित करने होंगे। एयरटेल और जियो के साथ साझेदारी से इन कंपनियों के रिटेल नेटवर्क के माध्यम से स्टारलिंक सेवाएं उपलब्ध होंगी।

चावल कंपनियों के शेयर लड़खड़ाए, 10 फीसदी तक फिसले

ट्रंप के बयान से निवेशक चिंतित, सबसे अधिक गिरावट एलटी फूड्स के शेयर में दर्ज की गई

मुंबई । भारतीय चावल कंपनियों के शेयर मंगलवार को बाजार खुलते ही तेज गिरावट के साथ खुले। केआरबीएल, एलटी फूड्स और जीआरएम ओवरसीज़ जैसी प्रमुख कंपनियों के शेयर 3 से 10 फीसदी तक फिसल गए। सबसे अधिक गिरावट एलटी फूड्स के शेयर में दर्ज की गई, जो 8 फीसदी गिरकर 362 रुपए के इंट्रा-डे लो पर आ गया। कोहिनूर फूड्स के शेयर 10 फीसदी तक घट गए, जबकि चमन लाल सेतिया एक्सपोर्ट्स लिमिटेड का शेयर 5 फीसदी नीचे गया। इसके अलावा कावेरी सीड कंपनी और जीआरएम ओवरसीज़ लिमिटेड के शेयर भी प्रभावित हुए। हालांकि दिन के दौरान कुछ शेयरों में रिकवरी भी देखी गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका भारत से आयातित चावल और कनाडा से आने वाले फर्टिलाइज़र पर नए टैरिफ लगा सकता है। उनका कहना था कि ये आयात अमेरिकी किसानों के लिए चुनौती बन रहे हैं और अमेरिकी कृषि उत्पादों की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत, थाईलैंड और वियतनाम से सस्ते चावल आने से अमेरिकी किसानों की उपज की कीमतें दब रही हैं और इसे लेकर कदम उठाना आवश्यक है। उन्होंने अमेरिकी किसानों के लिए 12 अरब डॉलर का सहायता पैकेज भी घोषित किया। ट्रंप के बयान के बाद भारतीय चावल निर्यातकों के शेयरों में पैनिक सेलिंग हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर अमेरिका चावल पर टैरिफ लागू करता है, तो इसका दीर्घकालीन असर निर्यातकों की आय और शेयर बाजार पर पड़ सकता है। निवेशकों के लिए सतर्क रहना और बाजार की चाल पर ध्यान देना जरूरी है।

भारत बनेगा चिप मैन्युफैक्चरिंग हब : इंटेल-टाटा की साझेदारी से सेमीकंडक्टर क्रांति तेज

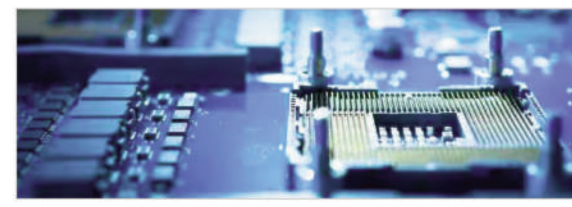

1.18 लाख करोड़ निवेश से गुजरात और असम में तैयार होंगी अत्याधुनिक चिप फैक्ट्रियां

नई दिल्ली । भारत अब केवल मोबाइल और कंप्यूटर उपयोग करने वाला देश नहीं, बल्कि सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में अमेरिकी चिप दिग्गज इंटेल और देश के प्रमुख औद्योगिक समूह टाटा समूह ने एक महत्वपूर्ण साझेदारी की है। इस समझौते के तहत भारत में चिप्स की मैन्युफैक्चरिंग, पैकेजिंग और असेम्बली की जाएगी, जिससे देश के उभरते सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को नई मजबूती मिलेगी। टाटा समूह के अनुसार, इंटेल के उत्पादों की मैन्युफैक्चरिंग गुजरात के धोलेरा में बन रही टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की सेमीकंडक्टर फैक्ट्री में होगी, जबकि उनकी पैकेजिंग और टेस्टिंग असम में स्थापित किए जा रहे टाटा के आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर एसेंबली एंड टेस्टिंग प्लांट (ओएसएटी) में की जाएगी। इन दोनों अत्याधुनिक सुविधाओं के निर्माण के लिए टाटा समूह लगभग 1.18 लाख करोड़ रुपए का निवेश कर रहा है। यह निवेश भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक माना जा रहा है।

साझेदारी का एक बड़ा फोकस एआई सक्षम कंप्यूटर सिस्टम तैयार करना भी होगा, जिसकी वैश्विक मांग तेजी से बढ़ रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि 2030 तक भारत दुनिया के टॉप-5 पीसी मार्केट्स में शामिल होगा। ऐसे में इस पहल से घरेलू बाजार में न केवल बड़े पैमाने पर उत्पादन को गति मिलेगी, बल्कि आयात पर निर्भरता भी कम होगी। इंटेल एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इसे भारत के बढ़ते कंप्यूटिंग बाजार के लिए रणनीतिक फैसला बताते हुए कहा कि एआई और पीसी की बढ़ती मांग भारत को एक महत्वपूर्ण टेक डेस्टिनेशन बना रही है।

इस्पात-सीमेंट उद्योग में कार्बन उत्सर्जन घटाने की पहल

भारत और स्वीडन ने मिलाया हाथ

नई दिल्ली ।

भारत के इस्पात और सीमेंट क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए टाटा स्टील, जेके सीमेंट, अंबुजा सीमेंट्स और जिंदल स्टील जैसी अग्रणी कंपनियों ने स्वीडिश प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तकों के साथ मिलकर सात नई परियोजनाओं की शुरुआत की है। ये पहल भारत के 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को हासिल करने के प्रयासों का हिस्सा है। इन परियोजनाओं में रोटरी भट्टों में हाइड्रोजन का उपयोग करके इस्पात निर्माण, 'स्टील स्लैग' के पुनर्चक्रण से हरित सीमेंट का उत्पादन, और कृत्रिम मेधा (एआई) के माध्यम से सीमेंट के कार्बन उत्सर्जन में कमी जैसे उपाय शामिल हैं। इन सभी पहल का उद्देश्य कठिन-उद्योग क्षेत्रों को अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाना है। सात प्री-पायलट परियोजनाओं को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और स्वीडिश ऊर्जा एजेंसी से वित्तीय समर्थन प्राप्त होगा। प्रमुख भागीदारों में प्रौद्योगिकी कंपनियां कंथल और स्वेरिम, तथा भारतीय शैक्षणिक संस्थान आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी-आईएसएम धनबाद, आईआईटी

भुवनेश्वर, आईआईटी हैदराबाद और दत्ता मेघे कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग शामिल हैं। ये परियोजनाएं न केवल भारत के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास को समर्थन देंगी, बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

ओला इलेक्ट्रिक ने तैनात की 250 सदस्यीय स्पेशल टीम

नई दिल्ली । दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने बढ़ते सर्विस बैकलॉग, रिपेयर में देरी और स्पेयर पार्ट्स उपलब्धता की समस्या को देखते हुए 250 सदस्यों की एक स्पेशल रैपिड-रिस्पॉन्स टीम पूरे देश में तैनात की है। कंपनी ने ग्राहकों की सर्विस से जुड़ी शिकायतों को दूर करने के लिए बड़ी कार्रवाई शुरू की है। इस टीम का मिशन पेंडिंग रिपेयर को तेज करना, सर्विस नेटवर्क को मजबूत बनाना और ग्राहकों को भरोसेमंद आफ्टर-सेल्स सपोर्ट देना है।

ओला ने बताया कि हायपरसर्विस मॉडल के तहत सर्विस सिस्टम को पूरी तरह नए ढंग से तैयार किया जा रहा है। इस मॉडल का मकसद उन सामान्य समस्याओं को खत्म करना है, जिनका सामना ग्राहकों को अक्सर करना पड़ता है जैसे लंबी वेटिंग, रिपेयर में देरी और पार्ट्स की कमी। कंपनी का दावा है कि बेंगलुरु में इसे पहले ही सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है और अब इसे कई बड़े शहरों में विस्तार दिया जा रहा है। नई 250-सदस्यीय टीम में अनुभवी टेक्नीशियन, ऑपरेशनल और मैनेजमेंट विशेषज्ञ शामिल हैं, जो विशेष रूप से बैक-लॉग रिपेयर, बैटरी रिप्लेसमेंट और स्पेयर पार्ट्स सप्लाई को तेज करने पर काम कर रहे हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कई मेट्रो शहरों में सर्विस देरी में स्पष्ट कमी देखने को मिली है। इसके अलावा, ओला ने इन-ऐप सर्विस बुकिंग फीचर भी लॉन्च किया है, जिसके जरिए ग्राहक सीधे ऐप से सर्विस स्लॉट बुक कर सकते हैं और जरूरी पार्ट्स ऑर्डर कर सकते हैं। इससे सर्विस सेंटर जाने की जरूरत कम होगी और समय की बचत होगी। 2023 में रिकॉर्ड बिक्री के बाद स्कूटरों की संख्या तेजी से बढ़ी, जिसके चलते सर्विस नेटवर्क पर भारी दबाव पड़ा।

बीज प्रमाणीकरण न कराया तो होगी वसूली: कृषि मंत्री

- बीज विकास निगम से विक्रय में देरी पर जताई नाराजगी

लखनऊ ।

कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने 27 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को चेतावनी दी है, जिन्होंने अभी तक बीज प्रमाणीकरण संस्था में पंजीकरण नहीं कराया। मंत्री ने कहा कि यदि एफपीओ तुरंत पंजीकरण नहीं कराएंगे तो सरकार द्वारा दिए गए अनुदान की वसूली की जाएगी। उन्होंने 32 एफपीओ के उत्पादित बीज के उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम द्वारा अब तक न खरीदने पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को समाधान करने के निर्देश दिए। कृषि निदेशालय में प्रदेश के 100 एफपीओ के कार्यों की समीक्षा की गई, जिसमें 24 एफपीओ ने अब तक 80,960 क्विंटल बीज का उत्पादन और निगम को विक्रय किया। मंत्री ने कहा कि एफपीओ केवल गेहूं और धान ही नहीं, बल्कि ढैंचा के बीज भी प्रमाणित कर निगम को बेचेंगे। बैठक में प्रमुख सचिव कृषि, निदेशक कृषि, निदेशक बीज विकास निगम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

भारत की संप्रभुता संसाधनों और ऊर्जा प्रणालियों पर निर्भर- अदाणी

- अदाणी ने खनन को नई अर्थव्यवस्था की नींव बताया

धनबाद । अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने मंगलवार को धनबाद में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइंस) के 100वें स्थापना दिवस समारोह में कहा कि भारत की संप्रभुता उसके प्राकृतिक संसाधनों और ऊर्जा प्रणालियों पर नियंत्रण पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि वैश्विक देश केवल अपने स्वार्थ में काम कर रहे हैं, ऐसे में भारत को अपना विकास मार्ग स्वयं निर्धारित करना होगा। अदाणी ने इतिहास का उदाहरण देते हुए बताया कि बख्तियार खिलजी और ब्रिटिश शासन ने भारत की स्वतंत्रता और शक्ति को कमजोर करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत सपने नहीं बेचता, बल्कि उन्हें हकीकत में बदलता है। उन्होंने कथात्मक उपनिवेशीकरण की ओर भी ध्यान दिलाया और कहा कि भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन विश्व में सबसे कम है। अदाणी ने आईआईटी (आईएसएम) के छात्रों के लिए इंटर्नशिप और अदाणी 3एस माइनिंग एक्सीलेंस सेंटर की स्थापना की घोषणा की। अदाणी ने खनन को नई अर्थव्यवस्था की नींव बताया और जोर दिया कि भारत को संसाधनों, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी में संप्रभु क्षमताएं विकसित करनी चाहिए।

भारत में एआई प्रशिक्षण के लिए अनिवार्य कॉपीराइट लाइसेंस का प्रस्ताव

- कॉपीराइट धारकों के लिए वैधानिक रॉयल्टी और पारिश्रमिक का अधिकार सुनिश्चित किया जाएगा

नई दिल्ली । उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एआई और कॉपीराइट से जुड़े नए नियामक दृष्टिकोण के लिए एक आठ सदस्यीय समिति का गठन किया। समिति में कानूनी विशेषज्ञ, उद्योग और शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हैं। इसका मुख्य उद्देश्य एआई प्रशिक्षण में कॉपीराइट-संरक्षित सामग्री के उपयोग और मौजूदा कानून की समीक्षा करना था। समिति ने एआई डेवलपर्स को सभी वैध रूप से उपलब्ध कॉपीराइट सामग्री तक पहुंच देने के लिए अनिवार्य लाइसेंस की सिफारिश की है। इसके साथ ही कॉपीराइट धारकों के लिए वैधानिक रॉयल्टी और पारिश्रमिक का अधिकार सुनिश्चित किया जाएगा। इस हाइब्रिड मॉडल के तहत व्यक्तिगत बातचीत की आवश्यकता समाप्त होगी और लेनदेन लागत घटेगी। मॉडल का उद्देश्य एआई नवाचार को बढ़ावा देना, प्रशिक्षण के लिए डेटा तक आसान पहुंच प्रदान करना, और स्टार्टअप एवं एमएसएमई के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना है। कॉपीराइट धारकों को न्यायिक रूप से तय रॉयल्टी, आसान भुगतान प्रक्रिया और उचित मुआवजा मिलेगा। समिति ने यह भी स्वीकार किया कि एआई प्रशिक्षण में बड़ी मात्रा और उच्च गुणवत्ता वाले डेटा की आवश्यकता है, और इसके लिए संतुलित नियामक ढांचा बनाना आवश्यक है। इससे न केवल मानव निर्मित कार्यों की सुरक्षा होगी, बल्कि एआई नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। डीपीआईआईटी ने 30 दिनों में हितधारकों से प्रतिक्रिया मांगी है।

पीएम मोदी के पुतिन को केसर भेंट करने से जम्मू-कश्मीर के किसानों की उम्मीदें बढ़ीं

अनंतनाग।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक दर्शाने वाले विशेष तोहफे भेंट किए। इन उपहारों में कश्मीर का मशहूर केसर और भगवद्गीता का रूसी संस्करण शामिल रहा। यह उपहार न केवल भारत की कला, आध्यात्मिकता और परंपरा को दर्शाते हैं बल्कि दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को और सुदृढ़ करते हैं।

कश्मीर के बुरहान दीन ने इस कदम पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन को कश्मीरी केसर उपहार में दिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को जम्मू-कश्मीर के लोगों से विशेष लगाव है। वह चाहें तो कोई कीमती वस्तु भेंट कर सकते थे, लेकिन उन्होंने कश्मीर की पहचान केसर को चुना। यह हमारे लिए सम्मान की बात है। मैं किसानों से अपील करता हूं कि वे केसर की पैदावार बढ़ाएं, क्योंकि अब यह दुनिया के शीर्ष नेताओं तक पहुंच चुका है। सामाजिक कार्यकर्ता सईद अख्तर हुसैन ने कहा कि कश्मीर की हर वस्तु अनमोल है और उसी अनमोलता का प्रतीक यहां का केसर है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कश्मीरी केसर को विश्व पटल पर और प्रख्यात कर दिया है। यदि किसान इसकी खेती को बढ़ावा दें तो यह वैश्विक स्तर पर और बड़ी पहचान बना सकता है। इससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और बेरोजगारी कम होगी। जम्मू-कश्मीर में केसर की सबसे अधिक पैदावार होती है और प्रधानमंत्री द्वारा इसका चयन करना हमारे लिए गर्व की बात है।

कश्मीर घूमने आए पर्यटकों ने भी इस निर्णय का स्वागत किया। एक पर्यटक ने कहा कि पीएम मोदी द्वारा पुतिन को कश्मीरी केसर भेंट करने से हमारी जिज्ञासा और बढ़ गई है। हम यहां का असली केसर खरीदकर अपने साथ ले जाना चाहते हैं। यहां के किसान मेहनती हैं और केसर की खेती को बढ़ावा देना चाहिए।

हिमाचल में कृषि सेवाओं के लिए दरें तय, छोटे किसानों को राहत

ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों से सेवाओं के लिए मनमाने दाम वसूलने पर लगेगी रोक

हमीरपुर । हिमाचल प्रदेश कृषि विभाग ने हमीरपुर जिले में छोटे किसानों की शिकायतों के बाद फसलों की बुवाई, कटाई और 'थ्रेसिंग' के लिए दरें तय की हैं। इससे पहले कई क्षेत्रों में ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों से सेवाओं के लिए मनमाने दाम वसूले जा रहे थे। कृषि विभाग के एक अे धिकारी ने बताया कि ट्रैक्टर से जुताई और बुवाई की दर 1,200 रुपये प्रति घंटा, रोटावेटर से जुताई की दर 1,320 रुपये प्रति घंटा और कटाई तथा थ्रेसिंग की दर भी 1,320 रुपये प्रति घंटा तय की गई है। इसके अलावा, पावर टिलर से बुवाई 500 रुपये प्रति घंटा, रीपर से कटाई 1,300 रुपये प्रति घंटा और ब्रश कटर से कटाई 400 रुपये प्रति घंटा होगी। अे धिकारी ने कहा कि निर्धारित दर से अधिक वसूलने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। थ्रेसिंग में भूसे और तिनकों से अनाज अलग किया जाता है। इस फैसले से छोटे किसानों को उचित मूल्य पर कृषि सेवाएं मिलेंगी और उन्हें मनमाने दाम वसूलने की परेशानी से राहत मिलेगी।

इंडिगो की 4,500 उड़ानें रद्द होने से विमानन राजस्व प्रभा वित

नुकसान की भरपाई के लिए विमानन कंपनी से मुआवजे पर किया जा रहा है विचार

नई दिल्ली।

पिछले सप्ताह इंडिगो ने लगभग 4,500 उड़ानें रद्द कीं, जिससे देश के प्रमुख निजी हवाई अड्डा संचालकों का विमानन राजस्व प्रभावित हुआ। वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस नुकसान की भरपाई के लिए विमानन कंपनी से मुआवजे पर विचार किया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, हमारी आपसी समझ और संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए संकट के स्थिर होने तक अंतिम निर्णय टाला गया है। हवाई अड्डों का बड़ा हिस्सा राजस्व विमानन गतिविधियों से आता है, जिसमें लैंडिंग और पार्किंग शुल्क शामिल हैं। ये शुल्क विमानन कंपनियों द्वारा भुगतान किए जाते हैं, लेकिन अक्सर टिकट की कीमतों में शामिल कर यात्रियों पर आंशिक या पूर्ण रूप से डाल दिया जाता है। हालांकि, गैर-विमानन राजस्व जैसे खुदरा बिक्री, ड्यूटी-फ्री, लाउंज सेवाएं और अन्य सुविधाएं बढ़ रही हैं, लेकिन उनका योगदान अभी भी कुल राजस्व में विमानन के मुकाबले कम है। हवाई अड्डे सीधे यात्रियों से यात्री सेवा शुल्क भी लेते हैं, जो सुरक्षा, सुविधा और अन्य सेवाओं में उपयोग होता है। कुछ हवाई अड्डों पर उपयोगकर्ता विकास शुल्क भी लिया जाता है,

जिसका उपयोग हवाई अड्डे के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए किया जाता है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु और हैदराबाद जैसे प्रमुख हवाई अड्डे इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि सभी उड़ानें सामान्य होने के बाद ही नुकसान के आकलन और मुआवजे के निर्णय पर अंतिम रूप दिया जाएगा।

आईएमएफ ने पाकिस्तान को दी 1.2 अरब डॉलर की नई ऋण सहायता

- पिछले साल पा किस्तान को 7 अरब डॉलर की मदद मिली थी

इस्लामाबाद । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को द्विपक्षीय व्यवस्था के तहत करीब 1.2 अरब डॉलर की नई ऋण सहायता मंजूर की है। इसमें विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) के तहत 1 अरब डॉलर और जलवायु-केंद्रित टिकाऊ स्थिरता सुविधा (आरएसएफ) के तहत 20 करोड़ डॉलर शामिल हैं। पाकिस्तान वर्तमान में आईएमएफ के 24वें कार्यक्रम में है, जिसके तहत पिछले साल उसे 7 अरब डॉलर की मदद मिली थी। आईएमएफ के एक अे धिकारी ने कहा कि पाकिस्तान को आर्थिक स्थिरता बनाए रखने और निजी क्षेत्र-नेतृत्व वाली मध्यम अवधि की वृद्धि हासिल करने के लिए विवेकपूर्ण नीतियों और सुधारों को तेज करना होगा। इस्लामाबाद के अधिकारियों ने इसे आर्थिक सुधारों और व्यापक प्रबंधन में विश्वास का प्रतीक बताया। आईएमएफ ने पिछले महीने वित्तीय प्रबंधन और सार्वजनिक संसाधनों के उपयोग में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया था।

जेएसडब्ल्यू स्टील का नवंबर में कच्चा इस्पात उत्पादन 5 फीसदी बढ़ा

- उत्पादन वृद्धि से मजबूत हुई कंपनी की स्थिति

नई दिल्ली ।

उद्योगपति सज्जन जिंदल की अगुवाई में जेएसडब्ल्यू स्टील ने नवंबर में अपने एकीकृत कच्चा इस्पात उत्पादन में 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने बीएसई को बताया कि नवंबर में उत्पादन 24.39 लाख टन रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 23.23 लाख टन था। इस वृद्धि को कंपनी के निरंतर विस्तार और प्रतिस्पर्धी इस्पात उद्योग में मजबूती का संकेत बताया गया है। नवंबर में जेएसडब्ल्यू स्टील के भारतीय परिचालन का उत्पादन भी 5 प्रतिशत बढ़कर 23.61 लाख टन पहुंच गया। कंपनी ने कहा कि भारतीय परिचालन में क्षमता उपयोग 84 प्रतिशत रहा। यह कम उपयोग विजयनगर संयंत्र में 'ब्लास्ट फर्नेस' को बंद करने के कारण हुआ। जेएसडब्ल्यू स्टील, 23 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य वाले जेएसडब्ल्यू समूह का प्रमुख कारोबार है। समूह की उपस्थिति ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, सीमेंट, पेंट, रियल एस्टेट, ई-प्लेटफॉर्म, परिवहन, रक्षा, खेल और उद्यम पूंजी जैसे क्षेत्रों में है। इस उत्पादन वृद्धि से जेएसडब्ल्यू स्टील की देश के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थिति और प्रगाढ़ हुई है।

बिहार के विकास की नई राह खोलेगा बक्सर का तीसरा गंगा पुल

वाराणसी और लखनऊ का सफर होगा आसान

बक्सर। जिले में गंगा नदी पर निमार्णाधीन तीसरे पुल का कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है, जो राज्य की यातायात जटिलताओं को दूर करने और आर्थिक विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हेलीकाप्टर से इस पुल का हवाई निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने निर्माण प्रगति पर संतुष्टि जताई और अधिकारियों को कार्य को और तेज करने का निर्देश दिया। सीएम ने कहा कि यह पुल न केवल बक्सर-पटना राजमार्ग (एनएच-922) को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ेगा, बल्कि दिल्ली-वाराणसी-पटना कारिडोर में लाजिस्टिक्स को सुगम बनाकर व्यापार और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा। यह निरीक्षण नवानगर औद्योगिक क्षेत्र के दौरे के दौरान किया गया, जहां सीएम ने वरुण बेवरेजेस, भारत प्लस एथेनाल और एसएलएमजी बेवरेजेस इकाइयों का भी जायजा लिया। इस पुल की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी, क्योंकि मौजूदा दोनों पुलों पर बढ़ते वाहनों का बोझ यातायात को अव्यवस्थित बना रहा है। बक्सर में हाल के महीनों में बाजार सड़कों और मुख्य मार्गों पर भीड़भाड़ इतनी बढ़ गई है कि स्थानीय व्यापारी और निवासी परेशान हैं।यह नया पुल बिहार और उत्तर प्रदेश के बीच सीधी संपर्कता सुनिश्चित करेगा, जिससे पटना से वाराणसी और लखनऊ तक यात्रा समय में कमी आएगी। निर्माण एजेंसी का मानना है कि स्थिर नदी स्तर के कारण आगामी महीनों में कार्य और तेज होगा, जो क्षेत्रीय विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। स्थानीय निवासी संतोष कुमार ठाकुर जैसे लोग इसे एक परिवर्तनकारी परियोजना मानते हैं, जो पूर्वी उत्तर प्रदेश और बक्सर के विकास परिदृश्य को बदल देगी। इस पुल को एलिवेटेड रोड के जरिए बलिया-गाजीपुर ग्रीनफील्ड हाइवे के फोरलेन भरौली स्पर से जोड़ा जाएगा। यह स्पर लगभग बन चला है। इस फोरलेन स्पर के माध्यम से करीब 16-17 किलोमीटर की दूरी तय करते ही वाहन नए ग्रीनफील्ड बलिया-गाजीपुर हाइवे और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से भी सीधे जुड़ जाएगा। इसके लिए गाजीपुर जिले के हैदरिया में इंटरचेंज प्वाइंट बनाया जा रहा है। तकनीकी दृष्टि से यह पुल आधुनिक इंजीनियरिंग का नमूना है, जिसमें 3.2 किलोमीटर की कुल लंबाई है। इसमें 1.2 किलोमीटर का मुख्य पुल वीर कुंवर सिंह सेतु के पश्चिमी हिस्से में और दो किलोमीटर का एलिवेटेड रोड और इससे जुड़ा रोटरी शामिल है। यह तीन-लेन वाला पुल 40 मजबूत खंभों पर टिका होगा, जिनमें से आठ गंगा की मुख्य धारा में और 32 दोनों तटों पर होंगे। पहला खंभा (पी-1) बक्सर पक्ष पर और अंतिम (पी-40) भरौली, बलिया, उत्तर प्रदेश की तरफ स्थापित किया जाएगा। निर्माण कंपनी एएससी इंफ्राटेक ने मिट्टी परीक्षण के लिए 170 फीट गहराई तक बोरिंग की थी। केंद्रीय भू-तकनीकी रिपोर्ट की मंजूरी के बाद मुख्य कार्य शुरू हो चुका है। दीपावली से ठीक पहले निर्माण एजेंसी ने उत्तर प्रदेश छोर से निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। योजना की अनुमानित अवधि 910 दिन है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा संचालित यह परियोजना हाइब्रिड एन्युटी मोड में विकसित हो रही है। यह पुल 2024

जैविक कॉरिडोर योजना के दूसरे चरण में बड़ा बदलाव

बक्सर। जिले में चल रही परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवाइवी) के तहत जैविक कॉरिडोर के दूसरे चरण में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। अब किसानों को मिलने वाली दूसरी व तीसरी किश्त की 6,500 रुपये की सहायता राशि नकद में नहीं, बल्कि सीधे जैविक खाद, जैविक कीटनाशक आदि सामग्री के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी। जिले में जैविक कारिडोर के अंतर्गत कुल 1,500 एकड़ क्षेत्र में क्लस्टर मोड पर जैविक खेती हो रही है। इसमें 1,478 किसान विभिन्न समूहों के माध्यम से जुड़े हुए हैं। योजना के पहले चरण में किसानों को तीन साल तक हर साल 11,500 रुपये नकद दिए जाते थे, जिसमें से वे स्वयं वर्मी कम्पोस्ट यूनिट और जैविक उर्वरक खरीदते थे। दूसरे चरण में नियमों में संशोधन कर पहले साल 5,000 रुपये पक्का वर्मी पिट बनाने के लिए और अगले दो साल 6,500-6,500 रुपये देने का प्रविधान रखा गया था। लेकिन अब इस 6,500 रुपये में से केवल 1,500 रुपये ही किसानों के खाते में सीधे ट्रांसफर किए जाएंगे, जिनसे वे सिर्फ प्रमाणित जैविक बीज और केंचुआ खरीद सकेंगे। शेष 5,000 रुपये की राशि के बदले कृषि विभाग द्वारा किसानों की जरूरत के अनुसार जैविक खाद, जीवामृत, बीजामृत, नीम तेल आदि सभी आवश्यक सामग्री सीधे उपलब्ध कराई जाएगी।

पटना के बिहटा में चला अतिक्रमण पर बुलडोजर

लोगों ने की वेडिंग जोन बनाने की मांग, कहा: ऑप्शनल व्यवस्था करनी चाहिए

पटना। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद से अवैध कब्जे और निर्माण के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में पटना के बिहटा में भी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। पटना जिलाधिकारी के आदेश पर दानापुर की एसडीएम दिव्या शक्ति के नेतृत्व में यह कार्रवाई शुरू की गई। अभियान के तहत सड़क के दोनों ओर किए गए अवैध अतिक्रमण को बुलडोजर से ध्वस्त किया गया। बिहटा नगर परिषद क्षेत्र में बिहटा चौक से लेकर बिहटा डोमनिया पुल बाजार तक सड़क के दोनों किनारों पर हुए अवैध कब्जों को हटाया गया। इस दौरान स्थानीय अंचल अधिकारी राकेश कुमार सिंह और पुलिस टीम मौके पर मौजूद रही। इस कार्रवाई पर स्थानीय निवासी अजय कुमार पिंटू ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई सही है, लेकिन गरीब दुकानदारों के लिए नगर परिषद प्रशासन को ऑप्शनल व्यवस्था करनी चाहिए। स्थानीय अजय कुमार पिंटू ने बिहटा नगर परिषद क्षेत्र में वेडिंग जोन बनाने की मांग की, ताकि सभी दुकानें एक जगह लग सकें। बिहटा में लगने वाले जाम की समस्या का समाधान हो सके। अंचलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि अतिक्रमण के कारण लगातार बिहटा में जाम की स्थिति बन रही थी। पटना जिला प्रशासन और दानापुर अनुमंडल प्रशासन के निर्देश पर बिहटा नगर परिषद क्षेत्र में अवैध कब्जा किए गए निर्माण को प्रशासन के बुलडोजर जरिए हटाया गया है और आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई से पहले ही लोगों को जानकारी दी गई थी।

आंख फोड़कर युवक की हत्या

भोजपुर। सोमवार देर रात दोस्तों ने आंख फोड़कर युवक की हत्या कर दी। ईंट-पत्थर से मारने के बाद गला दबा दिया। मृतक काशी पासवान(35) मलौर गांव वार्ड नंबर-2 का रहने वाला था। पेशे से मजदूर का काम करता था। मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया। परिजनों के बयान के आधार पर छानबीन की जा रही है। घटना चरपोखरी थाना क्षेत्र की है। पत्नी कांति देवी ने बताया कि मेरे पति सोमवार को खाना खाने के बाद सियाडीह गांव में बन रहे पंचायत भवन में काम करने गए थे।

संक्षिप्त डायरी

उपचार के बहाने गर्भवती से दरिंदगी, तांत्रिक ने लूटी इज्जत

बेतिया। पश्चिमी चंपारण जिले के शनिचरी थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार की सुबह एक ऐसी घटना घटी जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। इलाज के बहाने घर में बुलाए गए एक तांत्रिक ने गर्भवती महिला से दुष्कर्म कर उसकी ज़िंदगी को मौत-जीवन के बीच लाकर खड़ा कर दिया। दर्द से तड़पती महिला की चीखें जब बाहर नहीं पहुंचीं, तो उसने होश में आते ही खुद 112 पर कॉल करके मदद मांगी। थानाध्यक्ष संध्या कुमारी ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे 112 टीम को सूचना मिली कि एक महिला के साथ मारपीट की जा रही है। पुलिस जब वहां पहुंची, तो गर्भवती महिला खून से लथपथ, बेहद कमजोर और दहशत में थी। उसकी सांसें जैसे रुक-रुक कर चल रही थीं। टीम ने बिना देर किए उसे लौरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। पीड़िता के भाई ने रोते हुए बताया कि उनकी बहन गर्भवती है और पति बाहर काम करने गए हैं।इसी बीच ससुर ने घर के किसी दर्द के घरेलू उपचार के लिए एक तांत्रिक को बुलाया था। परिवार को क्या मालूम था कि घर में आया वह शख्स उनकी बहन की ज़िंदगी में ऐसा तूफान ला देगा। आरोप है कि तांत्रिक ने उपचार के बहाने महिला को अकेला पाकर उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद पीड़िता को तेज ब्लीडिंग होने लगी और वह बेहोश हो गई। कुछ देर बाद जब उसे होश आया तो उसने कांपते हाथों से 112 पर फोन किया। लौरिया सीएचसी के चिकित्सक डॉ. जितेंद्र काजी ने बताया कि महिला के शरीर पर कई जगह गहरे जख्म और चोट के निशान थे। लगातार रक्तस्राव हो रहा था और वह दर्द से कराह रही थी। प्राथमिक उपचार के बाद उसे तुरंत जीएमसीएच बेतिया रेफर कर दिया गया। लौरिया थानाध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा ने बताया कि घटना की सूचना शनिचरी थाना को भेज दी गई है। आरोपों की पुष्टि और तांत्रिक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस पूरी गंभीरता से कार्रवाई कर रही है। गांव में घटना को लेकर आक्रोश है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि इलाज के नाम पर महिलाओं के साथ ऐसे अमानवीय कृत्य कब तक होते रहेंगे?

दाह संस्कार में आए लोगों और होटल संचालक के बीच मारपीट, छह से ज्यादा लोग हुए घायल

पटना। बाढ़ के उमानाथ स्थित मुक्ति धाम में सोमवार को दाह संस्कार के लिए पहुंचे लोगों और पास के एक होटल संचालक के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। इस दौरान लाठी-डंडे और ईंट चलने से आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिस्थितियों को नियंत्रित करते हुए एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अथमलगोला के सरिस्तापुर गांव के एक व्यक्ति का निधन हो गया था। दाह संस्कार के लिए रिश्तेदार और गांव के लोग मुक्ति धाम पहुंचे थे। दाह संस्कार के बाद भोजन की व्यवस्था पास के ही एक होटल में की गई थी। ग्रामीणों ने जब खाना खाने के लिए होटल पहुंचे, तो उन्होंने भोजन की गुणवत्ता पर आपत्ति जताई।इसी दौरान करीब 3600 रुपये के बिल को लेकर ग्रामीणों और होटल संचालक के बीच बहस शुरू हो गई। बताया जाता है कि बिल कम करने की बात पर विवाद बढ़ा और देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। मौके पर अफरा-तफरी मच गई और दोनों ओर से लाठी-डंडे एवं ईंट चलने लगे, जिसमें कई लोग घायल हुए।

सहरसा में खगड़िया की महिला की संदिग्ध मौत

सहरसा। सदर अस्पताल में इलाज के लिए लाई गई करीब 50 वर्षीय महिला ने उपचार शुरू होने से पहले ही दम तोड़ दिया। वह सड़क किनारे अचेत अवस्था में मिली थी। एक राहगीर ने मानवता दिखाते हुए उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। मामले की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस जांच में जुट गई है। सदर थाना के सब-इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार ने बताया कि महिला के पास एक झोला मिला था। झोले की तलाशी के दौरान एक पर्चा बरामद हुआ, जिसके आधार पर मृतका की पहचान खगड़िया के मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित परकंडी टोला निवासी रंजन देवी के रूप में की गई। पुलिस ने पर्चे पर दर्ज नंबर के जरिए परिजनों से संपर्क कर घटना की जानकारी दे दी है। पुलिस के अनुसार, महिला किन परिस्थितियों में सड़क किनारे बेहोश होकर गिरी और उसकी मौत का वास्तविक कारण क्या है, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।

पुलिस इसे संदिग्ध मामला मानकर जांच कर रही है। मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला किसी दुर्घटना का शिकार हुई थी या फिर मामला कुछ और है। जिस राहगीर ने महिला को अस्पताल पहुंचाया, उससे भी पूछताछ की जा रही है। साथ ही घटनास्थल के आसपास के लोगों से भी जानकारी एकत्र की जा रही है ताकि पूरी सच्चाई सामने आ सके।

243.96 करोड़ से बदलेगी गया जंक्शन की सूरत, यात्रियों को मिलेंगी एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं

गयाजी। गया जंक्शन, जिसे धार्मिक, सांस्कृतिक और अंतरराष्ट्रीय महत्व के कारण देश-दुनिया में खास पहचान मिली है, अब एक नए रूप में सामने आने को तैयार है। 243.96 करोड़ रुपये की लागत से चल रही पुनर्विकास परियोजना ने जोर पकड़ लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत विजन के तहत यह परियोजना बिहार के इस महत्वपूर्ण स्टेशन को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करेगी। निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है और इसे जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। गया जंक्शन सिर्फ यात्रा का पड़ाव नहीं रहेगा, बल्कि यह आधुनिकता, परंपरा और पर्यटन का संगम बनकर उभरेगा। स्टेशन परिसर में भवनों का नवीनीकरण, प्लेटफार्म विस्तार, टिकटिंग हाल का आधुनिकीकरण, डिजिटल सूचना व्यवस्था और स्वच्छ-सुरक्षित वातावरण तैयार किया जा रहा है। रेलवे निर्माण विभाग के एईएन सुधीर शर्मा का कहना है कि परियोजना पूरी होने के बाद स्टेशन

की संचालन क्षमता और यात्रियों की संख्या दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए नए टिकटिंग हाल का निर्माण जोर-शोर से जारी है।

इससे टिकट प्राप्त करने में लगने वाला समय कम होगा और भीड़ नियंत्रण भी आसान हो सकेगा। प्लेटफार्मों को लंबा और चौड़ा किया जा रहा है जिससे लंबी दूरी की ट्रेनों की आवाजाही और रुकने की क्षमता बढ़ेगी। स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया को भी नए स्वरूप में तैयार किया जा रहा है, जिसमें वाहन पार्किंग, ड्राप-एंड-गो जोन और सुगम प्रवेश-निकलाव की व्यवस्था शामिल है। दिव्यांग यात्रियों के लिए लिफ्ट, रैंप और विशेष संकेतक लगाए जा रहे हैं। गया जंक्शन की सुरक्षा को एयरपोर्ट स्तर का बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अत्याधुनिक बैगेज स्कैनर,हाई-रिजाल्यूशन 360 कैमरे,केंद्रीकृत कमांड कंट्रोल रूम,फायर सेफ्टी सिस्टम का उन्नत नेटवर्क की व्यवस्था होगी। यह सुरक्षा माडल स्टेशन को न सिर्फ सुरक्षित बनाएगा, बल्कि यात्रियों को भरोसेमंद और सहज यात्रा अनुभव भी देगा। गयाजी सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि संस्कृति और आध्यात्मिकता का धरोहर-स्थल है। इसी पहचान को स्टेशन परिसर की दीवारों, माडल संरचनाओं और आर्टवर्क में उकेरा जा रहा है। यहां बोधगया, महाबोधि मंदिर, विष्णुपद मंदिर, फल्गु तट, प्राचीन मठों और ब्रह्मयोगिनी की कलात्मक झलक देखने को मिलेगी। इससे स्टेशन पर्यटकों के लिए एक आकर्षण केंद्र की तरह भी काम करेगा। विश्वस्तरीय स्टेशन बनने से पर्यटकों की संख्या स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी। इससे होटल, परिवहन, खाद्य दुकानों और स्थानीय उत्पादों के बाजार को बड़ा लाभ मिलेगा। रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और गयाजी की अंतरराष्ट्रीय पहचान और मजबूती से स्थापित होगी। गया जंक्शन का कायाकल्प केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि गयाजी के भविष्य में निवेश है। यह शहर की छवि बदलने और पर्यटन को नई उड़ान देने वाला कदम साबित होगा। जून 2026 में जब यह परियोजना पूरी होगी, तब गयावासी एक ऐसे स्टेशन का अनुभव करेंगे जो आधुनिकता और सांस्कृतिक गौरव-दोनों का प्रतीक बनेगा।

पटना में बढ़ते ठंड के कारण सभी स्कूलों का समय बदला, अब सुबह आठ बजे से पहले नहीं होगी पढ़ाई

पटना। बढ़ते ठंड को देखते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी ने जिले के सभी स्कूलों का समय बदल दिया है। उनका यह आदेश आज से लागू है। अगले आदेश तक किसी भी विद्यालय का संचालन सुबह 8:00 बजे से पहले नहीं किया जाएगा। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि गिरते तापमान को देखते हुए स्कूलों का समय बदला गया है। यह निर्णय बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है।जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा जारी निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि सभी विद्यालय चाहे वह निजी हों या सरकारी सुबह 8 बजे से पहले किसी भी परिस्थिति में संचालित नहीं होंगे। विद्यालय प्रबंधन को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने और छात्रों व अभिभावकों को समय परिवर्तन की जानकारी समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इधर, अभिभावकों ने प्रशासन

के इस निर्णय का स्वागत किया है। उनका कहना है कि कड़ाके की ठंड में बच्चों को सुबह 6 या 7 बजे स्कूल भेजना बेहद कठिन हो रहा था। कई बच्चों में सर्दी-खांसी और वायरल संक्रमण की शिकायतें भी बढ़ रही थीं। बस या ऑटो से सफर करने वाले बच्चों को कोहरे और ठंडी हवा से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ने का खतरा अधिक रहता है। ऐसे में प्रशासन का यह कदम अभिभावकों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। स्कूल संचालकों का भी मानना है कि मौसम की स्थिति को देखते हुए यह निर्णय बिल्कुल उचित है। कुछ विद्यालयों ने अपने स्तर पर पहले ही समय में बदलाव कर दिया था। अब प्रशासनिक आदेश के बाद सभी स्कूलों में एकरूपता आ जाएगी। इसके साथ ही समय परिवर्तन के बाद शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मियों को भी अपने कार्यों का बेहतर प्रबंधन करने में सुविधा होगी। पिछले कुछ दिनों से पटना सहित पूरे बिहार में ठंड का प्रकोप काफी बढ़ गया है। न्यूनतम तापमान लगातार गिर रहा है, जिसके कारण सुबह धुंध, कोहरा और कड़ाके की ठंड का असर अधिक महसूस किया जा रहा है। ऐसे मौसम में छोटे बच्चों का सुबह-सुबह स्कूल जाना चुनौतीपूर्ण और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है।

बिहार के 'नेचर-वाइल्ड लाइफ सर्किट' में शामिल होगा बरैला अभयारण्य, भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू

जंदाहा। पातेपुर और जंदाहा प्रखंड में अवस्थित डाक्टर सलीम अली जुब्बा सहनी अभयारण्य का जल्द ही कायाकल्प होने जा रहा है। कार्य पूर्ण होते ही यह झील राज्य के पर्यटन मानचित्र पर मजबूती से स्थापित हो जाएगी। इसी को लेकर डीएम वर्षा सिंह ने सोमवार को बरैला झील का व्यापक निरीक्षण किया। डीएम ने बरैला झील में बने वाच टावर से पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उपस्थित पक्षी मित्रों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुना गया। स्थानीय मुखिया ने पक्षी मित्रों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता जताई। डीएम ने पक्षी मित्रों को प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक निर्देश दिए। मौके पर मौजूद स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने झील के आसपास पुलिस की पेट्रोलिंग बढ़ाने का अनुरोध भी किया। डीएम ने सभी वनरक्षियों को निर्देश दिया कि नियम के तहत सुबह और शाम क्षेत्र का भ्रमण कर प्रवासी पक्षियों की रक्षा सुनिश्चित करें। डीएम ने कहा कि किसी भी वन्य प्राणी को पकड़ना, पालना, खरीदना, शिकार करना या उसके अंगों से बनी वस्तुओं का उपयोग करना दंडनीय अपराध है, जिसके लिए 25 हजार रुपये तक जुमार्ना और 7 वर्ष तक की सजा हो सकती है। वन रक्षी पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को क्षेत्र में विशेष निगरानी करने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता (आपदा), जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जंदाहा एवं पातेपुर अंचलाधिकारी, पातेपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य

अधिकारी के अलावा पर्यावरणविद् पंकज कुमार चौधरी एवं स्थानीय मुखिया कुंदन चौधरी आदि भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि बरैला झील तक पहुंच पथ निर्माण हेतु भू-अर्जन की कार्रवाई की जानी है। इसके लिए 10 दिसंबर को भू-अर्जन सीमांकन के लिए जनसुनवाई निर्धारित की गई है। डीएम ने भू-अर्जन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि रैयतों से आवेदन लेकर समेकित प्रतिवेदन तैयार किया जाए। साथ ही बरैला झील से मुख्य मार्ग तक संपर्क सड़क के लिए भी भूमि सीमांकन कर अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि झील में वर्तमान समय में गाद जमाव, इनलेट-आउटलेट के जाम होने और जल प्रबंधन के अभाव में पर्याप्त जलस्तर बनाए रखना कठिन हो गया है। सरकारी परियोजना पूर्ण होने के बाद वेटलैंड में पानी के प्रवाह को बढ़ाना और स्थायी रूप से बनाए रखना आसान हो जाएगा। डीएम ने बताया कि बरैला आर्द्रभूमि का कुल क्षेत्रफल 1625.34 हेक्टेयर है, जिसमें से 197.91 हेक्टेयर क्षेत्र को बिहार सरकार की अधिसूचना (28 जनवरी 1997) के तहत बरैला झील सलीम अली पक्षी अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया गया है। अधिसूचित क्षेत्र 21 छोटे-छोटे पृथक खंडों में बंटा है। यह झील और आसपास का क्षेत्र वनस्पति व जीव-जंतुओं की समृद्ध जैव विविधता का केंद्र है, जिसमें प्रवासी पक्षियों की 59 प्रजातियां, स्थानीय पक्षियों की 106 प्रजातियां, 16 पेड़ प्रजातियां, 11 झाड़ीदार प्रजातियां और बहुत कुछ शामिल है। यह आर्द्रभूमि पक्षी विज्ञान और प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का विशेष केंद्र है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी प्रगति यात्रा के दौरान बरेला झील के विकास एवं सौंदर्यीकरण की घोषणा की थी।

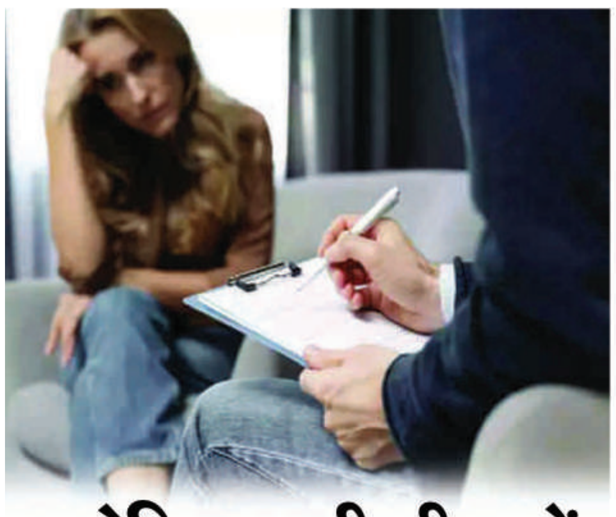

मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

- मनोविज्ञानी
- मनोचिकित्सक
- समाज सेवक
- काउंसलर
- शैक्षिक मनोवैज्ञानिक
- मानव संसाधन प्रबंधक
- अध्यापक
- अनुसंधान भूमिकाएं
- मीडिया भूमिकाएं
- मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथेड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएिटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।

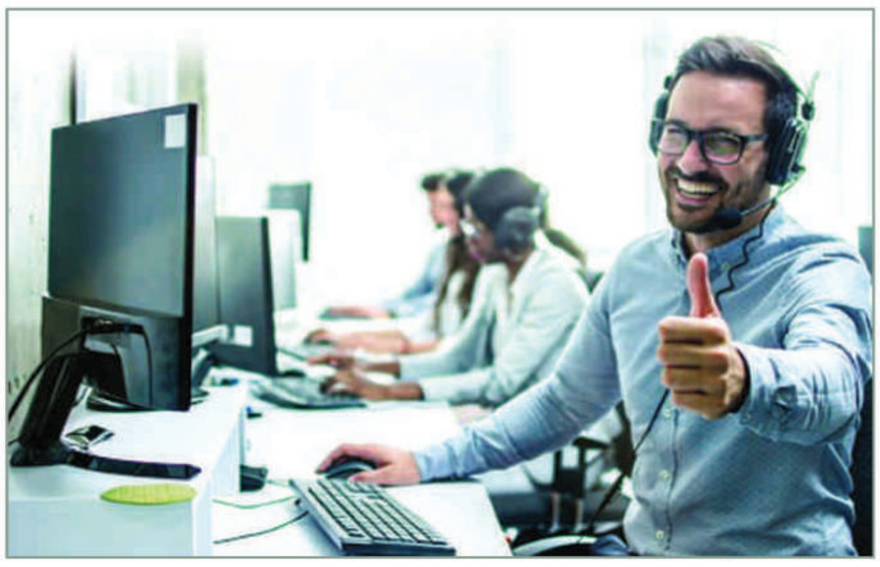

रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

आईपीएल 2026 की नीलामी सूची घोषित; 350 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने 2026 सीज़न के लिए खिलाड़ियों की नीलामी सूची को अंतिम रूप दे दिया है। आईपीएल द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, इस सूची में 350 खिलाड़ी शामिल हैं, जिन पर 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाली आगामी नीलामी में बोली लगाई जाएगी। नीलामी के लिए पंजीकृत 1,390 खिलाड़ियों में से 350 को शॉर्टलिस्ट किया गया, जिनमें 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। इस सूची में 224 अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी और 14 अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो इस साल की नीलामी में नई प्रतिभा और गहराई ला रहे हैं।

फ्रैंचाइज़ी कुल 77 उपलब्ध स्लॉट के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें से 31 विशेष रूप से विदेशी खिलाड़ियों के लिए आरक्षित हैं। 350 खिलाड़ियों में से 40 खिलाड़ियों ने खुद को अधिकतम आधार मूल्य 2 करोड़ रुपये में सूचीबद्ध किया है, जिनमें वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई केवल दो भारतीय हैं। नीलामी मंगलवार को दोपहर 2:30 बजे (यूएई समयानुसार दोपहर 1:00 बजे) शुरू होगी। 40 खिलाड़ियों ने अपनी आरक्षित कीमत 2 करोड़ रुपये रखी है, जबकि 9 खिलाड़ी 1.5 करोड़ रुपये की श्रेणी में हैं। चार खिलाड़ियों ने 1.25 करोड़ रुपये और 17 खिलाड़ियों ने 1 करोड़ रुपये की आरक्षित कीमत चुनी है। 75 लाख रुपये की श्रेणी में 42 खिलाड़ी हैं और चार खिलाड़ियों ने 50 लाख रुपये की श्रेणी चुनी है।

इसके अलावा, सात खिलाड़ियों का आरक्षित मूल्य 40 लाख रुपये है, और 227 खिलाड़ियों का सबसे बड़ा समूह 30 लाख रुपये के वर्ग में है। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन, जिनके सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक होने की उम्मीद है, क्योंकि कई टीमें एक आक्रामक ऑलराउंडर की तलाश में होंगी, ने बल्लेबाज के रूप में पंजीकरण कराया है और पहले सेट में शामिल होंगे। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक, जॉर्ज लिंडे और श्रीलंका के डुनिथ वेल्लालेज, जो पहले सूची में नहीं थे, को अंतिम रोस्टर में शामिल किया गया है।

दुर्गेश्वरी राठौर का अन्तर विश्वविघालयीन हॉकी प्रतियोगिता के लिए चयन

धार (एजेंसी)। खेल और युवा कल्याण विभाग धार द्वारा संचालित हॉकी फीडर सेंटर धार की प्रशिक्षणार्थी दुर्गेश्वरी राठौर का चयन देवी अहिल्या विश्वविघालय इन्दौर के अन्र्त विश्वविघालय हॉकी दल में चयन हुआ है। दुर्गेवश्वरी राठौर ने होल्कर विज्ञान महाविघालय इन्दौर में आयोजित संभाग स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में भाग लेकर श्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन कर इस उपलब्धि को प्राप्त किया।

उक्त प्रतियोगिता का आयोजन राज्य स्तरीय अन्र्त विश्वविघालयीन प्रतियोगिता दिनांक 09 दिसम्बर 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक बालाघाट में सम्पन्न होगी। इसके पश्चात् यह दल पूणे (महाराष्ट्र) में आयोजित जोनल स्तरीय अन्र्त विश्वविघालयीन में भाग लेगी।

दुर्गेवश्वरी राठौर की इस उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी, राजेश शाक्य, जिला हॉकी संघ अध्यक्ष, छोटु शास्त्री, रक्षित निरीक्षक, पुरूषोत्तम बिश्नोई, खेल अधिकारी उमंग अग्रवाल ने बधाई दी।

दुर्गेवश्वरी राठौर हॉकी फीडर सेंटर धार के प्रशिक्षक मनीष सोलंकी से नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। उक्त जानकारी हॉकी प्रशिक्षक मनीष सोलंकी ने दी।

विराट स्पोर्ट्सवियर ब्रांड वन8 बेचकर एजिलिटास में हिस्सेदारी खरीदेंगे

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि वह अपना स्पोर्ट्सवियर ब्रांड वन8 एजिलिटास स्पोर्ट्स बेच रहे हैं। विराट इससे मिलने वाली 40 करोड़ रुपये की रकम जिलिटास स्पोर्ट्स में ही निवेश करेंगे। अभिषेक गांगुली की एजिलिटास स्पोर्ट्स एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग-टू-रिटेल स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म है। विराट इसमें एक निवेशक के तौर पर शामिल हो रहे हैं। एजिलिटास उत्पादन, आर एंड डी, ब्रांड-निर्माण और खुदरा वितरण के क्षेत्र में काम करती है। 2023 में इस कंपनी ने स्पोर्ट्स फुटवियर बनाने वाली कंपनी मोचिको शूज को खरीदा था। इससे कंपनी की घरेलू और निर्यात क्षमता बढ़ी थी।

वहीं वन8 एक स्पोर्ट्सवियर ब्रांड है। विराट इसके सह-संस्थापक रहे हैं। यह ब्रांड स्पोर्ट्सवियर, कपड़े, फुटवियर और एक्सेसरीज से जुड़ा हुआ है। एजिलिटास की ओर से कहा गया है कि कोहली और गांगुली के बीच पिछली कुछ समय में साझेदारी बढ़ी है। इसी के तहत ही वन8 को लेकर करार हुआ है। कंपनी ने आगे कहा कि कोहली के पास अब तक केवल वन8 में निवेश करने का विकल्प था पर एजिलिटास की उत्पादन, डिजाइन, आर एंड डी, और वितरण क्षमता को देखते हुए उन्होंने इसका शेयरधारक बनना तय किया है।

विराट का वन8 को एजिलिटास को बेचने का फैसला भविष्य की योजनाओं के तहत ही है। वहीं विराट ने कहा, अभिषेक के साथ मेरा रिश्ता बहुत वास्तविक है। एक दिन, जब मैं यूं ही अपनी कुछ बनाने की इच्छा के बारे में बात कर रहा था, तो उसने कहा, चलो करते हैं और इस तरह वन8 शुरू हुआ। खेल ने मेरी जिंदगी बनाई है। मूवमेंट, कम्फर्ट और परफॉर्मेंस ही मेरे लिए सब कुछ हैं। यही सोच ब्रांड में बदल गयी। मैं हमेशा स्टाइल के लिए स्पोर्ट्स-फर्स्ट के क्षेत्र में जाना चाहता था।वहीं अभिषेक गांगुली ने कहा कि हमारा लक्ष्य भारत से स्पोर्ट्स में एक हाई-परफॉर्मेंस ब्रांड बनाना है।

श्रेयस की वापसी का फैसला इसी माह जांच रिपोर्ट के बाद होगा

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया दौरे में पसलियों में चोट लगने के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे भारतीय टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की वापसी का फैसला इसी माह आने वाली उनकी अल्ट्रासाउंड स्कैन रिपोर्ट के आधार पर होगा। उनकी वापसी अब अगले साल ही होगी। जांच रिपोर्ट के बाद पता चलेगा कि वे कब से आधिकारिक पुनर्वास प्रक्रिया शुरू कर सकेंगे। इसी स्कैन के आधार पर उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी तय हो सकती है। गौरतलब है कि सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के दौरान अय्यर की बाईं पसली पर चोट लगी थी, जिसके कारण वह आईसीयू में भी भर्ती थे। इसके बाद से ही उन्हें तुरंत चिकित्सा निगरानी में रखा गया है। अल्ट्रासाउंड स्कैन से पता चलेगा कि उनकी चोट कितनी ठीक हुई है। इसके बाद विशेषज्ञों की टीम उनका पूरा रिहैब प्लान तैयार करेगी। हल्के कंडीशनिंग से लेकर क्रिकेट-विशेष ट्रेनिंग तक का फैसला होगा। अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उनकी वापसी में किसी भी तरह की जल्दबाज़ी से बचना चाहती है औरा 100 फीसदी फिट होने पर ही उन्हें खेलने दिया जाएगा। अय्यर पिछले कुछ वर्षों से एकदिवसीय टीम के मध्यक्रम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 और एकदिवसीय विश्वकप में उनकी अहम भूमिका रही है। उनकी गैरमौजूदगी के कारण अब भारतीय टीम को नए विकल्पों को आजमाना पड़ा है पर कोई भी सफल नहीं रहा है। वहीं गेंदबाजी कोच मॉर्ने मोर्केल ने बताया कि अय्यर ने शुरुआती रिहैब शुरू कर दिया है और वे लगातार प्रगति कर रहे हैं। हालांकि, न्यूज़ीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में उनका खेलना लगभग संभव नहीं है।

वेंकटेश अय्यर को लेकर ये क्या बोल गए केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर?

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा रिलीज़ किए जाने के बाद, वेंकटेश अय्यर 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की मिनी-नीलामी में वापस आ गए हैं। डीडी स्पोर्ट्स पर द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो में बोलते हुए, केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने बताया कि कैसे ट्रायल के दौरान वेंकटेश अय्यर के आँकड़ों की बजाय उनके रवैये ने उनका ध्यान खींचा।

द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो की एक विज्ञप्ति के अनुसार, नायर ने कहा कि मैंने उन्हें उनके रवैये के कारण चुना था।

पहले दिन, वेंकटेश अय्यर ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन उन्होंने कभी हमारी तरफ देखा या किसी को खुश करने की कोशिश नहीं की। मुझे लगा कि उनमें बहुत ज़्यादा रवैया है। उन्होंने आगे कहा कि दूसरे दिन, हमने उसे खेलने का मौका दिया। आखिरी ओवर में, जब हमारे गेंदबाज़ को ऐंठन हुई, तो वेंकी बाउंड्री से चिल्लाया, %मैं आखिरी ओवर डालूँगा। उसने गेंदबाजी की और 18 रन दिए, लेकिन मुझे उसकी विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की तत्परता बहुत पसंद आई। उन्होंने कहा कि उसके लिए यह परीक्षा कम मायने रखती थी, खुद को यह साबित करने से ज़्यादा कि वह सही काम कर रहा है। यह विश्वास मेरे साथ रहा।

2021 में, वेंकटेश ने तूफानी शुरुआत की और अपने पहले सीज़न में दस मैचों में 370 रन बनाए, जिससे केकेआर फाइनल में पहुँच गया, लेकिन वे चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से हार गए। 2024 में अपने खिताब जीतने वाले वर्ष में, इस बाएं हाथ के बल्लेबाज़ ने फिर से 370 रन बनाए। 2025 में हालात मुश्किल लग रहे थे, क्योंकि उन्होंने 11 मैचों में एक अर्धशतक के साथ 20.28 की औसत से 142 रन बनाए।

हेजलवुड एशेज क्रिकेट सीरीज से बाहर हुए, अब अगले साल वापसी करेंगे : मैकडोनाल्ड

ब्रिसबेन (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण एशेज क्रिकेट सीरीज से बाहर हो गए हैं। हेजलवुड जैसे शीर्ष स्तर के गेंदबाज का टीम से बाहर होना मेलबान टीम के लिए करारा झटका कहै। अब हेजलवुड नये साल में ही खेल में वापसी करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि हेजलवुड अब अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी20 विश्व कप से वापसी करेंगे। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'वह सीरीज से बाहर रहेंगे और अब उनका लक्ष्य विश्वकप में खेलना होगा। एशेज से उनका बाहर होना काफी निराशाजनक है। हमें उम्मीद थी कि वह सीरीज में अहम भूमिका निभाएंगे पर बदकिस्मती से वह चोटिल हो गये।' गौरतलब है कि हेजलवुड पिछले एक दशक से ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालते रहे हैं। वहीं राहत की बात ये है कि कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस फिट हो गये हैं और वह 17 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में वापसी करेंगे। कमिंस ने अभ्यास भी किया है और इस दौरान उन्हें कोई परेशानी नहीं आई। अब तीसरे टेस्ट में कमिंस एक बार फिर कप्तानी संभालेंगे। कमिंस के नहीं रहने पर पहले दोनो ही मैचों में स्टीव स्मिथ ने ऑस्ट्रेलियाई एकादश की कप्तानी संभाली थी।

पांड्या जैसे ऑलराउंडर का टीम में होना जरुरी : संजय बांगड़

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने कहा है भारतीय टीम के पास अभी हार्दिक पांड्या से बेहतर ऑलराउडर कोई नहीं है। पांड्या की हालांकि फिटनेस एक समस्या है और इसी कारण वह कई अवसरों पर टीम से बाहर रहे हैं। बांगड़ ने कहा, 'उस तरह का ऑलराउंडर बनने के लिए आपको अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में से किसी भी एक के बल पर टीम में जगह बनाने में सक्षम होना चाहिए।' बांगड़ ने कहा, 'टीम प्रबंधन को उनके जैसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों के कार्यभार का प्रबंधन करना चाहिए। हार्दिक जैसा खिलाड़ी अगर पूरी तरह से फिट हो तो वह संतुलन पैदा करता है और उसकी मौजूदगी से टीम मनचाहा संयोजन तैयार कर सकती है। इसलिए उनका टीम में होना बेहद जरुरी है।' बांगड़ ने कहा, 'विश्व क्रिकेट के सभी ऑलराउंडरों को देखें तो अभी इंग्लैंड के पास बेन स्टोक्स जैसा कोई अन्य खिलाड़ी तैयार है। वहीं हार्दिक पांड्या के साथ भी यही स्थिति है।' पांड्या अकेले अपनी बल्लेबाजी के बल पर शीर्ष पांच में जगह बना सकते हैं। वहीं गेंदबाजी में भी वह किसी भी टीम के शीर्ष तीन तेज गेंदबाजों में से एक हो सकते हैं।'वहीं हार्दिक के कार्यभार प्रबंधन पर बात करते हुए बांगड़ ने कहा कि उन्हें तीन मैच ही खेलने चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें देखना होगा कि वह हालातों से कैसे तालमेल बिठाते हैं। विश्व कप से पहले उन्हें कितने मैच खेलने चाहिये। ये अभी तय नहीं किया जा सकता है।' वहीं शुभमन गिल को लेकर बांगड़ ने कहा कि टेस्ट कप्तान के रूप में गिल की प्रगति से उन्हें अन्य प्रारूपों में भी फायदा होगा। उन्होंने कहा, 'पिछले एक साल में टेस्ट क्रिकेट में इतना अच्छा प्रदर्शन करने के बाद शुभमन का आत्मविश्वास बढ़ा है, उससे भी उन्हें लाभ हुआ है। वह मानसिक रूप से अधिक मजबूत खिलाड़ी बन गए हैं। टेस्ट कप्तान के रूप में अतिरिक्त ज़िम्मेदारी लेने से वह एक बेहतर खिलाड़ी बन गए हैं।'

तीसरे टेस्ट में जीत के साथ सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

-कमिंस की वापसी से गेंदबाजी मजबूत होगी : मैकडोनाल्ड

एडिलेड (एजेंसी)। एशेज में पहले दो टेस्ट मैचों में जीत से उत्साहित ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम अब 17 दिसंबर से शुरु होने वाले तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को हराकर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। पहले दोनो ही मैच में इंग्लैंड टीम किसी भी क्षेत्र में उसके सामने टिक नहीं पायी। ऐसे सें तीसरे टेस्ट में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम जीत की प्रबल दावेदार है। इस मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस की वापसी से भी टीम को लाभ होगा। कमिंस एक बेहतरीन तेज गेंदबाज और उनके आने से इंग्लैंड की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। कमिंट फिट नहीं होने के कारण पहले दोनो ही मैचों से बाहर थे। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, कप्तान कमिंस वापसी के लिए तैयार हैं पर एक अन्य तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड फिट नहीं होने से सीरीज से बाहर हो गये हैं।

मैकडोनाल्ड ने कहा, कमिंस की एडिलेड में तैयारी को लेकर कोई चिंता नहीं है। उन्होंने पिछले चार माह से क्रिकेट नहीं खेली है पर इसके बाद भी वह लय में हैं। उन्होंने फिट होने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने अभ्यास सत्र में अपनी फॉर्म और फिटनेस दिखाई है। इसलिए हमें लगता है कि वह तैयार हैं।वहीं उन्होंने कहा कि पिछले टेस्ट से बाहर उस्मान ख्वाजा को एडिलेड टेस्ट में जगह मिल सकती है पर वह सलामी नहीं मध्यक्रम के बल्लेबाजी के तौर पर उतरेंगे। साथ ही कहा कि पिछले मैचों में ट्रैविस हेड और जेक वेदराल्ड का प्रदर्शन सलामी बल्लेबाज के तौर पर अच्छा रहा है, इसलिए वे दोनो ही पारी शुरु करेंगे। उन्होंने कहा कि नाथन लियोन को अंतिम ग्यारह में अवसर मिलना तय है। उन्हें दूसरे मैच में शामिल नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी अब ठीक है और तीसरे मैच में खेलेंगे।

हीरो हॉकी महिला लीग इस माह के अंत में, पुरुष लीग अगले साल की शुरुआत में

रांची। हीरो हॉकी इंडिया के महिला लीग मुकाबले इसी माह 28 दिसंबर से 10 जनवरी तक रांची में खेले जाएंगे जबकि पुरुष लीग 3 से 26 जनवरी तक चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में आयोजित की जाएगी। हीरो हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, पिछले सत्र की सफलता के बाद हमें इस बार और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। हमने पुरुष लीग को तीन शहरों में रखा है जिससे अधिक से अधिक प्रशंसक इस विश्वस्तरीय हॉकी का आनंद ले पायें।' वहीं हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, हीरो हॉकी इंडिया लीग में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। ऐसे में आगामी सत्र अब तक का सबसे बेहतर सत्र होगा। इस कार्यक्रम के दौरान रांची रॉयल्स का आधिकारिक लोगो भी जारी किया गया। ये लोगो टीम की जीवंत भावना और झारखंड की समृद्ध हॉकी विरासत के साथ मजबूत संबंध को दिखाता है। महिला लीग में कुल 13 मैच खेले जाएंगे। इसमें शामिल चार टीमों रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, और श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के बीच डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में मुकाबले होंगे। वहीं अंक तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच 10 जनवरी को फाइनल होगा। इस टूर्नामेंट में नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और ग्रेट ब्रिटेन जैसे 10 से अधिक देशों की महिला खिलाड़ी भाग लेंगी। वहीं पुरुष लीग 3 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक चलेगी। पहला चरण चेन्नई में, दूसरा रांची में और तीसरा भुवनेश्वर में होगा।पुरुष लीग में आठ टीमें तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान, जीएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, श्राची रारह बंगाल टाइगर्स (वर्तमान चैंपियन), वेदांता कलिंग लांसर्स, रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स और एचआईएल गवर्निंग काउंसिल हिस्सा लेंगी। पुरुष लीग में 33 मैच खेले जाएंगे, जिनमें अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी, इंग्लैंड, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे शीर्ष हॉकी राष्ट्रों के खिलाड़ी शामिल होंगे। सभी टीमें सिंगल राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे से खेलेंगी। शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी। क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर 23 जनवरी (भुवनेश्वर) को खेला जाएगा। वहीं दूसरा क्वालिफायर 25 जनवरी को खेला जाएगा।

दूसरे टेस्ट में मैट हैनरी सहित तीन अनुभवी खिलाड़ियों के बिना ही उतरेगी न्यूजीलैंड

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड को बुधवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले करारा झटका लगा है। न्यूजीलैंड टीम को इस मैच में मैच तीन अनुभवी खिलाड़ियों मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और मिचेल सेंटनर के बिना ही उतरना पड़ेगा। ये तीनों ही पहले टेस्ट में घायल हो गये थे और अभी तक नहीं उबरे हैं। ये तीनो ही स्टार खिलाड़ी तीसरे ओर अंतिम मैच में भी नहीं खेलेंगे। जिसकी वजह से वह कैरेबियन जायंट्स के खिलाफ दूसरे और तीसरे हेनरी और स्मिथ के चोटिल होने के बाद अनकैप्ड तेज गेंदबाज माइकल रे को न्यूजीलैंड ने शामिल किया है। वहीं क्रिस्टियन क्लार्क को अपनी टीम में जगह मिली है। रे ने वारविकशायर के लिए काउंटी क्रिकेट खेला है, जिसमें उन्होंने 30.28 की औसत से 14 विकेट लिए हैं। कुल मिलाकर दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 69 फर्स्ट-क्लास मैचों में 205 विकेट लिए हैं। 30 साल के इस खिलाड़ी के नाम फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में आठ बार चार विकेट और तीन बार पांच विकेट हॉल हैं। वहीं फर्स्ट-क्लास में 24 साल के क्लार्क ने 27 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 33 की औसत से 77 विकेट लिए हैं।

इस सीरीज का पहला मैच ड्रॉ रहा था।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान, 17 और 19 साल की युवा प्लेयर्स को मौका

नई दिल्ली । गुनालन कमालिनी और वैष्णवी शर्मा को श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर होने वाली पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए मंगलवार को भारतीय महिला टीम में पहली बार शामिल किया गया। यह श्रृंखला 21 से 30 दिसंबर तक खेली जाएगी जिसके शुरुआती दो मैच विशाखापत्तनम में और बाकी तीन मैच तिरुवनंतपुरम में होंगे। 17 साल की विकेटकीपर बल्लेबाज कमालिनी ने महिला प्रीमियर लीग (WPL) में मुंबई इंडियन्स के लिए नौ मैच खेले हैं लेकिन 19 साल की वैष्णवी को WPL नीलामी में शामिल नहीं किया गया था। कमालिनी और वैष्णवी को राधा यादव और उमा छेत्री के स्थान पर टीम में जगह दी गई है जो पिछले महीने एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। कमालिनी और वैष्णवी के अलावा टीम में सभी जाने-पहचाने नाम शामिल हैं। हरमनप्रीत कौर टीम की कप्तानी कर रही हैं जबकि स्मृति मंधाना उप कप्तान हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल से पहले चोटिल प्रतिका रावल की जगह टीम में जगह बनाने वाली आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा भी टीम का हिस्सा हैं। भारत और श्रीलंका नौ जनवरी को नवी मुंबई में डब्ल्यूपीएल 2026 शुरू होने से ठीक पहले पांच मैच की श्रृंखला खेलेंगे। इस द्विपक्षीय श्रृंखला का कार्यक्रम भारत और बांग्लादेश के बीच दिसंबर में भारत में होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला के पिछले महीने स्थगित होने के बाद घोषित किया गया था। भारत और श्रीलंका ने पिछली बार अक्टूबर 2024 में विश्व कप के दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था।

भारतीय टीम - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, हरलीन देओल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष, जी कमालिनी, श्री चरणी और वैष्णवी शर्मा।

पहले दो नाम ये होने चाहिए, भारत की 2027 विश्व कप टीम पर बोले हरभजन सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ ODI सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 खेलने वाले सीनियर खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली का समर्थन करते हुए कहा कि इन दोनों के लिस्ट में 'पहले दो नाम' होने चाहिए। रोहित और विराट ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ एक ब्लॉकबस्टर ODI सीरीज खेली। रोहित ने पहले और आखिरी ODI में दो शानदार हाफ-सेंचुरी लगाईं जबकि विराट ने रांची और रायपुर में लगातार दो शतक बनाए और इसके बाद विशाखापत्तनम में अर्धशतक लगाया।

अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए हरभजन ने कहा कि अगर कोई 'युवाओं के पीछे अनुभव खो देता है', तो यह बड़े मैचों में महंगा पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'क्या रोहित शर्मा और विराट कोहली से बड़े और बेहतर खिलाड़ी हैं? इसलिए आपको उन्हें साइडलाइन नहीं करना चाहिए, बल्कि यह सोचना चाहिए कि उनके आस-पास टीम कैसे बनाई जाए। अगर आप युवाओं को आगे बढ़ाने के चक्कर में अनुभव खो देते हैं, तो बड़े मैचों में समय-समय पर यह एक समस्या हो सकती है। इसलिए उन्हें खेलना चाहिए और यह एक बड़ा वर्ल्ड कप होगा क्योंकि उसके बाद हो सकता है कि वे कभी दूसरा वर्ल्ड कप न खेलें।'

हरभजन ने कहा, 'जिस तरह से रोहित शर्मा और विराट कोहली बैटिंग कर रहे हैं, और उनके साथ बैटिंग ऑर्डर जैसा दिख रहा है, वह इतना सॉलिड लग रहा है कि उन्हें खेलना चाहिए। वे अपनी फिटनेस बनाए रखेंगे। लेकिन यह सवाल कि वे वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं, युवा खिलाड़ियों की ओर देखना ठीक है, लेकिन उन खिलाड़ियों को नजरअंदाज़ न करें जो पहले से ही बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं।' पूर्व भारतीय स्पिनर ने कहा, 'पिछले वर्ल्ड कप में भी वे फाइनल में चूक गए थे, क्योंकि पिच बहुत धीमी थी। अगर पिच तेज होती, तो इंडिया जीत जाता। बहुत प्रेशर था, इसीलिए ऑस्ट्रेलिया ने भारत से बेहतर खेला और जीता। लेकिन रोहित शर्मा की लीडरशिप में भारत जिस तरह खेला, वह अविश्वसनीय था। इसलिए पहले दो नाम रोहित शर्मा और विराट कोहली होने चाहिए और बाकी टीम उसके बाद बननी चाहिए।'

विराट ने सीरीज में 151.00 के एवरेज और 117 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 302 रन बनाकर टॉप रन-गेटर रहे जिसमें दो शतक और एक फिफ्टी शामिल थी। रोहित ने भी तीन इनिंग्स में 48.66 के औसत से 148 रन बनाए, जिसमें 110 से ज़्यादा का स्टाइक रेट और दो फिफ्टी शामिल थी। 'रो-को' इस साल ODI में भारत के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले दो खिलाड़ी रहे। विराट ने 13 मैचों और इनिंग्स में 65.10 के औसत से 651 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और चार फिफ्टी शामिल हैं, उनका बेस्ट स्कोर 135 और स्ट्राइक रेट 96 से ज़्यादा रहा। दूसरी और रोहित ने 14 इनिंग्स में 50.00 के औसत और 100 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 650 रन बनाए, जिसमें दो शतक और चार फिफ्टी तथा 121* का बेस्ट स्कोर रहा।

वाराणसी में मानव तस्करी के दो दोषियों को उम्रकैद

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी की एक फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) ने बच्चे चुराकर राजस्थान और झारखंड में बेचने के मामले में दो युवकों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला साक्ष्य, गवाहों और पुलिस चार्जशीट के आधार पर किया गया है। फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) न्यायाधीश कुलदीप सिंह की अदालत ने सोमवार को दोषी कुलदीप पासवान (झारखंड, कोडरमा निवासी), नंदलाल राम (पश्चिम बंगाल, 24 परगना निवासी) को आजीवन कारावास और 15,000 का जुर्माना प्रत्येक पर लगाया है। 29 अप्रैल 2023 की रात दो बजे राजघाट निवासी पिंकी का एक साल का बच्चा घर से चोरी हो गया। इसके बाद 19 जुलाई 2023 को पुलिस ने कोडरमा से कमलेश पासवान को गिरफ्तार किया। कमलेश ने पूछताछ में बताया कि अनुराधा देवी (कोडरमा) ने उसके माध्यम से बच्चे को पश्चिम बंगाल के नंदलाल राम को बेचा। 20 जुलाई 2023 को पुलिस ने कुलदीप पासवान को लेकर नंदलाल राम के ठिकाने पर पहुंची, बच्चे को सकुशल बरामद किया और नंदलाल राम को गिरफ्तार किया। कोर्ट ने गवाह, साक्ष्य और पुलिस चार्जशीट के आधार पर दोनों को दोषी पाया। बच्चे को अगवा करने वाली कार भी बरामद कर जब्त की गई थी। अदालत ने पर्याप्त साक्ष्य न मिलने के कारण आठ अन्य आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। उसमें जगबीर बरनवाल, संतोष साव, अनुराधा देवी, गुड़िया, संगीता देवी, मनीष जैन, संतोष गुप्ता, शिखा देवी का नाम शामिल है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह बच्चों की चोरी करके दलालों के माध्यम से राजस्थान, झारखंड और बिहार में निसंतान दंपती या जरूरतमंद लोगों को दो से पांच लाख रुपये में बेच देता था। इस मॉड्यूल से जुड़े अन्य गिरफ्तारियां भी हुई हैं।

खजुराहो में रिसॉर्ट में खाना खाते ही बिगड़ी कर्मचारियों की तबीयत, 4 की मौत... बाकी का इलाज जारी

छतरपुर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के छतरपुर के खजुराहो में रिसॉर्ट में खाना खाने के बाद कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ गई। सभी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया। यहां से गंभीर हालत में 9 कर्मचारियों को ग्वालियर रेफर किया गया। जहां 4 कर्मचारियों की मौत हो गई। बाकी का इलाज हो रहा है। जानकारी के अनुसार, ग्वालियर जाने के दौरान दो लोगों ने दम तोड़ दिया। दो की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि, 5 का इलाज जारी है। इसमें दयाराम, हार्दिक, रवि, रोशनी और गोलू शामिल हैं। इसमें रवि, रोशनी और गोलू वेंटिलेटर पर हैं। उनकी हालत बेहद नाजुक है। डॉक्टर ने फूड पॉइजनिंग के लक्षण बताए हैं। पहले जानकारी मिली थी कि 9 कर्मचारियों को छतरपुर जिला अस्पताल से झांसी मेडिकल रेफर किया था। यहां तबीयत बिगड़ने पर 4 लोगों को ग्वालियर रेफर किया गया, जहां चारों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, तीन कर्मचारियों की मौत हुई है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने इनके परिजनों को 20-20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। प्रशासन ने रिसॉर्ट सील कर दिया है। बताया जा रहा है कि रिसॉर्ट मालिक विनोद कुमार गौतम बेल्जियम में रहते हैं। वहीं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पोस्ट कर लिखा, जिस खजुराहो में कैबिनेट, उसी जिले में 4 मौत हो गईं, लेकिन सत्ता के महलों में बैठे मंत्री मौन हैं। 9 पीड़ित अस्पताल पहुंचाए गए, किंतु निर्लज्जता से भरी हुई निर्मम सरकारी कुर्सियां, उसी इलाके में सरकारी खर्चे पर मौज करती रहीं।

राज्यसभा में आप सांसद संजय सिंह ने एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा के लिए कार्य स्थगित करने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को राज्यसभा में एक नोटिस पेश किया, जिसमें यूपी में चल रही एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा के लिए कार्य स्थगित करने की मांग की। संसद का निचला सदन चुनाव सुधारों के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। इसमें कई राज्यों में भारतीय चुनाव आयोग द्वारा शुरू की गई एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा शामिल होगी। विपक्षी दल महीनों से एसआईआर पर बहस की मांग कर रहे हैं, कांग्रेस मतदाता सूची में विसंगतियों का आरोप लगा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी एसआईआर के मुखर आलोचक रहे हैं और उनका आरोप है कि सरकार इस प्रक्रिया का

इस्तेमाल असली मतदाताओं के नाम हटाने के लिए कर रही है। केसी वेणुगोपाल चुनाव सुधारों पर बहस में भाग लेने वाले वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं में से एक हैं। अन्य नेताओं में मनीष तिवारी, वर्षा गायकवाड़, मोहम्मद जावेद, उज्ज्वल रमन सिंह, ईसा खान, रवि मल्लू, इमरान मसूद, गोवाल पदवी और एस ज्योतिमणि शामिल हैं। राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एसआईआर पर चर्चा शुरू करने की संभावना है। लोकसभा और राज्यसभा में पूरी चर्चा के लिए कुल 10 घंटे तय किए गए हैं। राहुल गांधी एसआईआर अभियान की लगातार आलोचना करते रहे हैं, उन्होंने मतदाता सूची में विसंगतियों और बीएलओ पर दबाव का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने कहा कि एसआईआर एक सोची-समझी चाल है। जहां नागरिकों को परेशान किया जा रहा है और अनावश्यक दबाव से बीएलओ की मौतों को सह-क्षति बताकर खारिज कर दिया है। यह कोई विफलता नहीं, बल्कि एक साजिश है। सत्ता में बैठे लोगों को बचाने के लिए लोकतंत्र की बलि चढ़ा दी गई है।

घटना के फौरन बाद फुकेत भाग गए नाइट क्लब के मालिक, आरोपी सौरभ और गौरव लूथरा

पणजी (एजेंसी)। गोवा पुलिस ने कहा है कि नाइट क्लब के मालिकों का देश छोड़कर थाईलैंड भाग जाना, पुलिस जांच से बचने की उनकी मंशा को दिखाता है नाइट क्लब में आग लगने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना तब हुई है, जिसमें दिल्ली स्थित बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा आग लगने की घटना शुरू होने के करीब छह घंटे बाद इंडिगो की उड़ान से फुकेत भाग गए थे। पुलिस उपाधीक्षक और जनसंपर्क अधिकारी नीलेश राणे ने बताया मुंबई स्थित आव्रजन ब्यूरो से संपर्क करने पर पता चला कि दोनों आरोपी 7 दिसंबर की सुबह 5:30 बजे, यानी घटना के तुरंत बाद, उड़ान (नई दिल्ली से फुकेत) में सवार हुए थे। इससे पुलिस जाँच से बचने की उनकी मंशा का पता चलता है। इंडिगो की उड़ान रद्द होने की खबर उस समय में आई है जब पूरे भारत में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है, इस हफ्ते कई हवाई अड्डों पर हज़ारों उड़ानें रद्द कर दी गईं।

राज्यों में एसआईआर के काम में बाधा पर अदालत सख्त, कहा-चुनाव आयोग संज्ञान में लाए, हम आदेश पारित करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को धमकाने के अलावा चुनाव आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में कथित तौर पर बाधा डालने की घटनाओं को गंभीरता से लिया है। अदालत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा सहयोग की कमी को गंभीरता से लेने को कहा।

सर्वोच्च अदालत ने कहा, अगर हालात और बिगड़ते हैं तो पुलिस तो तैनात करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि उनके पास सभी संविधानिक शक्तियां हैं, जिससे हम बीएलओ और अन्य अधिकारियों को धमकाने की घटनाओं से डील कर सकते हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इससे निपटें वरना इन हालातों से अराजकता हो सकती है।

पश्चिम बंगाल में पांच आईएएस नियुक्त

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कामकाज की निगरानी के लिए पांच वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को स्पेशल रोल ऑब्जर्वर (एसआरओ) नियुक्त किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम एसआईआर प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। जिन अधिकारियों को नियुक्त किया गया है, उनमें रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव कुमार रवि कांत सिंह को प्रेसिडेंसी संभाग के लिए एसआरओ बनाया गया है, जबकि गृह मंत्रालय के नीरज कुमार बांसोद को मेदिनीपुर संभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के कृष्ण कुमार निराला बर्दवान संभाग के लिए एसआरओ होंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के ऑफिस के एक अधिकारी ने बताया कि एसआरओ की नियुक्ति से सभी संभागों में एसआईआर प्रक्रिया की जांच मजबूत होगी। राज्य में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण 4 नवंबर को शुरू हुआ था। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को जारी की जाएगी।

प्रस्तावित बाबरी मस्जिद के लिए मिला करीब तीन करोड़ रुपये का चंदा

हुमायूं कबीर के करीबियों ने बताया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा मुर्शिदाबाद में प्रस्तावित बाबरी मस्जिद-शैली की मस्जिद के लिए मिले चंदे की राशि करीब तीन करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। विधायक के सहयोगियों ने बताया कि कबीर ने रेजीनगर में इस मस्जिद का शिलान्यास किया था।

कबीर के अनुसार, स्थल पर 12 दान पेटियां रखी गई थीं। अब तक इन पेटियों से 57 लाख रुपये की गिनती हुई है, जबकि क्यूआर कोड भुगतान के माध्यम से 2.47 करोड़ रुपये मिले हैं। योगदान के लिए शिलान्यास स्थल पर एक दान पेटी अब भी रखी हुई है। रिपोर्ट में बताया गया था कि मस्जिद बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अब तक करीब 1.3 करोड़ रुपये का चंदा मिला है। कबीर के करीबी लोगों ने बताया कि चंदे के लिए जगह-जगह लगाए गए दानपत्र करीब भर चुके हैं और नकदी गिनने वाली मशीनों की मदद से रात भर चंदे की गिनती चलती रही। उन्होंने बताया कि लोग दान नकदी और ऑनलाइन दोनों तरीके से दे रहे हैं। कबीर के करीबी लोगों ने बताया कि चार दान पेटियों और एक बोरी से अब तक कम से कम 37.33 लाख रुपये नकद गिने गए हैं, जबकि क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन योगदान 93 लाख रुपये तक पहुंच गया है, जिससे कुल राशि 1.30 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि सात और सीलबंद पेटियों को खोला जाना बाकी है।

एण्डटीवी के कलाकारों ने इस वर्ल्ड माउंटेन डे पर बताया पहाड़ हमें सुकून भी देते हैं और रोमांच भी!

एजेंसी

मुंबई : दुनियाभर में जब पहाड़ों की खूबसूरती और शांत माहौल का जश्न मनाया जा रहा है, ऐसे में एण्डटीवी के मशहूर कलाकार भी बता रहे हैं कि वो क्यों पहाड़ों के दीवाने हैं। अपने दमदार किरदारों से लोगों की पसंद बने इन कलाकारों ने पहाड़ों की अपनी पसंदीदा यात्राओं के बारे में बताया और इनसे जुड़ी यादें साझा कीं। इनमें शामिल हैं पारस अरोड़ा ('घरवाली पेडवाली' के जीतू), संजय चौधरी ('हप्पू की उलटन पलटन' के कमलेश) और विदिशा श्रीवास्तव ('भाबीजी घर पर हैं' की अनीता भाबी)।

आगामी शो 'घरवाली पेडवाली' में जीतू का किरदार निभा रहे पारस अरोड़ा कहते हैं, पहाड़ों का मेरे दिल में एक अलग ही स्थान है- वे मुझे हर पल जीने, सुकून महसूस करने और बिल्कुल आजाद होने का एहसास कराते हैं। मैं पूरी तरह से 'माउंटेन पर्सन' हूं! ट्रेकिंग करना, नए रास्तों को खोजना और घुमावदार सड़कों पर बाइक चलाना मुझे बेइंतहां खुशी देता है। पिछले साल मैंने ऊटी की सैर की, जो मेरे जीवन की सबसे शांत लेकिन रोमांचक यात्राओं में से एक रही- नदी किनारे कैंपिंग, छुपे हुए झरनों को खोजना और ऐसे सूर्यास्त देखना जो किसी पेंटिंग जैसे लगते हों। हाल ही में मैं हिमाचल प्रदेश गया और अपनी बाइक भी साथ ले गया। सूर्योदय के समय धुंध से ढकी पहाड़ी मोड़ों पर चलना, ठंडी हवा का चेहरे को छूना और पाइन की खुशबू का माहौल में घुलना-सब कुछ बेहद अलौकिक था। कुछ रास्ते काफी खड़े और फिसलन भरे थे, जिससे सफर रोमांचक हो गया। लेकिन जब मैं ऊपर पहुंचा और नीचे बादलों को तैरते हुए देखते हुए गरम चाय की चुस्की ली, तो वह अनुभव वाकई बेहद सुकूनभरा था। मेरे लिए पहाड़ सिर्फ. मंजिल नहीं हैं; वे थेरेपी, रोमांच और शांति- तीनों का मेल हैं। हप्पू की उलटन पलटन में कमलेश का किरदार निभा रहे संजय चौधरी बताते हैं, मुझे हमेशा से पहाड़ी इलाकों का बहुत शौक रहा है। प्रकृति के बीच रहने में एक अलग ही सुकून होता है, और साथ ही थोड़ा रोमांच भी। हाल ही में जब मैं कुफरी गया, तो सच कहूँ तो ये मेरी टू-डू लिस्ट का एक सपना पूरा होने जैसा था! सोशल मीडिया पर उसके इतने वीडियो देखे थे, और जब खुद वहां पहुंचा तो अनुभव बिल्कुल ही अलौकिक था। बर्फ से ढकी चोटियां, देवदार की खुशबू वाली ठंडी हवा, और रास्ते में छोटे-छोटे चाय के स्टॉल-सब कुछ बेहद खूबसूरत था। पहली बार मैंने पहाड़ी रास्ते पर घुड़सवारी भी की।

मध्य प्रदेश में बर्फीली हवाओं ने सर्दी का कहर बढ़ाया, राजस्थान में फिर से शीतलहर का दौर शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में बर्फीली हवाओं ने सर्दी का कहर बढ़ा दिया है। शहडोल के कल्याणपुर में सबसे कम तापमान 4.2 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। कई शहरों में तापमान 5 डिग्री से नीचे जा सकता है।

राजस्थान के 19 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज हुआ। फतेहपुर में सबसे कम, 4.4 डिग्री पारा दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने राज्य में 10 दिसंबर से शीतलहर चलने की आशंका जाहिर की है। दूसरी तरफ, पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। उत्तराखंड के चमौली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ सहित कई जिलों में तेज बर्फबारी हुई। पहाड़ पूरी तरह से सफेद नजर आए।

कश्मीर के गांदरबल जिले के सोनमर्ग में सीजन की पहली बर्फबारी हुई। बड़ी संख्या में पर्यटक और स्थानीय लोग बर्फबारी का मजा लेते हुए दिखे। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला

स्थित रोहतांग दर्रे में बर्फबारी हुई। इसके कारण मनाली-लेह सड़क बंद कर दिया गई।

राजस्थान में फिर से शीतलहर का दौर शुरू होने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार, 10 दिसंबर से शीतलहर का प्रभाव महसूस होगा। शेखावाटी और उसके आसपास के एरिया में सबसे ज्यादा असर देखने को मिलेगा। सीकर, चूरू, झुंझुनूं और नागौर में 2 दिन का यलो अलर्ट है। तापमान में 1 से 2 डिग्री तक गिरावट देखने को मिल सकती है। उत्तराखंड के चमोली और पिथौरागढ़ में पहाड़ों पर बर्फ की सफेद परत बिछ गई है। यहां नदी, नाले और झरने भी जम गए हैं। केदारनाथ में तापमान माइनस 17 डिग्री सेल्सियस और बद्रीनाथ में माइनस 14 डिग्री सेल्सियस चला गया है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के रोहतांग दर्रे और अन्य ऊंचाई वाले इलाकों में सोमवार को बर्फबारी हुई। खराब मौसम के कारण मनाली-लेह मार्ग को दारचा से आगे बंद कर दिया गया है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल के इक्विटी शेयर्स का इनिशियल पब्लिक ऑफर 12 दिसंबर को खुलेगा

मुंबई : आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (कंपनी) अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरमें इक्विटी शेयर्स के लिए बिड/ऑफर 12 दिसंबर 2025 को खोलेगी और 16 दिसंबर 2025 को बंद करेगी। एंकर इन्वेस्टर बिडिंग डेट 11 दिसंबर 2025 होगी। यह ऑफर कंपनी के एक प्रमोटर, यानी प्रूडेंशियल कॉर्पोरेशन होल्डिंग्स लिमिटेड द्वारा ऑफर फॉर सेल के जरिए अधिकतम 48,972,994 इक्विटी शेयर्स तक का है। ऑफर में पात्र आईसीआईसीआई बैंक शेयरहोल्डर्स के लिए अधिकतम 2,448,649 इक्विटी शेयर्स का रिजर्वेशन शामिल है। आईसीआईसीआई बैंक शेयरहोल्डर रिजर्वेशन पोर्शन को घटाने के बाद बचा ऑफर नेट ऑफर कहलाएगा। ऑफर और नेट ऑफर क्रमशः ऑफर के बाद कंपनी के पेड-अप इक्विटी शेयर कैपिटल का 9.91% और 9.41% हिस्सा होंगे। इक्विटी शेयर्स कंपनी के 05 दिसंबर 2025 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के जरिए ऑफर किए जा रहे हैं, जिसे दिल्ली और हरियाणा में रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, नई दिल्ली के पास फाइल किया गया है। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के जरिए ऑफर किए जा रहे इक्विटी शेयर्स को बीएसई लिमिटेड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड पर लिस्ट करने का प्रस्ताव है। ऑफर के लिए प्राइस बैंड ₹2,061 से ₹2,165 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 6 इक्विटी शेयर्स के लिए और उसके बाद 6 इक्विटी शेयर्स के मल्टीपल में बिड की जा सकती है।

ओवैसी ने बनाई दूरी अब हुमायूं कबीर के साथ गठबंधन नहीं करेगी एआईएमआईएम

हैदराबाद (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानी एआईएमआईएम ने तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर के साथ किसी भी चुनावी गठजोड़ से सोमवार को इनकार किया। साथ ही उनके प्रस्तावों को राजनीतिक रूप से संदिग्ध और वैचारिक रूप से असंगत बताया। एआईएमआईएम की ओर से यह बात ऐसे समय में कही गई है जब हुमायूं कबीर ने कुछ दिन पहले पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में एक समारोह में मस्जिद की नींव रखी थी।

एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद असीम वकार ने कहा कि कबीर को व्यापक रूप से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ राजनीतिक रूप से जुड़ा हुआ माना जाता है। वकार ने एक बयान में कहा, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कबीर को अधिकारी के राजनीतिक तंत्र का हिस्सा माना जाता है। और यह सर्वविदित है कि अधिकारी भाजपा के राष्ट्रीय स्तरीय नेतृत्व के मुख्य रणनीतिक ढांचे के भीतर काम करते हैं।

उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय उकसावे से प्रेरित राजनीति का समर्थन नहीं करता। एआईएमआईएम नेता ने कहा, मुस्लिम समुदाय राष्ट्र निर्माण में विश्वास रखता है, उसे तोड़ने में नहीं। वह देश को मजबूत करने वाली ताकतों के साथ खड़ा है और अशांति और विभाजन पैदा करने वालों को नकारता है।

पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का उल्लेख करते हुए वकार ने कहा, ओवैसी साहब की राजनीति संवैधानिक मूल्यों, शांति और सामाजिक सद्भाव पर आधारित है। वह ऐसे किसी भी व्यक्ति से नहीं जुड़ सकते जिसके कार्य एकता को खतरे में डालते हों, सामाजिक मतभेदों को गहरा करते हों या विनाश की राजनीति को बढ़ावा देते हों। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल के मुसलमान कबीर के हालिया कदमों के पीछे की राजनीतिक मजबूरियों से पूरी तरह वाकिफ हैं। वकार ने कहा, लोग साफ तौर पर समझते हैं कि वह किसके इशारे पर, किस हद तक और किस मकसद से काम कर रहे हैं। कबीर को पिछले सप्ताह पार्टी नेतृत्व के साथ बार-बार टकराव के बाद टीएमसी से निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने 22 दिसंबर को एक नया राजनीतिक दल बनाने की योजना की घोषणा की है।

हैबिट बदलो, हवा बदलोः स्वच्छ हवा के लिए देशभर में डिजिटल मुहिम तेज

एजेंसी

नयी दिल्ली : 'हवा बदलो', देश की प्रमुख सामाजिक जागरूकता पहल, स्वच्छ हवा और टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देने में लगातार बड़ी भूमिका निभा रही है। 2016 में शुरू हुई इस मुहिम ने लोगों को प्राकृतिक गैस, बायोगैस और अन्य स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग की ओर प्रेरित किया है, साथ ही ऐसे जीवन-आदतों को अपनाने के लिए कहा है जो पर्यावरण को सुरक्षित बनाती हैं। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए गेल ने नई पहल 'हैबिट बदलो, हवा बदलो' शुरू की है, जो बताती है कि जड़ता भी एक आदत है—लोग बदलाव चाहते हैं, लेकिन अक्सर पुरानी आदतों पर लौट जाते हैं। यह अभियान लोगों से छोटी-छोटी आदतें बदलने की अपील करता है ताकि बड़े स्तर पर सकारात्मक असर हो सके।

अभियान की सबसे बड़ी ताकत इसकी सरल और असरदार कहानियाँ हैं, जो रोजमर्रा की स्थितियों को जोड़कर लोगों को बदलाव के लिए प्रेरित करती हैं। इसकी शॉर्ट फिल्म 'ये दोस्ती' युवाओं की दोस्ती और सोच को नए तरीके से दिखाती है—जहाँ युवा स्टंट और जोखिम भरे व्यवहार की जगह जिम्मेदारी और स्वच्छ ऊर्जा को चुनते हैं। इसी तरह, मुहिम त्योहारों और शादियों जैसे खास मौकों पर परिवारों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील दिखाती है—जैसे डिजिटल निमंत्रण, स्थानीय खाना, कम कचरा और शांति से संगीत का उपयोग। इन कहानियों के जरिए मुहिम जिम्मेदार यात्रा, सोच-समझकर खरीदारी और पर्यावरण-अनुकूल समारोहों को बढ़ावा देती है। संदेश साफ है—छोटे कदम बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हैबिट बदलो, हवा बदलो अभियान को लोगों का जबरदस्त समर्थन मिला है। हाल में इसे 21.2 मिलियन से ज्यादा व्यूज, 2,45,000 घंटे का वॉच टाइम और 2,23,000 से अधिक नए सब्सक्राइबर्स मिले हैं। सिर्फ 'ये दोस्ती' फिल्म ने ही 8.74 मिलियन व्यूज हासिल किए और यह सबसे प्रभावशाली कंटेंट बनकर उभरी। यह मुहिम उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख राज्यों में खास तौर पर लोकप्रिय रही, जहां दर्शकों ने लगातार लंबे समय तक वीडियो देखे—जो गहरी रुचि और जुड़ाव को दिखाता है।

2026 में पांच राज्यों में होंगे विधानसभा चुनाव, कई क्षेत्रों में उपचुनाव की भी तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव समाप्त होने के साथ ही देश एक नए चुनावी दौर में प्रवेश कर रहा है। आने वाले महीनों में देश के कई राज्यों में राजनीतिक गतिविधियां तेज होंगी, क्योंकि वर्ष 2026 में पांच प्रमुख राज्यों- असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। इन राज्यों में चुनावी तैयारियां धीरे-धीरे गति पकड़ने लगी हैं और क्षेत्रीय दलों से लेकर राष्ट्रीय पार्टियों ने अपनी रणनीतियों को मजबूत करना शुरू कर दिया है।

असम में विधानसभा की 126 सीटें हैं, जहां चुनाव आमतौर पर जातीय संतुलन, विकास कार्यों और क्षेत्रीय राजनीतिक समीकरणों पर केंद्रित रहते हैं। केरल की 140 सीटों वाली विधानसभा में वाम मोर्चा और कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन हर चुनाव में कड़ा मुकाबला देते हैं, जिससे यह राज्य देश की राजनीति में अलग पहचान रखता है। वहीं, दक्षिण का सबसे बड़ा राज्य तमिलनाडु, जिसकी विधानसभा में 234 सीटें हैं, द्रविड़ राजनीति का गढ़ माना जाता है और यहां एआईएडीएमके तथा डीएमके के बीच मुख्य मुकाबला रहता है। पूर्वी भारत में पश्चिम बंगाल 294 सीटों वाली विधानसभा के साथ राजनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। पिछले चुनावों में यहां तीखे राजनीतिक टकराव देखने को मिले थे, और 2026 में भी मुकाबला बेहद दिलचस्प रहने की उम्मीद है। पुडुचेरी, जहां विधानसभा की 30 सीटें हैं, आकार में भले छोटा हो, लेकिन दक्षिण भारतीय राजनीति में इसकी भूमिका अहम मानी जाती है।

यहां हो सकते हैं उपचुनाव

इसी बीच, देश के विभिन्न हिस्सों में कई विधानसभा सीटें विधायकों के निधन के कारण रिक्त हो गई हैं, जिन पर उपचुनाव कराए जाने हैं। गोवा की पोंडा सीट 15 अक्टूबर को भाजपा विधायक रवि नाइक के निधन के बाद खाली हुई। कर्नाटक की बागलकोट सीट कांग्रेस विधायक एच.वाई. मेती के 4 नवंबर को निधन के बाद उपचुनाव की प्रतीक्षा में है। महाराष्ट्र की राहुरी सीट भी भाजपा विधायक शिवाजी कर्दिले के 17 अक्टूबर को निधन के बाद रिक्त है। मणिपुर की ताडुबी सीट 18 जनवरी से खाली है, जहां पहले एनपीपी के एन. कायिसी विधायक थे। इसके अलावा नागालैंड की कोरिडांग सीट भी 11 नवंबर को भाजपा विधायक इमकोंग एल. इमचेन के निधन के बाद खाली हो चुकी है।

चुनाव आयोग इन उपचुनावों की तिथियों की घोषणा जल्द कर सकता है। इस प्रकार देश आने वाले नए साल के चंद महीनों में ही एक बार फिर व्यापक चुनावी सरगर्मी से गुजरने वाला है। ऐसे में इन चुनावों में जहां राजनीतिक दलों की सक्रियता देखने को मिलेगी वहीं जनता की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण होगी।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902